हिन्दी दैनिक

# प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शुक्रवार ● 23.08.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 34 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~2 रुपये~~ 2 रुपये

## आज एक हजार दे रहे हैं, अगले पांच साल के भीतर हर घर को एक-एक लाख देंगे : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**मेदिनीनगर :** महागठबंधन की सरकार हेडक्वार्टर से चलने वाली सरकार नहीं है। ये सरकार गांव-देहात से चलने वाली सरकार है। जहां कभी कोई पदाधिकारी नहीं गया उस गांव में पदाधिकारियों को पहुंचाया। गांव-गांव सरकार आपके द्वार कार्यक्रम चलाकर योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाया गया। गुरूवार को ये बातें मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहीं। वे मेदिनीनगर में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हमने 1 हजार रुपये देना शुरू किया है। ये चलता रहेगा आने वाले 5 सालों के अंदर हम हर घर तक 1-1 लाख पहुंचाने का काम करेंगे। यह हम वादा करते हैं।

### हमारी सरकार ने हार नहीं मानी

सीएम हेमन्त ने कहा कि वर्ष 2019 में हमारी सरकार बनते ही बड़ी-बड़ी समस्याएं आने लगी। कोरोना महामारी आ गया। उस महामारी में सब बंद था। कोई घर से नहीं निकल सकता था। झारखंड से दूसरे राज्य में काम करने जो लोग गये थे वो वहीं फंस गये थे। चारों तरफ त्राहिमाम था। उस स्थिति में भी हमारी सरकार ने हार नहीं मानी। उस समय भी हमने हवाई जहाज, ट्रेन और बस से लोगों को उनके घर पहुंचाया। केंद्र की सरकार उस समय कहती थी कि हवाई चप्पल वाले को हम हवाई जहाज पर चढ़ाएंगे। हवाई जहाज पर तो चढ़ाया नहीं बल्कि उनको सड़क पर छोड़ दिया। यहां एक दिन घर का आदमी मजदूरी नहीं करेगा तो घर का चूल्हा नहीं जलेगा। उस समय में हमारी महिला दीदियों ने गांव-गांव पंचायत-पंचायत में गरीब-गुरबों को खाना खिलाया था। याद कीजिए वो दिन कि किस तरह राज्य की महिलाओं ने अपनी जान की परवाह किये बिना राज्य की जनता को बचाया। कोरोना ने दो-दो मंत्रियों को निगल लिया। उनके आशीर्वाद से आज मंईयां सम्मान योजना का लाभ दिया जा रहा है। हमने साढ़े चार साल में जो लकीर खींची है वो ये लोग 20 साल में क्या 50 साल में भी नहीं कर पाएंगे। हमारे विपक्ष के लोग षडयंत्र रचते हैं। कोरोना का बादल छंटा तो सरकार गिराने में लग गये। विधायक को खरीद-फरोख्त में लग गये। हमको भी झूठे केस में फंसा दिया।

पहले हम कैसे दिखते थे, अब कैसे दिखते हैं। हमको दो-ढाई साल तक इन लोगों ने परेशान किया। यहां तक की जेल भी भेज दिया। लेकिन कहते हैं कि भगवान के घर में देर है पर अंधेर नहीं है। आज सच्चाई छिप नहीं सका। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेश से आज हम आपके बीच खड़े हैं। इन लोगों ने कोई कसर नहीं छोड़ा। क्योंकि हमलोगों का काम ही ऐसा था। पहले हम गांव-देहात को मजबूत करेंगे। गांव ही मजबूत नहीं होगा तो शहर कैसे मजबूत होगा।

गांव की बच्चियों को हमने सावित्री बाई फूले योजना से जोड़ा। 9 लाख बच्चियों को योजना से जोड़ा गया है। अब यह 15 लाख होने वाला है। इसलिए, आपको जो भी पढ़ना है पढ़िए, सरकार आपको गुरुजी क्रेडिट कार्ड के जरिए 15 लाख तक की सहायत राशि देगी। जिसमें मात्र 4 प्रतिशत इंट्रेस्ट देना होगा। वो भी पढ़ाई पूरी करने के बाद।

### युवाओं का भविष्य विपक्ष ने गर्त में डाला

हेमन्त ने कहा कि विपक्ष युवा आक्रोश रैली निकालने वाला है। युवाओं का भविष्य तो इन लोगों ने गर्त में डाल दिया। सबसे ज्यादा फौज में भर्ती होती थी, वहां नियुक्ति बंद है। कोल इंडिया में सबसे ज्यादा नियुक्ति होता था, वहां बंद हो गया। बैंक में नियुक्ति होता था, वहां बंद हो गया। अब नियुक्तियों का सारा बोझ राज्य सरकार पर डाल दिया गया। फिर भी हमने हार नहीं मानी। हम हजारों नियुक्तियां दे रहे हैं। चाहे वह जेपीएससी के माध्यम से हो, पंचायत सचिव हो, शिक्षकों की नियुक्ति हो, कृषि विभाग में नियुक्ति हो। अनेक नियुक्तियां हमने की। अभी सिपाही की भी बहाली होनी है वो अंतिम चरण में है। अभी उत्पाद सिपाही की भी नियुक्ति होनी है। उसमें भी हम लोग लगे हैं। नियम कायदा-कानून कभी बना ही नहीं। हमलोग बनाते हैं तो ये लोग असंवैधानिक बोल देता है। हमलोग स्थानीय नीति, नियोजन नीति बनाए तो ये लोग कोर्ट चले गये। वहीं, भाजपा शासित राज्यों में कानून बनता है तो वो संवैधानिक हो जाता है। ये लोग हिंदू-मुस्लिम के नाम पर, अगड़ा-पिछड़ा के नाम पर और सिक्ख-ईसाई के नाम पर आपके बीच जहर घोलने का काम करेंगे। नवंबर दिसंबर में राज्य में चुनाव होने जा रहा है। लोकसभा चुनाव में भी इन लोगों ने इतना हिंदु-मुस्लिम किया कि देश कि जनता ने इनको इतना जबरदस्त तमाचा मारा। सरकार बनाने के लिए इनको बैसाखी का सहारा लेना पड़ा। इनके पास कोई मुद्दा कोई एजेंडा भी नहीं है। पहले ये लोग हमको भ्रष्टाचारी कहते थे। हमको जेल में डाल दिया। हम आज आपके सामने खड़े हैं। जमीन चोर और जमीन दलाल बोल के दिखाओ। जब यहां के नेताओं से इनकी पार्टी नहीं संभल रही तो ये छत्तीसगढ़, असम और मध्यप्रदेश से नेता लाते हैं। यहां पर झूठी बयानबाजी करते हैं। विधायक और सांसदों को तोड़ने-फोड़ने का काम करते हैं। खैर इनसे हम डरने वाले नहीं है। ऐसे कई लोग आएंगे और जाएंगे।

## एक नजर

### चांडिल डैम से मिले दोनों पायलटों के शव

**जमशेदपुर :** जमशेदपुर के सोनारी एयरपोर्ट से 20 अगस्त को उड़ान भरने के करीब 20 मिनट बाद लापता हुए विमान के दोनों पायलटों के शव चांडिल डैम से निकाल लिए गए हैं। एनडीआरफ की टीम ने ट्रेनी पायलट शुभ्रोजीत दत्ता का शव गुरुवार सुबह 10 बजे चांडिल डैम से निकाला। इसके बाद मुख्य पायलट जीत शत्रु आनंद की तलाश में भारतीय नौसेना और एनडीआरएफ की टीम ऑपरेशन में जुटी रही। टीम ने कल्याणपुर गांव के पास चांडिल डैम से पायलट का शव बरामद कर लिया। दोनों शव बरामद होने के बाद यह बात साफ हो गई है कि विमान डैम में गिरकर क्रैश हुआ था। अलकेमिस्ट एविएशन कंपनी के इस विमान को पटना निवासी कैप्टन जीत शत्रु आनंद उड़ा रहे थे, जबकि उनके साथ जमशेदपुर निवासी ट्रेनी पायलट शुभ्रोदीप दत्ता सवार थे। विमान ने 20 अगस्त को दिन के करीब 11 बजे उड़ान भरी थी और करीब 20 मिनट बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल से उसका संपर्क टूट गया था। डैम में गिरकर क्रैश हुआ। टू-सीटर विमान अमेरिका में निर्मित है और इसका नाम 'सेशना 152' है। यह सिंगल इंजन का विमान है। इस विमान का संचालन जमशेदपुर में पायलट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट वर्ष 2008 से ही कर रहा था। इसके संचालक मृणाल पॉल हैं। मार्च, 2022 में भी इस इंस्टीट्यूट का एक प्रशिक्षण विमान सोनारी हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। इस हादसे में दो पायलट जख्मी हो गए थे।

## एटीएस की बड़ी कार्रवाई, 16 जगहों पर छापेमारी कर आठ आतंकियों को पकड़ा

- आतंकवादी संगठन है एक्यूआईएस।
- लोहरदगा से गिरफ्तार हुए आतंकी के पास से हथियार भी बरामद।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** झारखंड एटीएस को बड़ी सफलता मिली है। एटीएस की टीम ने 16 जगहों पर छापेमारी कर अलकायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) आतंकी संगठन के आठ आतंकियों को पकड़ा है। एटीएस की टीम ने लोहरदगा और लातेहार सीमा पर स्थित हिंजला, हजारीबाग के पेलावल समेत अन्य कई जिलों में 16 जगहों पर छापेमारी कर सभी आतंकियों को गिरफ्तार किया है। लोहरदगा से गिरफ्तार हुए आतंकी के पास से हथियार भी बरामद हुआ है। गिरफ्तार आर्तकियों से पूछताछ चल रही है।

इस संबंध में झारखंड पुलिस के प्रवक्ता एवी होमकर ने बताया कि केन्द्रीय एजेंसी के जरिये कुछ लोगों के संदिग्ध गतिविधि के बारे में दिये गये सूचना के आधार पर गुरुवार को आंतकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने राज्य के विभिन्न जिलों रांची, हजारीबाग और लोहरदगा में एक साथ कुल 16 स्थानों पर छापेमारी की। हजारीबाग में एक बार फिर एटीएस ने अपनी दबिश दिखाई है। लोहसिंघना थाना अंतर्गत लोहसिंघना चौक से एक संदिग्ध आतंकी को एटीएस की टीम ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार करने के बाद उसे कड़ी सुरक्षा में हजारीबाग एसीजेम कोर्ट में पेश किया गया। गिरफ्तार आतंकी अलकायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंट का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है। गिरफ्तार संदिग्ध का नाम फैजान अहमद है। जिसके पिता का नाम अब्दुल रशीद है। 45 वर्षीय संदिग्ध मोहम्मद फैजान अहमद होलसेल का व्यापार हजारीबाग में करता है। अपना पहचान छुपा कर आतंकी संगठन के लिए काम कर रहा था। इसके माता-पिता मंडई में रहते हैं। और यह खुद लोहसिंघना में रहता था। ये एक रांची के डॉक्टर इस्तियाक अहमद से यह संपर्क में थे। डॉक्टर इस्तियाक हजारीबाग आए थे और इनसे मुलाकात किए थे। दोनों ने हजारीबाग के एक होटल में भोजन भी किया था। डॉक्टर इश्तियाक गिरफ्तार पहले ही हो चुके है। एटीएस की टीम ने दो लैपटॉप, एक किताब, मोबाइल फोन और कुछ इलेक्ट्रॉनिक गैजट्स भी जब्त किए हैं। हजारीबाग आतंकियों का स्लीपर सेल बनता जा रहा है। इसकी जड़ें आईएसआई मॉड्यूल गहराती जा रही है। हजारीबाग का नाम आतंकियों के साथ 2002 में पहली बार आया था हजारीबाग देश की सर्वोच्च जांच एजेंसी एनआईए के नजर में हमेशा रही है।

छापेमारी के बारे में जानकारी देते झारखंड पुलिस के प्रवक्ता एवी होमकर

अब तक के जांच और कार्रवाई में पिछले दो दशक में यह बातें सामने आई है कि हजारीबाग के पेलावल में आर्तकियों का पनागाह बनता जा रहा है। जहां स्लीपर सेल डेवलप हो चुका है।

### इस्लामिक राज्य स्थापित करने के लिए जिहाद छेड़ना चाहता है एक्यूआईएस

जानकारी के मुताबिक, अलकायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंट का अंसारुल्लाह बांग्ला टीम आतंकी संगठन के साथ संबंध है। 2014 में स्थापित प्रतिबंधित आतंकी संगठन अल-कायदा की एक शाखा एक्यूआईएस कथित तौर पर अफगानिस्तान, पाकिस्तान, भारत, बर्मा और बांग्लादेश में सक्रिय है। समूह इस्लामिक राज्य स्थापित करने के लिए जिहाद छेड़ना चाहता है। इस आतंकी संगठन से जुड़े लोगों का उद्देश्य झारखंड में आतंक का प्रचार करना, समान विचारधारा वाले युवाओं को कट्टरपंथी बनाना और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए भर्ती करना है, ताकि लोकतांत्रिक रूप से चुनी गयी सरकार को 'नियम' स्थापित करके उखाड़ फेंका जा सके और भारत में गजवा-ए-हिंद को लागू किया जा सके। गिरफ्तार सभी आतंकवादी इसके प्रचार प्रसार करने में ही जुटे थे।

### क्या है संगठन का उद्देश्य

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पूछताछ पर आतंकी संगठन से जुड़े युवकों ने कहा कि संगठन का उद्देश्य क्षेत्र में आतंक का प्रचार करना, युवाओं को कट्टरपंथी बनाना, भारत में शरिया कानून स्थापित करने के साथ-साथ बांग्लादेश के खिलाफ युद्ध छेड़ने और भारत में गजवा ए हिंद को लागू करने के लिए एक नियमित भर्ती प्रक्रिया को अंजाम देना है।

### झारखंड के सात जिले बने आतंकी संगठनों के स्लीपर सेल का ठिकाना

झारखंड के रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग समेत सात जिले आतंकवादी संगठनों के स्लीपर सेल का ठिकाना बना हुआ है। इन सात जिलों में रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग, रामगढ़, लोहरदगा, पाकुड़ और गिरिडीह जिला शामिल है। ये सभी जिले आर्तकियों के स्लीपर सेल को पनाह देती रही है। यहां कई सालों से आतंकी अपनी गतिविधियों का रोड-मैप व साजिश की रूप-रेखा तैयार करते रहे हैं।

## चम्पाई सोरेन अपनी बातें पार्टी अध्यक्ष से कहते तो अच्छा होता : कल्पना सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**गिरिडीह :** झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन को लेकर एक सप्ताह से जारी सियासी उठापठक के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और विधायक कल्पना सोरेन ने गुरुवार को कहा कि चम्पाई वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर अपने मन की बात लिखी है, इस पर मैं कुछ कहना नहीं चाहती हूं।

कल्पना सोरेन ने कहा कि मैं झारखंड मुक्ति मोर्चा की सिपाही हूं। चम्पाई भी जेएमएम के सिपाही हैं। चंपाई सोरेन को जो भी बात कहनी थी, उसे पार्टी अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष से कहते तो अच्छा रहता। कल्पना से जब पूछा गया कि चम्पाई के जाने से पार्टी को कितना नुकसान हो सकता तो उन्होंने इस सवाल को टाल दिया।

कल्पना सोरेन गुरुवार को गिरिडीह परिसदन भवन में सदर विधायक सुदिव्य कुमार और झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं से बात की और उनकी समस्या को समझा। इसके अलावा कई लोग यहां अपनी फरियाद लेकर पहुंचे तो उनकी भी बातों को कल्पना सोरेन ने सुना।

परिसदन भवन में ही कल्पना सोरेन के हाथों आपदा राहत, मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना समेत विभिन्न योजनाओं के तहत लोगों को राहत का चेक दिया गया। यहां डीडीसी और उपनगर आयुक्त संग बैठक करते हुए उन्होंने कई निर्देश भी दिए।

### मुख्यमंत्री से मिले डीजीपी और एडीजी

**रांची :** मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय पर राज्य के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता और अपर पुलिस महानिदेशक सुमन गुप्ता ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रथम दो दिवसीय राज्य स्तरीय महिला पुलिस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने का निमंत्रण पत्र सौंपा। उल्लेखनीय है कि रांची में राज्य स्तरीय महिला पुलिस सम्मेलन-2024 का आयोजन 23- 24 अगस्त को होगा।

## झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ के मामले में केंद्र सरकार को हाई कोर्ट ने लगायी फटकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** झारखंड हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल नहीं किए जाने पर कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने आईबी, यूआईएडीआई और बीएसएफ की ओर से अलग-अलग शपथ पत्र दाखिल किए जाने के लिए चार सप्ताह का समय मांगे जाने पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि झारखंड में ट्राइबल की आबादी कम होती जा रही है और केंद्र सरकार चुप है। झारखंड का निर्माण आदिवासियों को हितों की रक्षा के लिए किया गया था। लगता है केंद्र सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों के झारखंड में प्रवेश को रोकने को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं दिख रही है।

कोर्ट ने कहा कि आईबी हर सप्ताह 24 घंटे काम करती है लेकिन बांग्लादेशी घुसपैठियों जैसे संवेदनशील मुद्दों पर अपना जवाब दाखिल नहीं कर रही है। बीएसएफ की भी बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका है लेकिन प्रतीत होता है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने के मामले में केंद सरकार का सकारात्मक रुख नहीं है। चीफ जस्टिस और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए पांच सितंबर की तिथि निर्धारित कर दी।

मामले में राज्य सरकार की ओर से भी जवाब दाखिल किया जा चुका है लेकिन केंद्र सरकार जवाब के लिए चार से छह सप्ताह का समय मांग रही है। कोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा चार सप्ताह मांगे जाने संबंधी हस्तक्षेप याचिका (आईए) को खारिज करते हुए केंद्र सरकार को दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इससे पहले राज्य सरकार की ओर से छह जिलों के डीसी एवं एसपी की ओर से जवाब दाखिल किया गया।

कोर्ट ने मौखिक कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला देश की सुरक्षा से जुड़ा है, इसलिए सभी प्रतिवादियों को समय से अपना जवाब दाखिल करना होगा। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने भारत सरकार के इंटेलिजेंस ब्यूरो के डायरेक्टर, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के डायरेक्टर जनरल, चीफ इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया , डायरेक्टर जनरल यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया, एनआईए को प्रतिवादी बनाया था, उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई के संबंध में हाई कोर्ट ने पिछली सुनवाई में संथाल परगना के छह जिलों के डीसी को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था। गुरुवार को संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण वहां जनसंख्या की स्थिति में कुप्रभाव को लेकर दानियल दानिश की जनहित याचिका की सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता ने याचिका में कहा है कि जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज आदि झारखंड के बॉर्डर इलाके से बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड आ रहे हैं।

## दिल्ली एम्स के डॉक्टरों ने खत्म की हड़ताल एससी के आश्वासन के बाद लिया फैसला

एजेंसी

**नयी दिल्ली :** दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉक्टरों ने गुरुवार को घोषणा की कि वे सुप्रीम कोर्ट की अपील के बाद कोलकाता की एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के विरोध में अपनी 11 दिन की हड़ताल वापस ले रहे हैं। इससे पहले दिन में सर्वोच्च न्यायालय ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से काम पर लौटने को कहा था और उन्हें आश्वासन दिया था कि उनके काम पर लौटने के बाद कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जाएगी।

### सुरक्षा के आश्वासन के बाद हम काम पर लौट रहे हैं : एसोसिएशन

एम्स रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आरजी कर घटना में सुप्रीम कोर्ट की अपील और हस्तक्षेप तथा डॉक्टरों की सुरक्षा के आश्वासन के बाद हम काम पर लौट रहे हैं। हम कोर्ट के कदम की सराहना करते हैं और उसके निर्देशों का पालन करने का आह्वान करते हैं। मरीजों की देखभाल हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। 12 अगस्त को डॉक्टर एसोसिएशन ने देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू किया और ओपीडी सेवाएं रोक दीं। आपातकालीन सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहीं।

### डॉक्टर की हत्या के बाद शुरू हुए थे विरोध प्रदर्शन

जूनियर डॉक्टर पर हुए क्रूर हमले और हत्या के बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। 9 अगस्त को सरकारी अस्पताल के चेस्ट डिपार्टमेंट के सेमिनार हॉल में उसका शव मिला था, जिस पर गंभीर चोट के निशान थे। अगले दिन मामले के सिलसिले में कोलकाता पुलिस ने एक नागरिक स्वयंसेवक को गिरफ्तार किया था।

## एक नजर

### कर्णपुरा हाइवा एकता एसोसिएशन बड़कागांव का हुआ गठन

**बड़कागांव :** बड़कागांव प्रखण्ड में हायवा कारोबार को विधिवत संचालित करने एवं संगठनात्मक तरीके से कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए हायवा मालिकों ने मिलकर मोहडरवा टांड़ बड़कागांव में एक प्रखंडस्तरीय बैठक किया। बैठक की अध्यक्षता पंचम कुमार ने किया एवं संचालन प्रदीप कुमार दांगी ने किया। बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से एक समिति गठन करने का निर्णय लेते हुए कर्णपुरा हायवा एकता एसोसिएशन बड़कागाँव का गठन किया गया। जिसका अध्यक्ष अनिल कुमार, सचिव पंचम कुमार, कोषाध्यक्ष मोहित कुमार दाँगी, उपाध्यक्ष राजनाथ कुमार एवं सहसचिव नंदकिशोर कुमार मेहता को बनाया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनिल कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि मुझे जिस उम्मीद से लोगों ने चुना है उसपर मैं खरा उतरने का प्रयास करूंगा। साथ ही साथ हर परेशानी एवं विकट परिस्थितियों में भी हर सम्भव सहयोग के लिए हायवा मालिकों के साथ खड़ा रहूँगा। मौके पर मुख्य रूप से बिंदेश्वर उर्फ बिंदु दाँगी, प्रदीप कुमार दाँगी, रौशन कुमार, रामानंद कुशवाहा, कार्तिक कुमार एवं समस्त हायवा मालिक उपस्थित थे।

### भारत बंद के दौरान तीन सौ लोगों ने दी गिरफ्तारी

**मेदिनीनगर (पलामू):** एससी एसटी आरक्षण में वर्गीकरण व क्रिमीलेयर लागू करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ प्रातः 6 बजे सुबह से विभिन्न राजनीतिक दलों व संगठनों के सक्रिय समर्थन से मेदिनीनगर के विभिन्न चौक-चौराहों,बाजारों में आयोजित सम्पूर्ण भारत बंद कार्यक्रम के अंत में शाम 4 बजे के लगभग झारखण्ड क्रांति मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु,आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति पलामू के अध्यक्ष संदीप पासवान, संरक्षक रामदयाल राम, भिखारी राम,मुनी राम,आजाद समाज पार्टी के प्रदीप रावण, अनुराग कुमार भारती, बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजन मेहता, जिलाध्यक्ष अजय कुमार भारती, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा, आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष सुनिल उरांव,प्रदेश रथ महासचिव त्रिपुरारी सिंह,राष्ट्रीय समानता दल के सुदर्शन मेहता,भीम आर्मी के साकेत पासवान,राजद के ईश्वरी मेहता, कांग्रेस के गिरिजा राम पासवान आदि के नेतृत्व में स्थानीय शहर थाना में लगभग 300 की संख्या में गिरफ्तारी दी। उक्त अवसर पर उपायुक्त पलामू द्वारा भेजे गए सदर सीओ मलहोत्रा जी ने आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति पलामू,बसपा व आसपा द्वारा महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम सम्बोधित ज्ञापन को गगनभेदी नारों के साथ सौंपते हुए शीघ्र भी एससी-एसटी आरक्षण में वर्गीकरण व क्रिमीलेयर को समाप्त कर संविधान संशोधन विधेयक लाकर आरक्षण को संविधान की 9 वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की गई।

### आभाष कुमार बने बरही के थाना प्रभारी

**बरही :** बरही में आभाष कुमार को नए थाना प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया है। हजारीबाग एसपी अरविन्द कुमार सिंह ने उन्हें पदस्थापित किया है। अपनी नई भूमिका में उन्होंने क्षेत्र की कानून व्यवस्था को मजबूत करने और पुलिस सेवाओं को बेहतर बनाने का आश्वासन दिया है। आभाष कुमार ने पदस्थापन के बाद समुदाय के साथ संवाद स्थापित करते हुए उनके मुद्दों को सुनने और निपटाने की दिशा में काम करने को प्राथमिकता देने की बात कही है।

# कम समय में काफी तेजी से काम कर रहे हैं मंत्री डॉक्टर इरफान : अंबा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बड़कागांव :** बड़कागांव क्षेत्र को विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। ग्रामीण विकास मंत्री, डॉ. इरफान अंसारी ने बड़कागांव को 14 करोड़ रुपये की लागत से दो महत्वपूर्ण सड़कों की सौगात दी है। जिसमें ग्राम कारो चौक से चौकीटांड स्त्र६ पथ भाया दुमुहान तक पथ का निर्माण-4.5 किमी, बनहे स्त्र६ पथ से केरेडारी बुंडू पथ झंडा चौक भाया घटा दोथामांडर तक पथ का निर्माण कार्य-4.4 किमी, ग्राम टोकीसूद जी.भी.के बाउंड्री सरना से लमकीटांड़ खेल मैदान मुख्य पथ एवं बबलू मांझी के घर से चोरगना तक पथ निर्माण कार्य 1.7 की.मी , ग्राम टेरपा 52 नंबर पथ से ढोढी सरना देव स्थल एवं चोरगढ़ा पुल से रखोताटांड़ तक पथ निर्माण कार्य 2.2 की.मी

इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी और विकास के नए रास्ते खुलेंगे। इस महत्वपूर्ण घोषणा पर बड़कागांव की विधायक अंबा प्रसाद ने माननीय मंत्री डॉ. इरफान अंसारी का आभार व्यक्त किया और उनकी प्रशंसा की। इस मौके पर विधायक अंबा प्रसाद ने कहा, स्त्रमैं माननीय मंत्री डॉ. इरफान अंसारी को दिल से धन्यवाद देती हूं। उन्होंने हमेशा क्षेत्र की समस्याओं और विकास के मुद्दों पर हमारा ध्यान आकर्षित किया है। जनता के प्रति उनकी गंभीरता और समर्पण सराहनीय है। उनकी मेहनत और दिन-रात काम करने की लगन ने यह संभव किया है। मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने भी विधायक अंबा प्रसाद की प्रशंसा करते हुए कहा, विधायक अंबा प्रसाद जनता के प्रति बेहद गंभीर और समर्पित हैं। वे हमेशा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर सजग रहती हैं और विकास से संबंधित मुद्दों पर हमारा ध्यान आकृष्ट करती रहती हैं। उनका समर्पण और जनता के प्रति उनकी निष्ठा वाकई प्रेरणादायक है। इस अवसर पर मंत्री डॉ. अंसारी ने कहा, विकास के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता अटूट है। कम समय में भी हमने विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया है और जनता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। बड़कागांव की जनता को यह सड़क परियोजनाएं समर्पित करते हुए मुझे खुशी हो रही है, और मैं इस क्षेत्र के निरंतर विकास के लिए प्रतिबद्ध हूं। बड़कागांव की समस्त जनता की ओर से मंत्री डॉ. इरफान अंसारी का आभार प्रकट किया गया। जनता ने मंत्री जी के इस प्रयास को सराहा और कहा कि उन्होंने जो काम किया है, वह असाधारण है। मंत्री जी के नेतृत्व में क्षेत्र में विकास की गति तेजी से बढ़ रही है और लोगों की जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। बड़कागांव की जनता को मिली इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए सभी ने मंत्री जी का धन्यवाद किया और उम्मीद जताई कि आने वाले समय में भी क्षेत्र का विकास इसी तरह तेजी से होता रहेगा।

## संक्षिप्त खबरें

### विधायक अंबा प्रसाद ने सलगा में 200 केवीए के नए ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन

**केरेडारी :** केरेडारी प्रखंड क्षेत्र के सलगा में विधायक अंबा प्रसाद द्वारा उपलब्ध कराए गए 200 केवीए के नए ट्रांसफार्मर का स्थानीय ग्रामीणों की मौजूदगी में दिन बुधवार को अंबा प्रसाद द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया? गया। नया ट्रांसफार्मर मिलने की खुशी में विधायक अंबा प्रसाद का ग्रामीणों ने आभार व्यक्त किया मौके पर बिधायक प्रतिनिधि सुरेश साव मुखिया पार्वती देवी पंचायत समिति सदस्य मीना देवी, पंचायत अध्यक्ष चिंतामन साव,लखन साव,बलराम साहु, कुँवर साहु,सुबोध कुमार साहु,रूपेश कुमार,छकन भोगता,सुरेश साव,इन्द्रजीत कुमार,खेलावन कुमार ,दिनेश कुमार साव,जितेंद्र कुमार, भोला कुमार ,बिनोद साव,निरजंन साव सहित अन्य मौजूद थे।

### आक्रोश रैली में शामिल होंगे हजारों भाजपाई

**चौपारण :** भाजपा कार्यालय चौपारण में भाजपा कार्यसमिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अगुवाई मंडल अध्यक्ष मुकेश सिन्हा व संचालन पूर्वी मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चनद्रवंशी ने किया। बैठक में मुख्यरुप से बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव शामिल रहे। भाजपा प्रदेश नेतृत्व द्वारा राँची में आयोजित जन आक्रोश रैली में शामिल होने के लिए चौपारण से हजारो भाजपाई राँची जाएंगे। बैठक को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक ने कहा कि युवाओं में हेमन्त सरकार के विरुद्ध आक्रोश है। युवा विरोधी सरकार को इस बार उखाड़ फेंकना है। बैठक में मंडल अध्यक्ष मुकेश सिन्हा, राजेन्द्र चनद्रवंशी, युवा अध्यक्ष राकेश रंजन, भाजपा नेता रामस्वरुप पासवान, बलराम दाँगी, राजेन्द्र भगत, बिराज रविदास, कृष्णा साव, अशोक ठाकुर, राजकुमार यादव, सुनील शेखर, कपील यादव, मधु यादव, अशोक केशरी, अजय रविदास, मनोज मिश्रा, परमेश्वर यादव, रोहित जैन, शिवकुमार यादव, ईश्वरी यादव, मंटू सिंह, गौतम यादव, गुलाब रजक, प्रमोद प्रजापत्ति, दिलीप केशरी, सियाराम सिंह, सुकर भुईंया, मोहन भुईंया, अशोक भुईंया, कृष्णा पासवान, दया सिंह, मनोज सिंह, बिनोद सिंह, चंदन पासवान, प्रदीप केशरी, तपेश्वर ठाकुर आदि उपस्थित थे।

### शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद, स्थिति का लिया जायजा

**हजारीबाग :** भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे जहां मरीजों के इलाज और चिकित्सकों के अद्यतन स्थिति का जायजा लिया इस दौरान चिकित्सकों से भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद ने कहा कि आर जी के मेडिकल कॉलेज, कोलकाता की घटना अत्यंत दु:खद और पीड़ादायक है। उस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। जिसके पश्चात हमारे डॉक्टर साथी भयाक्रांत और असहाय महसूस कर रहे हैं। उन्होनें आज हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों से मिलकर उन्हें हर संभव मदद और सुरक्षा का भरोसा दिलाया। इस दौरान श्री प्रसाद ने अस्पताल प्रशासन से मिलकर अस्पताल में भर्ती मरीजों के विषय में चर्चा किया और उनके बेहतर उपचार के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने के लिए आग्रह किया। इस दौरान उन्होने इमरजेंसी ओपीडी सहित अन्य वार्डो का दौरा किया। प्रदीप प्रसाद नें डॉक्टरों से अपील करते हुए कहां की जो मरीज गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है उन्हें संवेदनशिलता के साथ इलाज करें। डॉ ईश्वर के दूसरे रूप हैं । अस्पताल की कई विषयों को लेकर सिविल सर्जन से मुलाकात किया व स्थिति से अवगत करवाया।

### मेदिनीनगर की यातायात व्यवस्था चरमराई

**मेदिनीनगर (पलामू):** मेदिनीनगर नगर की यातायात व्यवस्था का बुरा हाल है अमूमन यह देखा जा रहा है कि शाहपुर से डालटेनगंज की एकमात्र लाइफ लाइन कोयल नदी का पुल लगातार जा आम की वजह से यात्रियों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है दूसरी तरफ श्रावणी मेले में आए डिज्नीलैंड एवं झूलन मिले की वजह से आसपास के क्षेत्र से ग्रामीणों की भीड़ उमड़ रही है ऐसे में ट्रैफिक प्रभारी एवं उनके सहयोगियों के द्वारा भरी प्रयास के बावजूद भी ट्रैफिक व्यवस्था को कुशलता पूर्वक संचालित करना मुश्किल हो रहा है पूरे शहर में गाड़ियों का ताता लगा हुआ रह रहा है शहर में बैटरी चलित ऑटो रिक्शा कवि भरमार हो गई है जिसके कारण भी जहां-था जाम की स्थिति बनी रहती है गुरुवार को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर भी शहर में जहां-था जाम की स्थिति बनी रही रांची जाने वाले यात्रियों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ा ऐसे में कई बार एंबुलेंस में फंसे मरीज को भी संकट का सामना करना पड़ रहा है सरकार को चाहिए कि शीघ्रतापूर्वक ट्रैफिक संचालन की व्यवस्था में सुधार लाई जाए।

### पलामू के 27 गतका बाज खिलाड़ी नेशनल चैंपियनशिप के लिए पंजाब रवाना

**मेदिनीनगर (पलामू):** 24 अगस्त से 27 अगस्त तक पंजाब राज्य के संगरूर शहर में नेशनल गतका चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पलामू जिला से 27 खिलाडियो का चयन किया गया। यह सभी खिलाड़ी टीम मैनेजर दीपेंद्र सिंह के साथ आज जम्मू तवी एक्सप्रेस से रवाना होंगे। इन खिलाड़ियों का हौसला अफजाई करने हेतु पलामू गतका संघ ने द कराटे एकेडमी में खिलाड़ियों को आमंत्रित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पलामू गतका संघ के जिला अध्यक्ष सोनू नामधरी सर को दीपेंद्र सिंह ने पुष्प देखकर स्वागत किया। वही वशिष्ठ अतिथि प्रदीप नारायण सर को दीपक तिवारी ने पुष्प देकर स्वागत किया। वही अतिथि साहिब सिंह नामधारी, सैकंड होम के प्रोपराइटर अमित कुमार को आकाश प्रताप ने पुष्प देखकर कार्यक्रम में स्वागत किया। चैम्पियनशिप में जाने वाले सभी खिलाड़ियों को जिला अध्यक्ष सोनू नामधरी सर, उपाध्यक्ष प्रदीप नारायण सर ने तिलक लगाते हुए दही सकर खिलाकर प्रतियोगिता में विजय प्राप्त करने हेतु मनोबल बढ़ाया। मौके पर जिला अध्यक्ष सोनू नामधरी सर ने कहा की गतका सिख समुदाय का पारंपरिक खेल है यह खेल पंजाब के राज्यों में अधिक खेला जाता है परंतु भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा इसे मान्यता मिलने पर यह एक नेशनल लेवल का स्पोर्ट्स बन चुका है ।

# मुख्यमंत्री कल आएंगें हजारीबाग, उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**हजारीबाग :** झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम 24अगस्त 2024 को प्रस्तावित है। हजारीबाग के नगवां स्थित सिंदूर मैदान परिसर में अपराह्न 12.30 बजे से आयोजित कार्यक्रम में झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि होंगे। इस कार्यक्रम के मदेनजर आज उपायुक्त नैंसी सहाय, पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त प्रेरणा दीक्षित ने कार्यक्रम स्थल का दौरा कर हर तैयारियों को निरीक्षण किया। बता दें झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम को लेकर सिंदूर मैदान परिसर में व्यापक तैयारी की गई है। कार्यक्रम स्थल पर सभी तरह की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। विधि व्यवस्था संधारण हेतु पुलिस जवानों को तैनात कर दिया गया है। साथ ही पदाधिकारियों को भी जिम्मेदारी तय कर दी गई है। इसके साथ ही उपायुक्त ने जिले के सभी वरीय पदाधिकारियों,सभी बीडीओ/सीओ तथा सभी सात जिलों (प्रमंडलीय जिला) के सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारियों के साथ जूम मीटिंग कर संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की तैयारी में कोई कमी नहीं रहने दें। उन्होंने कहा कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के तहत 21 से 50 वर्ष तक की उम्र की हर बहनों को खुशियों का उपहार के रूप में 12 हजार रुपए दिया जा रहा है। अर्थात, हर महीने एक हजार की सम्मान राशि दिया जाना है।

# हथियार के साथ तीन लोग गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**पांकी (पलामू) :** गुप्त सूचना के आधार पर पांकी थाना क्षेत्र अंतर्गत तीन व्यक्ति हथियार के साथ किसी घटना को अंजाम देने के फिराक में घूम रहे। पांकी थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। उक्त छापेमारी दल के द्वारा तत्वरित करवाई करते हुए तीन व्यक्तियों को अवैध 2 देशी कट्टा के साथ पांकी थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्तियों के द्वारा अपने अपराध स्वीकार किया 14. 8. 2024 की संध्या में थाना अंतर्गत पोरसम (करीमाटी) घाटी में लूट के प्रयास के दौरान गोलीबारी की घटना में आयोजन बनाने एवं रेकी करने में अपने संलपिप्ता को स्वीकार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में से रंजन कुमार और लाल सूरज यादव की अहम भूमिका रही थी उक्त घटना में शामिल अन्य व्यक्तियों की गिरफ्तारी के लिए पांकी थाना पुलिस के द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। वहीं गिरफ्तार तीनों व्यक्ति , 1. रंजन कुमार उम्र(20 वर्ष) पिता स्व० अजय राम सरईडीह थाना - पांकी 2.लाल सूरज यादव उम्र(26 वर्ष) पिता अमलेश यादव स्व० उल्गाड़ा, थाना - पांकी , 3. गोल्डेन आलम उम्र(20 वर्ष) पिता राजिश मियां स्व० , गढ़गांव थाना - पिपरटांड बरामदगी।

# मुख्यमंत्री छात्रों को मूलभूत सुविधा देने में भी असमर्थ : अभाविप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**मेदिनीनगर (पलामू):** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा जिला संयोजक नितीश दुबे की अध्यक्षता में प्रेस विज्ञप्ति जारी किया गया विज्ञप्ति के माध्यम से परिषद के कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यों पर सवाल खड़े करते हुए युवाओं को छलने का आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन छात्रों को मूलभूत सुविधा देने में भी असमर्थ हैं,सरकार बनने के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सूबे के युवाओं को प्रत्येक वर्ष 5 लाख यूवाओं को नौकरी देने का वादा किया था परंतु यह एक मात्र लॉलीपॉप साबित हुआ उक्त अवसर पर उपस्थित परिषद के राष्ट्रीय प्रादेशिक विश्वविद्यालय सहसंयोजक विनीत पांडे ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार राज्य में व्याप्त शैक्षणिक अराजकता एवं गिरती शिक्षा व्यवस्था के लिए जिम्मेवार हैं कमान संभालने के बाद युवाओं को सिर्फ छलने का कार्य किया जा रहा है बेरोजगारी भत्ता के नाम पर सिर्फ छात्रों को छलने का कार्य किया गया राज्य के सभी विश्वविद्यालय में व्याप्त शैक्षणिक अराजकता एवं सभी विभागों में व्याप्त घूसखोरी एवं जमा खोरी चरम पर हैं,राज्य के अधिकतर विश्वविद्यालय में कुलपति एवं प्रति कुलपति प्रभार के भरोसे चल रहा है प्राइवेट एजेंसीयां छात्रों के पैसे का दोहन कर रही हैं।

# सरकारी योजनाओं का धन नहीं आ रहा तो इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक में खुलवाएं खाता : प्रभात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**चौपारण :** सरकार किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करने में लगी हुई है। इसलिए योजनाओं के लाभ की राशि प्राप्ति के लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक को बढ़ावा दी है। सरकारी योजनाओं का लाभ के रूप में खाते में धन नहीं आ रहा है तो तुरंत इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक खाता खुलवा सकते हैं। यही नहीं जिनका अब तक बैंक में खाता नहीं खुला है वे भी घर बैठे आधार और मोबाइल नंबर के साथ पेपरलेस एकाउंट खुलवा सकते हैं। उक्त बातें प्रखंड पंचायत पाण्डेयबारा के डाक कर्मचारी आईपीपीबी स्टाफ प्रभात भार्गव ने कहा है। उन्होंने जानकारी देते कहा कि लोगो को अब बैंक अकाउंट केवल 5 मिनट के अंदर

दिया जयेगा। साथ ही इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक का सीधा लाभ उन छात्रो को मिलेगा जो अभी तक कही खाता नही खुला हैं। वैसे बच्चे संपर्क कर तुरंत खाता संख्या प्राप्त कर सकते है। भार्गव ने बताया कि डाकघरों में या ऑन स्पॉट उनके दरवाजे पर ही इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के खाते खोलने की सुविधा दी जा रही है। सिर्फ आधार व मोबाईल नंबर के साथ यह खाता पेपरलेस रूप में खुलेगा। मात्र दो सौ रुपये से बैंक का प्रीमियम खाता भी खोला जा सकता है। खाता खुलते ही आधार से लिंक एवं एनपीसीआई लिंक हो जाता है। इस खाते को तुरंत ऑनलाइन किया जा सकता है। जिससे सभी प्रकार की सब्सिडी जैसे- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, उज्ज्वला सब्सिडी, विद्यार्थियों के लिए स्कॉलरशिप, विधवा पेंशन योजना, परिषदीय विद्यालय में विद्यार्थियों हेतु पोषक/स्कूल बैग के लिए लाभ जैसी भारत सरकार और राज्य सरकार की तमाम योजनाओं की डीबीटी तुरंत आईपीपीबी खाते में प्राप्त होना शुरू हो जाएगी।

# विश्व हिन्दू परिषद का स्थापना दिवस 29 को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**मेदिनीनगर (पलामू):** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक और हिंदुस्तान समाचार के संस्थापक दादासाहेब आप्टे जी ने समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में कार्य करने वाली सज्जन शक्तियों को एक बैठक हेतु बुलाया। यह बैठक 29 अगस्त 1964 को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर पवई, मुम्बई स्थित पूज्य स्वामी चिनमयानन्द जी के आश्रम सांदीपनि साधनालय में बुलाई गई।

इसमें पूज्य स्वामी चिनमयानन्द, राष्ट्रसंत तुकडो जी महाराज, सिख सम्प्रदाय से मास्टर तारा सिंह, जैन सम्प्रदाय से पूज्य सुशील मुनि, गीता प्रेस गोरखपुर से हनुमान प्रसाद पोद्दार, के एम मुंशी तथा पूज्य गुरुजी सहित 40-45 अन्य महानुभाव भी उपस्थित थे। इसी दिन इन महापुरुषों

ने विश्व हिंदू परिषद के गठन की घोषणा कर दी।

इसी बैठक में 1. हिन्दू समाज को संगठित और जागृत करने, 2. उसके स्वत्वों, मानबिन्दुओं तथा जीवन मूल्यों की रक्षा और संवर्धन करने तथा; 3. विदेशस्थ हिंदुओं से संपर्क स्थापित कर उन्हें सुदृढ़ बनाने व उनकी सहायता करने सम्बन्धी विश्व हिंदू परिषद के तीन मुख्य उद्देश्य तय किए गए। हिन्दू की परिभाषा करते हुए कहा गया कि जो व्यक्ति भारत में विकसित हुए जीवन मूल्यों में आस्था रखता है या जो व्यक्ति स्वयं को हिन्दू कहता है वह हिन्दू है। 22 से 24 जनवरी 1966 को कुम्भ के अवसर पर 12 देशों के 25 हजार प्रतिनिधियों की सहभागिता के साथ प्रथम विश्व हिंदू सम्मेलन प्रयाग में आयोजित किया गया। 300 प्रमुख संतों की सहभागिता के साथ पहली बार प्रमुख शंकराचार्य भी एक साथ आए और धर्मांतरण पर रोक व परावर्तन (घरवापसी) का संकल्प लिया गया। मैसूर के महाराज चामराज जी वाडियार को अध्यक्ष व दादासाहब आप्टे को पहले महामंत्री के रूप में घोषित कर विहिप की प्रबंध समिति की घोषणा भी हुई। इस सम्मेलन में जहां परावर्तन को मान्यता देने का ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित हुआ वहीं विहिप के बोध वाक्य धर्मो रक्षति रक्षितः और बोध चिह्न अक्षय वटवृक्ष भी तय हुआ। बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर का मत था कि यदि देश के संत महात्मा मिलकर यह घोषित कर दें कि हिन्दू धर्म-शास्त्रों में छुआछूत का कोई स्थान नहीं है तो इस अभिशाप को समाप्त किया जा सकता है. इसी को ध्यान में रखते हुए 13-14 दिसम्बर 1969 के उडुपी धर्म संसद में संघ के तत्कालीन सर-संघचालक गुरूजी के विशेष प्रयासों के परिणाम स्वरूप, भारत के प्रमुख संतों ने एकस्वर से हिन्दवः सोदरा सर्वे, ना हिन्दू पतितो भवेत्ह्व के उद्घोष के साथ सामाजिक समरसता का ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया। 1994 में काशी में हुई धर्म संसद का निमंत्रण डोम राजा को देने पूज्य संत ना सिर्फ स्वयं चलकर गए बल्कि उनके घर का प्रसाद ग्रहण किया तथा अगले दिन डोम राजा धर्म संसद के अधिवेशन में संतों के मध्य बैठे और संतों ने उन्हें पुष्प हार पहनाकर स्वागत किया। इस धर्म संसद में 3500 संत उपस्थित थे।

## एक नजर

### सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

**रांची :** रांची के नामकुम थाना क्षेत्र के रिंगरोड के कवाली में गुरुवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। मृतक की पहचान बरगावां निवासी बिमल कुमार के रूप में हुई है। बिमल कुमार बरगावां पंचायत के वार्ड सदस्य बताए जा रहे है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

### गैंगस्टर अमन सिंह हत्याकांड में पिंटू सिंह को हाई कोर्ट से मिली जमानत

**रांची :** झारखंड हाई कोर्ट ने गैंगस्टर अमन सिंह की जेल में हत्या के आरोपित जैनेंद्र सिंह उर्फ पिंटू सिंह को जमानत प्रदान कर दी है। पिंटू सिंह धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह की हत्या के केस में भी आरोपित हैं। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने उसे इस केस में जमानत दी थी। अमन सिंह हत्याकांड में जमानत मिलने के बाद अब वह जेल से बाहर आ सकता है। पिंटू सिंह की जमानत पर गुरुवार को हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुभाष चांद की कोर्ट में सुनवाई हुई। पिंटू सिंह की ओर से अधिवक्ता जितेंद्र सिंह ने बहस की।

### केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान 25 को आयेंगे रांची

**रांची :** लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान 25 अगस्त को एक दिवसीय दौरे पर रांची आयेंगे। पासवान पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बिरेन्द्र प्रधान ने कहा कि पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 25 अगस्त को होटल रेडिशन ब्लू में आयोजित होगा। इस बैठक में केंद्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान, सांसद वीणा देवी, सांसद शाम्भवी चौधरी, सांसद अरुण भारती, सांसद राजेश वर्मा सहित देश के सभी राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष सहित केंद्र शासित प्रदेशों के अध्यक्ष एवं विधायक, पूर्व विधायक सहित राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। प्रधान गुरुवार को डोरंडा स्थित श्रीकृष्णा एन्क्लेव में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बैठक के डीपीएस स्कूल के समीप कार्निवल बैंक्वेट हॉल में अभिनंदन सह कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

### निकाय चुनाव मामले में राज्य सरकार की अपील पर विस्तृत सुनवाई 27 अगस्त को

**रांची :** झारखंड हाई कोर्ट में राज्य में निकाय चुनाव को लेकर राज्य सरकार की अपील पर अब विस्तृत सुनवाई 27 अगस्त को होगी। मामले की सुनवाई हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में गुरुवार को हुई। इससे पहले गुरुवार को सुबह 10:30 बजे प्रतिवादी पूर्व पार्षद रोशनी खलखो की ओर से कोर्ट से इस केस की जल्द सुनवाई करने का आग्रह किया गया था।


**दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा**

ई-निविदा सूचना सं. 23-ईएल-जमशूपुरी-2024-25, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)/चक्रधरपुर द्वारा खुली निविदा के प्रतिपक्ष ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं ऐसा कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। कार्य का नाम: एडीईई(जी)/बंडामुंडा, एसएसई (जी)/चक्रधरपुर और एसएसई(जी)/डांगोवापोसी के कार्यक्षेत्र के अधीन विभिन्न रेलवे क्षेत्रों में विक्रेताओं के लिए प्रीपेड एनर्जी मीटर का प्रावधान। निविदा मूल्य: रु.21,03,154.44, बयाना राशि: रु.42,100/- निविदा कागजात का मूल्य: शून्य। बंद होने/खुलने की तिथि: दिनांक 18.09.2024 को 15.00 बजे। निविदा वेबसाइट http://www.ireps.gov.in में देखी जा सकती है। निविदाकार के पास क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट रहना चाहिए एवं आईआरईपीएस पोर्टल के अधीन जरूर पंजीकृत रहें। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-निविदा प्रणाली में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा प्रणाली में भाग लेते समय सभी संबंधित कागजात अवश्य अपलोड किए जाएं। (PR-507)


# राज्यपाल से केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री सहित अन्य लोगों ने की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को राजभवन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, पूर्व सांसद राम टहल चौधरी सहित अन्य लोगों ने मुलाकात की। राज्यपाल से मंत्री अन्नपूर्णा देवी की मुलाकात शिष्टाचार भेंट बतायी गयी।

वहीं दूसरी ओर राज्यपाल से पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, झारखंड लोक सेवा आयोग की अध्यक्ष डॉ. मेरी नीलिमा केरकेट्टा, भारतीय पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त निर्मल कौर, राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी, कुड़माली छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष बबलू कुमार महतो, झारखंड लोक सेवा आयोग की पूर्व अध्यक्ष डॉ. मेरी नीलिमा केरकेट्टा और बीटीएसएम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी दिव्यानंद जी महाराज ने शिष्टाचार भेंट की।

इसके अलावा राज्यपाल रांची के आईसीएआर-राष्ट्रीय द्वितीयक कृषि संस्थान के निदेशक अभिजीत कर ने राज भवन में भेंट की तथा संस्थान की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। साथ ही राज्यपाल से भाजपा युवा मोर्चा का एक शिष्टमण्डल प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज के नेतृत्व में राज भवन में भेंट की और एक ज्ञापन समर्पित किया। वहीं दूसरी ओर राज्यपाल से पूर्व विधानसभा सदस्य आनंद महतो ने राज भवन में भेंट की और एक ज्ञापन समर्पित किया।

## भाजपा के युवा जन आक्रोश रैली को लेकर आज मोरहाबादी मैदान में निषेधाज्ञा




प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** रांची के सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने गुरुवार को धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली किए जाने की सूचना पर निषेधाज्ञा लागू की है। जारी निषेधाज्ञा में कहा गया है कि इस दौरान मुख्यमंत्री आवास घेराव की संभावना है। हाल के दिनों में पूर्व में निर्धारित स्थान जाकिर हुसैन पार्क की जगह यह कार्यक्रम राजभवन मुख्य द्वार, मुख्यमंत्री आवास, कांके रोड पर भी हो रहे हैं। इस प्रकार के कार्यक्रमों से सरकारी काम काज में व्यवधान उत्पन्न होने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था बाधित होने और विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने तथा लोक परिशांति भंग होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

इसे लेकर एसडीओ ने बीएनएसएस की धारा-163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रांची सदर अनुमंडल अंतर्गत मोरहाबादी मैदान के 500 मीटर परिधि में (मैदान को छोडकर) निम्न प्रकार की निषेधाज्ञा जारी किया गया है। यह निषेधाज्ञा 23 अगस्त के पूर्वाहन 11.00 बजे से रात 11.00 बजे तक लागू रहेगा। इस दौरान उक्त क्षेत्र में पांच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होना और चलने कर पाबंदी रहेगी। साथ ही किसी प्रकार का अस्त्र शस्त्र, हरवे हथियार लेकर निकलना और चलना वर्जित रहेगा। इसके अलावा किसी प्रकार का घरना, प्रदर्शन, घेराव, जुलूस, रैली और आमसभा का आयोजन करने एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र का व्यवहार करने पर रोक रहेगा।

## महिला पुलिस अधिकारियों का राज्य स्तरीय सम्मेलन आज से रांची में

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** महिला पुलिस अधिकारियों का दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन 23 और 24 अगस्त को डोरंडा स्थित जैप-1 के शौर्य सभागार में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल पर डीजीपी अनुराग गुप्ता के नेतृत्व और दिशा-निर्देश पर झारखंड पुलिस के द्वारा आगामी 23 एवं 24 अगस्त को दो दिवसीय महिला पुलिस अधिकारियों का राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन का थीम महिला पुलिस सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान रखा गया है। इस सम्मेलन में राज्य के 200 से अधिक डेलिगेट्स भाग लेंगे, जिसमें राज्य के सभी जिला और ईकाइ से आरक्षी, हवलदार, सहायक पुलिस निरीक्षक, अवर निरीक्षक, पुलिस निरीक्षक एवं पुलिस उपाधीक्षक शामिल होंगे। इस सम्मेलन में महिला अधिकारियों की चुनौती, उपलब्धि और भविष्य की कार्य योजना पर सम्मेलन में विशेष तौर पर चर्चा की जाएगी।

#### ये हैं उद्देश्य

- महिला पुलिस अधिकारियों के अनुभवों और चुनौतियों को साझा करने का मंच प्रदान करने।
- महिलाओं के खिलाफ अपराधों की रोकथाम और अनुसंधान में प्रभावी रणनीतियों पर चर्चा करना।
- महिला पुलिस अधिकारियों के कौशल विकास और क्षमता निर्माण पर ध्यान केन्द्रित करना।
- पुलिस बल में महिलाओं की संख्या बढ़ाने और उनके पदोन्नति के अवसरों पर विचार-विमर्श करना।
- महिलाओं के प्रति संवेदनशील पुलिसिंग के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा करना।

## गृह सचिव और एडीजी ने महिला थाने का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** महिला पुलिस अधिकारियों का दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन को लेकर गुरुवार को गृह सचिव वंदना डाडेल और एडीजी सुमन गुप्ता ने रांची महिला थाना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महिला थाना के सभी पदाधिकारियों और आरक्षियों से परिचय प्राप्त किया तथा उनके कार्यों और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी ली। मौके पर, पीड़ित महिलाओं से उनके मामलों के संबंध में बातचीत की गई, और उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया। इसके साथ ही, महिला थाना में उपलब्ध संसाधनों से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा की गई।

गृह सचिव और एडीजी ने महिला थाना की आवश्यकताओं और संसाधनों की कमी के बारे में एक विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश दिया। साथ ही महिला थाना परिसर के रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था, और अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में भी गृह सचिव एवं एडीजी द्वारा महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। इन दिशा-निर्देशों के पालन को सुनिश्चित किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान, उन्होंने महिला पुलिसकर्मियों के साथ संवाद स्थापित किया और उनकी कार्य परिस्थितियों एवं चुनौतियों के बारे में भी चर्चा की। गृह सचिव और एडीजी ने महिला थाना की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुधारों के सुझाव भी दिए। गृह सचिन ने कहा कि डीजीपी के नेतृत्व में आयोजित होने वाले महिला पुलिस सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा महिलाओं के द्वारा और उनके सशक्तिकरण को सुनिश्चित करना है। इस दिशा में महिला थाना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, और इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य भी महिला थाना की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाना है।

## कांग्रेस ने ईडी कार्यालय के समक्ष किया विरोध प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** कांग्रेस ने गुरुवार को रांची के हिनू स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय कांग्रेस के निदेर्शानुसार प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय के समक्ष अडानी महाघोटाला जांच के लिए जेपीसी गठन की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

मौके पर केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस द्वारा अडानी महा घोटाले की जांच की मांग बार-बार की गई। लेकिन केंद्र सरकार के जरिये इसे हमेशा नकारा गया। अभी हिंडनबर्ग के ताजा खुलासे से कांग्रेस के आरोप सच साबित हो रहा हैं। कांग्रेस के जरिये जांच के लिए जेपीसी की मांग की जा रही है लेकिन केंद्र सरकार का इससे भाग रही है। यह साबित करता है कि वह अपने मित्रों को बचाना चाहती है। उन्होंने कहा कि हर छोटे बड़े मसले पर विरोधी दलों को लक्ष्य कर कार्रवाई करने वाली ईडी इस मामले में खामोश बैठी है जो उनकी लाचारी को उजागर करता है। इससे यह स्पष्ट हो गया कि देश की जांच एजेंसी केंद्र सरकार के हथियार के रूप में काम कर रही है।

इस दौरान कांग्रेस विधायक दल नेता डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि देश आर्थिक घोटाला की जद में है, मध्यम वर्गीय परिवारों के पैसों की रखवाली करने वाली सेबी जैसी संस्थाएं भी इस सूची में शामिल हो गई हैं लेकिन केंद्र सरकार सोई हुई है।

# झारखंड में इंडी गठबंधन का वजूद खतरे में डूबती नाव से भाग रहे लोग : बाबूलाल मरांडी

- मिलन समारोह में कांग्रेस व अन्य दल के सैकड़ों लोग भाजपा में हुए शामिल।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को कहा कि झारखंड में इंडी गठबंधन का वजूद खतरे में है। डूबती नाव से लोग भाग रहे हैं। मरांडी भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह कार्यक्रम में बोल रहे थे।

मरांडी ने कहा कि भाजपा अभी प्रदेश में संघर्ष कर रही है और सत्तारूढ़ दल को छोड़कर भाजपा में शामिल होकर इस संघर्ष का साथी बनना एक बड़ी बात है। आप लोगों के योगदान से केवल सरायकेला और जमशेदपुर ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड में पार्टी को ताकत और बल मिलेगा। साथ ही इससे राज्य में एक अच्छा संदेश भी जाएगा। आप सभी का यह कदम स्वागत योग्य है। संघर्ष के साथियों का भाजपा में स्वागत है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड प्रदेश की जो हालत है, वह किसी से छुपी हुई नहीं है। झारखंड सरकार हर मोर्चे पर विफल है। राज्य सरकार ने राज्य के युवा, किसान, महिला, आदिवासी, दलित और पिछड़ा यानि सभी वर्ग को ठगने का काम किया है। वर्तमान झारखंड सरकार के पाप का घड़ा पूरी तरह भर चुका है। यह सरकार बस अब कुछ दिनों की मेहमान है। विधानसभा चुनाव अब काफी नजदीक है। हम सबों को मिलकर इस वर्तमान भ्रष्ट और निक्कमी सरकार को यहां से हटाना बहुत जरूरी है।

मरांडी ने कहा कि आज प्रदेश की कानून व्यवस्था की क्या हालत है, यह बताने की जरूरत नहीं है। चोरी, डकैती, हत्या और अपहरण चरम पर है। बहू बेटियों की इज्जत भी सुरक्षित नहीं है। जब तक किसी भी प्रदेश की कानून व्यवस्था ठीक नहीं होगी, भय का वातावरण जब तक समाप्त नहीं होगा, तब तक कोई भी प्रदेश प्रगति नहीं कर सकता है। आज झारखंड की यही स्थिति है। इस स्थिति में बाहर के निवेशकों की तो छोड़िए, जो घर के संपन्न लोग होंगे, वह भी जंगलराज से तंग होकर राज्य छोड़ने को मजबूर होंगे। संयुक्त बिहार के दिनों में इस इलाके की स्थिति को अगर याद कीजिए तो कैसे लोग अपना यहां घर और खेती-बाड़ी छोड़कर पलायन करने लगे थे। आज भी प्रदेश की कमोबेश कुछ वैसी ही स्थिति है। बिहार से अलग होने पर भाजपा के नेतृत्व में जब यहां सरकार बनी और सुशासन एवं विकास प्रारंभ हुआ, तब लोग वापस अपने घर की ओर लौटने लगे।

## संक्षिप्त खबरें

### खेलो झारखंड जोनल वीमेन वुशु लीग कल से मेरठ में

**रांची :** खेलो झारखंड जोनल वीमेन वुशु लीग 24 अगस्त से मेरठ में आयोजित होगा। यह लीग 24 से 27 अगस्त तक मेरठ के गॉडविन पब्लिक स्कूल में आयोजित होनी है। पूरे भारत में महिलाओं के बीच वुशु खेल को ग्रासरूट लेवल तक विकसित करने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के द्वारा इस अस्मिता योजना की शुरूआत की गयी है। इस प्रतियोगिता में पूरे जोन के तकरीबन 500 खिलाड़ी 7.20 लाख की इनामी राशि के लिए जोर आजमाइश करेंगी। झारखंड से 45 सदस्यों वाली महिला टीम इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना होगी।

### कैंब्रियन में संस्कृत सप्ताह महोत्सव आयोजित

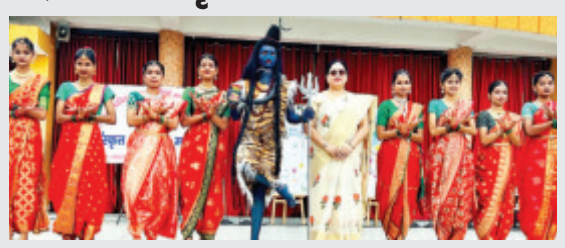



**रांची :** कांके रोड स्थित कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में संस्कृत सप्ताह महोत्सव मनाया जा रहा है। इसके तहत गुरुवार को विशेष सभा का आयोजन किया गया एवं कई कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डॉ० नीता पांडेय ने किया। इस दौरान छात्रों द्वारा 'संस्कृत गंगाधरा' संस्कृत गीत एवं 'उमापति महादेव' गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया गया। छठी कक्षा की छात्रा अदिति आर्या ने वेद मंत्रों का पाठ किया। साथ ही नवीं कक्षा के छात्र शैलोज सिंह द्वारा संस्कृत में संभाषण और दसवीं कक्षा की छात्रा रचिता सिंह द्वारा संस्कृत के महत्व को बदलाते हुए अंग्रेजी भाषा में संभाषण प्रस्तुत किया गया। कक्षा पांचवीं से दसवीं तक के छात्रों द्वारा संस्कृत में सुविचार लेखन, पोस्टर मेकिंग एवं संस्कृत से संबंधित मॉडल बनाए गए। मौके पर प्राचार्या डॉ० नीता पांडेय ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं कि संस्कृत भाषा विश्व की प्राचीनतम भाषा है, इसी में देश की संस्कृति, सभ्यता, सदाचार और आत्मा का वास है।

### श्याम मित्र मंडल द्वारा जन्माष्टमी की तैयारी जोरों पर

**रांची :** श्री श्याम मित्र मंडल रांची द्वारा जन्माष्टमी उत्सव की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। 26 अगस्त 2024 सोमवार को भगवान श्री कृष्ण का 5249 वा जन्मोत्सव जन्माष्टमी महोत्सव के रूप में हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मनाया जाएगा। जन्माष्टमी उत्सव को लेकर प्रतिदिन विचार विमर्श करके कार्यक्रम अन्तिम रूप दे दिया गया है। श्री श्याम मित्र मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि संपूर्ण मंदिर परिसर की साफ सफाई का काम किया जा रहा है। मंदिर की स्थाई लाइटों को भी ठीक कर दिया गया है। मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में भक्तजनों पद्धारियो को दायित्व देकर कार्य बटवारा किया गया है। कोलकाता से कारीगरों का जत्था रांची आ रहा है। बेंगलुरु कोलकाता से सुगंधित डच लाल गुलाब पीला गुलाब आर्किड के 10000 से ज्यादा ताजा फूल मंगाए गए हैं जिससे श्री श्याम मंदिर में विराजमान सभी देवी देवताओं का गर्भगृह में मनमोहक सुंदर श्रृंगार मंडल के मंत्री श्याम सुंदर शर्मा की देखरेख में किया जाएगा। ज्ञातव्य है कि श्री श्याम मित्र मंडल पिछले 52 वर्ष से जन्माष्टमी कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। पुराने स्थान श्री कृष्ण भवन व श्री गोविंद भवन में आयोजन होता था। श्री श्याम मंदिर निर्मित होने के बाद लगातार मंदिर में ही वृहद रूप से जन्माष्टमी उत्सव आयोजित हो रहा हैं। अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, गौरव अग्रवाल, मोनू ने सभी भक्तों से जन्माष्टमी कार्यक्रम में भाग लेने का अनुरोध किया है।

### सरकार को बेरोजगार युवाओं का डेटा देगी युवा आजसू पार्टी : सुदेश महतो

**रांची :** आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा है कि पार्टी राज्य में जवाबदेह राजनीति स्थापित करने की जिम्मेदारी का निर्वहन करेगी। इसके लिए पार्टी में सभी स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जनता से जुड़ाव के साथ भावी कार्यक्रमों को सफल बनाने की दिशा में काम करें। समाज के सभी वर्गों का भरोसा आजसू पर है, यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। सुदेश कुमार महतो गुरुवार को हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित बैठक में बोल रहे थे। इस बैठक में पार्टी के केंद्रीय प्रधान महासचिव, केंद्रीय उपाध्यक्ष, केंद्रीय महासचिव, विधानसभा प्रभारी, जिला अध्यक्ष (पुरुष एवं महिला) और सभी अनुषंगी इकाइयों के प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संयोजक, प्रदेश महासचिव शामिल हुए। बैठक में पार्टी के भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों को दायित्व भी सौंपा। मौके पर विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण की। सुदेश कुमार महतो ने पार्टी के भावी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार ने अपने किए वादों को पूरा न कर के सबसे अधिक युवाओं को छला है। सरकार का ध्यान बेरोजगार युवाओं की ओर आकृष्ट करने के लिए हम बेरोजगारी का डेटा सरकार को देंगें। इसके लिए राज्य के हर प्रखंड में युवा आजसू और उस प्रखंड के स्थानीय युवाओं के नेतृत्व में 24 अगस्त से डोर टू डोर जाकर शिक्षित बेरोजगार युवाओं का डेटा एकत्रित किया जाएगा। यह कार्य ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से किया जाएगा। रांची में आठ सितंबर को नवनिर्माण संकल्प सभा का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में राज्यभर के शिक्षित बेरोजगार युवाओं का डेटा राज्य के मुखिया के समक्ष उनके विचार के लिए रखा जाएगा। नवनिर्माण संकल्प सभा में सरकार के सामने बेरोजगारी का डेटा रखने के साथ राज्य के अंदर युवाओं के भविष्य को लेकर पार्टी की चिंता पर भी चर्चा की जाएगी। पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो नौ सितंबर से हर विधानसभा क्षेत्र में पदयात्रा करेंगे। वह इस पदयात्रा के माध्यम से जनता के बीच पहुँचकर उनसे सीधा संवाद स्थापित करेंगे हेमंत सरकार की वादाखिलाफी से राज्यवासियों को अवगत कराने के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में जन जागरण अभियान चलाया जाएगा।

## एक नजर

### 1800 किलो जावा महुआ और 100 लीटर चुलाई शराब बरामद

**बोकारो :** उपायुक्त बोकारो के निदेर्शानुसार सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन में जिला उत्पाद बल के सहयोग से गुरुवार को बोकारो सिटी थाना अंतर्गत अवैध शराब निर्माण स्थलों पर छापामारी की गई। ये छापामारी कुलिंग पौण्ड किनारे स्थित मिश्रा कालोनी में हुई। इस छापेमारी में 1800 किलो जावा महुआ तथा 100 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद किया गया। वहीं, छापेमारी के दौरान इस कार्य में संलिप्त अभियुक्त फरार होने में सफल रहा। इधर, फरार अभियुक्तों पर उत्पाद अधिनियम की सूसंगत धाराओं के आधार पर अभियोग दर्ज किया गया। छापामारी दल में अवर निरीक्षक सदर-सह-तेनुघाट सन्नी विवेक तिर्की, अवर निरीक्षक बेरमो-सह-चंदपुरा रवि रंजन उपस्थित थे।

### शराब दुकानों पर एमआरपी से अधिक की हो रही है वसूली ग्राहकों में आक्रोश

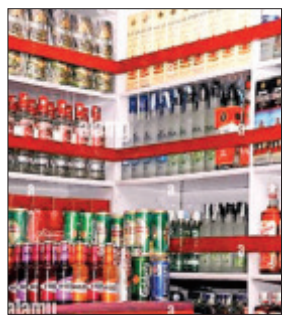

**बरही :** बरही में स्थित सभी शराब दुकानों पर ग्राहकों से निर्धारित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक पैसे वसूलने की शिकायतें सामने आई हैं। कुछ ग्राहकों ने आरोप लगाया है कि दुकानदार खुलेआम एमआरपी से अधिक कीमत वसूल रहे हैं, जिससे ग्राहकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्राहकों का कहना है कि शराब की बोतलों पर अंकित कीमत से ज्यादा वसूली की जा रही है और इस संबंध में जब दुकानदारों से पूछताछ की जाती है, तो वे संतोषजनक जवाब देने में असमर्थ होते हैं। कई लोग इस अतिरिक्त वसूली के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं और जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की अपील कर रहे हैं।स्थानीय लोगो ने चेतावनी दी है कि यदि इस अवैध वसूली पर जल्द रोक नहीं लगाई गई, तो वे इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मुद्दे पर क्या कदम उठाता है।

### आजसू पार्टी डंडा प्रखंड समिति की हुई बैठक

**मेदिनीनगर (पलामू):** आजसू पार्टी डंडा प्रखंड समिति का पुनर्गठन को लेकर कोरटा में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रंजीत मेहता ने किया जबकि संचालक विजय दास ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर पार्टी के जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा एवं जिला प्रधान सचिव त्रिपुरारी सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित हुए। सर्वसम्मति से प्रखंड कमेटी का पूर्ण गठन किया गया जो इस प्रकार है। अध्यक्ष -रंजीत मेहता, प्रधान सचिव -संतोष कुमार रवि ,सचिव -सूरज गुप्ता, कोषाध्यक्ष- नंदलाल चौधरी ,उपाध्यक्ष- रूनता देवी, उपाध्यक्ष -राजू मेहता, संगठन सचिव- विजय दास ,सोशल मीडिया प्रभारी- पवन कुमार ठाकुर, जिला समिति सदस्य - प्रदीप चौधरी, कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सिकेश महतो, रवि कुमार महतो, रमेश महतो, जनू राम, राम जी चौधरी, अजय चौधरी, पंकज ठाकुर, सुनील कुमार कुशवाहा, नरेश चौधरी, गोपाल चौधरी, पंकज साहू का नाम शामिल है।

# ऑल ड्राइवर कल्याण संघ ने झारखंड के चालकों को शील्ड देकर किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बोकारो :** ऑल ड्राइवर कल्याण संघ भारत द्वारा 18 अगस्त 2024 रविवार को ड्राइवर सम्मान महासम्मेलन का आयोजन धान मंडी हनुमानगढ़ राजस्थान में किया गया था. इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सुरेंद्र प्रसाद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद कासिम राजा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अवतार सिंह, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सरताज सहित भारत व झारखंड, केरल, तमिलनाडु, बिहार, बंगाल, त्रिपुरा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, ओडीशा आदि राज्यों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे थे. सुबह 10 बजे संघ सदस्यों ने रैली निकाली, जो मेन टैक्सी स्टैंड अंडरपास से भगत सिंह चौक से होती हुई धान मंडी, हनुमानगढ़ जंक्शन पहुंची. जहां सभा का आयोजन हुआ. सभा में राष्ट्रवाद ड्राइवर आयोग, 1 सितंबर राष्ट्रीय समाज दिवस सहित 29 सूत्रीय मांगों को लेकर भारत सरकार तथा राज्य सरकारों का ध्यान आकर्षित कराया गया. इस कार्यक्रम के तहत सात राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों को शील्ड और साम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। हर राज्यों के जिला पदाधिकारी एवं कार्यकताओं को मेडल के साथ राजस्थानी पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया. झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष अवतार सिंह को शील्ड और साम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। मंच पर बोकारो जिला अध्यक्ष स्वामीनाथ यादव, उपाध्यक्ष जियाउद्दीन खान, धनबाद जिला अध्यक्ष हरेंद्र कुमार ने सराहनीय सहयोग किया। कार्यक्रम से लौट कर धनबाद रेलवे स्टेशन पर झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अवतार सिंह तथा बोकारो जिला अध्यक्ष स्वामीनाथ यादव ने बताया कि ऑल ड्राइवर कल्याण संघ भारत ने यह शील्ड, मेडल उन सभी कार्यकताओं और पदाधिकारीयों को प्रदान किया गया, जिन्होंने इमानदारी पूर्वक संगठन और ड्राइवर समाज के लिए तन-मन-धन देकर कम समय में संगठन को ऊंचाइयों तक पहुंचाया। कहा कि संघ भारत में 22 करोड़ ड्राइवरों की एक बुलंद आवाज ह। अवतार सिंह ने कहा कि शील्ड और साम्मान पत्र झारखंड के सभी ड्राइवर्स का सम्मान है, जो संगठन के कार्यकर्ता है। संघ के सदस्य हैं। कहा कि यह सम्मान समाहित में कार्य करने के लिए मिला है। इससे हमें भविष्य में और भी सक्रियता की प्रेरणा मिलेगी।

**इन राज्यों को मिला शील्ड व सामान पत्र-**

अवतार सिंह ने कहा कि बेहतर तरीके से संघ को मजबूत बनाने में अग्रिणी भूमिका निभाने वाले सात प्रदेश के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। इनमें झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, हरियाणा, जम्मू एंड कश्मीर, मध्य प्रदेश तथा केरला शामिल है।

## तेनुघाट उपकारा के कैदी औरंगजेब की इलाज के दौरान मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बोकारो :** तेनुघाट उपकारा के कैदी औरंगजेब अंसारी की मौत गुरुवार को इलाज के दौरान हो गई। मृतक धनबाद जिला के वासेपुर का निवासी था। जो किसी जुर्म में तेनुघाट उपकारा में बंदी था। बताया जाता है कि गुरुवार को अचानक औरंगजेब अंसारी की तबीयत बिगड़ी। बेहोशी की हालत में उपकारा से अनुमंडलीय अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया। जहां से उसे सदर अस्पताल बोकारो रेफर कर दिया गया। बोकारो सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ अरविंद कुमार ने बताया कि सदर अस्पताल पहुंचने पर ओपी में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया। कहा कि सदर अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मृत्यु हो चुकी थी। मृत्यु के कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। प्रशासनिक पहल के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जायेगा। कहा कि मृतक किस जुर्म में सजायाफ्ता था फिलहाल इसकी जानकारी नहीं है।

## शेखर ने यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रुस पर फहराया तिरंगा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बोकारो :** झारखंड के पर्वतारोही शशि शेखर ने 17 अगस्त को यूरोप की सबसे ऊँची चोटी, माउंट एल्ब्रुस (5,642 मीटर) पर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में तिरंगा फहराया। रूस के कॉकस पर्वत श्रृंखला में स्थित इस पर्वत पर चढ़ाई कर उन्होंने एक नई उपलब्धि हासिल की और झारखंड का नाम रोशन किया। इसके साथ ही सामाजिक संस्था सहयोगिनी द्वारा बाल विवाह के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का समर्थन किया। इस दौरान सहयोगिनी के लोगो का झंडा फहराया । शशि शेखर ने कहा कि झारखंड में बाल विवाह के कारण लड़कियों को काफी दिकातो का सामना करना पड़ता है। जिसके खिलाफ हमे एकजुक होकर बाल विवाह जैसे कुप्रथा को समाप्त करना है। उन्होंने बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई के लिए किशोरियों का नेतृत्व क्षमता विकसित कर उन्हे अवसर प्रदान करने पर बल दिया। शशि शेखर झारखंड के गोमिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. लम्बोदर महतो के पुत्र हैं। शशि ने अपना अभियान की शुरूआत ट्रेक्सोल से हुई जहां से वो आगे गाराबासी (3,800 मीटर) में रुककर अपनी एक्लिमेटाइजेशन पूरी की और फिर मारिया शेल्टर(4,200 मीटर) तक का सफर किया। वहां उन्होंने मौसम साफ होने का इंतजार किया और 17 अगस्त को सुमित पुस के लिए निकल पड़े। हालांकि उस दिन भी तेज हवा चल रही थी, इसके बावजूद वे 17 अगस्त की सुबह करीब 8 बजे समित पर पहुँच गए। इस उपलब्धि ने न केवल शशि की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को पूरा किया, बल्कि झारखंड में पर्वतारोहण की दुनिया में एक नई मिसाल स्थापित की। उनके इस साहसिक प्रयास ने यह भी दशार्या कि सही तैयारी, समर्पण और दृढ़ निश्चय के साथ किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है। इस उपलब्धि पर सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर, कुमारी किरण, सूर्यमुनि देवी, सुचित्रा सिंह, मंजू देवी, सोनी कुमारी , गौतम सागर, रवि कुमार, फुलेंद्र रविदास, अनिल हेंब्रम, अभय कुमार सिंह, नीतू कुमारी, कुमार गौरव आदि ने खुशी जाहिर की है।

## असेंबली लेवल मास्टर ट्रेनरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**धनबाद :** आगामी विधान सभा निर्वाचन 2024 के आलोक में निर्वाचन से जुड़े कर्मियों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से असेंबली लेवल मास्टर ट्रेनरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण आज कंबाइंड बिल्डिंग परिसर स्थित पुराना डीआरडीए सभागार में संपन्न हुआ। इन तीन दिनों में राज्य स्तरीय एवं जिलास्तरीय मास्टर ट्रेनर के रूप में भूमि सुधार उप समाहर्ता संतोष कुमार गुप्ता, अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक, वरीय उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालीदास मुंडा, वरीय मास्टर ट्रेनर दिलीप कुमार कर्ण, संजय कुमार, राज कुमार वर्मा तथा उमेश लाल ने निर्वाचन से जुड़े 22 बिंदुओं पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर भूमि सुधार उप समाहर्ता ने विगत लोक सभा चुनाव में उत्पन्न कुछ केस स्टडी को साझा करते हुए कहा कि इससे सीख लेकर और बेहतर करने का प्रयास करें। वहीं अनुमंडल पदाधिकारी ने आदर्श आचार संहिता के मुख्य बिंदुओं का उल्लेख करते हुए कहा कि निर्वाचन कार्य के लिए निर्धारित नियमों के आलोक में ही प्रशिक्षण दें ताकि कहीं कोई परेशानी न हो। वरीय उप निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि सभी मास्टर ट्रेनर एक विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षण दें। इन तीन दिनों के प्रशिक्षण में आदर्श आचार संहिता, पोस्टल बैलेट, सेक्टर पदाधिकारी का प्रशिक्षण, पोल दिवस प्रशिक्षण, काउंटिंग प्रशिक्षण, ईवीएम प्रशिक्षण सहित 22 बिंदुओं पर 74 मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण को सफल बनाने में दिलीप कुमार कर्ण, राज कुमार वर्मा, संजय कुमार, उमेश लाल, कुमार वंदन, पुष्कर झा, बृज भूषण पांडे, महफूज आलम, आलोक कुमार तिवारी आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

## डीएवी 4 में त्रिदिवसीय विभिन्न खेलों का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बोकारो :** डीएवी स्पोर्ट्स स्टेट लेवल हेतु विभिन्न खेलों के लिए अलग-अलग तिथियों पर त्रिदिवसीय आयोजनों के प्रारूप सुनिश्चित किए गए हैं। डीएवी सेक्टर-4 इन्हीं आयोजनों के तहत फुटबॉल ,हैंण्डबॉल, लॉन टेनिस और जिमनास्टिक खेलों के 37 टीम और करीब 1300 खिलाड़ियों के आवभगत हेतु पूर्णरूपेण सुसज्य और तत्पर हुआ है। मुख्य अतिथि बीएस जायसवाल ने प्रांगण में उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड के विविध विद्यालयों से आए बच्चों में उत्साह एवं अनुशासन स्पष्ट परिलक्षित हो रहा है स्वस्थ खेल के लिए यह आवश्यक भी है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एस एस कर ने प्राचार्य डीएवी दुग्धा, डीएवी ढोरी ,डीएवी सेक्टर-6 एवं विभिन्न विद्यालयों से आए गाइड शिक्षक शिक्षिकाओं ,अभिभावकों तथा मीडिया पर्सन को धन्यवाद दिया जिसने सभारंभ कार्यक्रम में शामिल हो खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। एआरओ-सह -स्टेट कोऑर्डिनेटर एम के सिन्हा ने स्पष्ट किया कि प्रदत्त प्रतियोगताओं में तीन आयु स्तर अंडर -14,अंडर-17,और अंडर-18 शामिल करने का उद्देश्य सर्वाधिक संख्या में बच्चों की सहभागिता को सुनिश्चित करना है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में खेलकूद-क्रीड़ा कैरियर निर्माण का एक प्रगतिशील पर्याय है। होस्ट विद्यालय सेक्टर-4 के प्राचार्य एसएसकर ने सभी आगंतुक खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जोनल स्तर पर खेलों में जगह बनाना हर बच्चे के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

# झारखंड सरकार को उखाड़ फेंकने के लिये जन आक्रोश रैली आज, सरकार से मांगेंगे जवाब : अजय सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**धनबाद :** झारखंड में लूट की सरकार सिर्फ वादा खिलाफी के लिये जानी जाती है उक्त बातें भाजपा किसान मौर्चा के प्रभारी अजय कुमार सिंह ने तेतुलमारी स्थिति अपने आवासीय कार्यालय में प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुये कहा कि राज्य में जेएमएम कांग्रेस की सरकार ने सिर्फ लूटने का कार्य किया,सरकार ने चुनावी रैली में 5 लाख सरकारी नोकरी देने की बात झारखण्ड सरकार ने किया था,छात्रों को न नोकरी मिला न भत्ता दिया सिर्फ वोट बैंक के लिये भी योजनाओं के नाम पर सिर्फ ठगने का कार्य किया है,जेएमएम-कांग्रेस-राजद के गठबंधन से बनी झारखंड कि वर्तमान सरकार लुट और झूठ कि हेमंत सरकार से झारखंड का युवा, किसान, दलित, महिला, आदिवासी सभी त्रस्त है, जनता त्राहिमाम कर रही है। इस लुट एवं झूठ कि सरकार से झारखंड कि जनता को मुक्ति दिलाने एवं इस सरकार को उखाड़ फेकने के लिए झारखंड के युवाओं ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के साथ हुंकार भरा है और हम सभी जानते है, जब जब युवा बोला है, सरकार का कुर्सी डोला है।2019 में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने युवाओं के बड़े बोट बैंक को देखते हुए यह घोषणा किया था कि सरकार गठन के बाद झारखंडी युवावों कों और युवतियों को खाली पड़े पांच लाख सरकारी पदों पर दो वर्ष के अन्दर नौकरी देंगे, नौकरी नहीं मिलने तक सभी छात्रों 5000 तथा स्थानोंकोत्तर को 7000 बेरोजगारी भत्ता देंगे। आज सरकार के पांच वर्ष पूरे होने को आए न युवा को नौकरी मिला और नहीं बेरोजगारी भत्ता यहाँ तक कि जो पांच हजार नौकरी इन्होने दिया है वह भी पारदर्शी तरीके से नहीं दिया उसमें भी भ्रष्टाचार समाहित है, इस झूठ और लुट कि जेएमएम-कांग्रेस के सरकार ने यूवा को धोखा दिया और उनके भविष्य से खिलवाड़ किया है। इस जेएमएम-कांग्रेस कि झारखंडी विरोधी सरकार ने वादा किया था कि सरकार बनने पर सभी सरकारी नौकरियों में स्थानीय लोगों को 75 प्रतिशत आरक्षण देंगे, यहाँ भी इस ठगबंधन कि सरकार ने यहाँ के मूलवासियों एवं झारखंडियों को ठगने का काम किया। किसान विरोधी इस सरकार ने किसानो से 2019 के अपने घोषणा पत्र में यह वादा किया था कि जो अधिग्रहित भूमि 5 साल तक उपयोग में नहीं लाए गए अधिगृहित भूमि को रैयतों को वापस करवाएगी, किसानो के कर्ज माफ करगे एक भी वादा पूरा नहीं करके इस सरकार ने किसानों को भी ठगा, महिलाओं को सरकारी नौकरी में 50 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया था इस सरकार ने मगर आज झारखंड कि माता- बहनों कि हालत यह है। आए दिन उनके साथ बलत्कार एवं प्रताड़ित किया जा रहा है, महिलाएं अपने आप को सुरक्षित नहीं महसूस करती है, इस ठगबंधन कि हेमंत सरकार ने महिलाओं को भी ठग लिए आज इस सरकार में महिलाएं नौकरी क्या करेंगी वह अपनी इज्जत-आबरू बचाले वही बहुत है।

## संक्षिप्त खबरें

### अवैध बालू लदे 3 टाटा 407 जब्त

**धनबाद :** उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिले में खनिज संपदा के अवैध खनन, भंडारण व परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई जारी रखते हुए जिला खनन टास्क फोर्स ने गुरुवार की सुबह 05:30 बजे अनुमंडल पदाधिकारी श्री उदय रजक की अगुवाई में खान निरीक्षक बिनोद बिहारी प्रमाणिक, सुमित प्रसाद, विजय करमाली, बसंत उरांव एवं आवंटित सशस्त्र पुलिस बल के साथ संयुक्त रूप से खनिजों के अवैध खनन व परिवहन के विरूद्ध जांच अभियान चलाया। जांच के क्रम में धनबाद थाना अन्तर्गत पार्क मार्केट, स्वामी विवेकानन्द चौक के पास 3 टाटा 407 वाहन, जिस पर बालू लदा हुआ था, को रोकने का ईशारा किया गया। जांच दल को देखते ही वाहनों के चालक मौके का फायदा उठाकर वाहनों को छोड़कर फरार हो गये। जब्त टाटा 407 संख्या बीआर 17 जी 2717 तथा एक अन्य टाटा 407 (जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर मिटा दिया गया है) पर लगभग 100 - 100 घनफीट अवैध बालू और टाटा 407 संख्या जेएच 10 यू 4226 पर लगभग 40 घनफीट अवैध बालू लदा हुआ मिला। तीनों वाहनों को जब्त कर धनबाद थाना को सुपुर्द करते हुए एफआईआर दर्ज की गई।

### नगर निगम का दावा बेअसर, थाना परिसर में भी जम रहा पानी

**कतरास:** पिछली बारिश में जब मीडिया में खबर छपी कतरास का तो पूरा महकमा कतरास नालिया की सफाई करने लगे लेकिन नगर निगम तो नगर निगम ही है रिजल्ट तीसरी बार की तरह शून्य सिर्फ आम जनता ही परेशान होकर रह गई निगम ने यही चाहिए नालियों को तोड़कर छोड़ दिया कतरास में थोड़ी सी बारिश क्या होती है कतरास थाना परिसर तालाब का रुप ले लेता है नतीजतन फरियादी को पानी में ही छपर - छपर कर जाना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में निगम ने नाली सफाई का कार्य युद्धस्तर पर किया था पर परिणाम वहीं ढांक के तीन पात ही निकला। यह आज का वीडियो थाना परिसर में जमा पानी और फरियाद लेकर जाते हुए फरियादी की बानगी प्रस्तुत करने के लिए काफी है।

### महिला अपराध की रोकथाम के लिए स्कूली बच्चों को किया गया जागरूक

**खूंटी:** पुलिस अधीक्षक खूंटी के निर्देश पर महिला थाना खूंटी द्वारा सीएम उत्कृष्ट विद्यालय (कन्या) खूंटी में गुरुवार को महिलाओं के विरूद्ध होनेवाले अपराधों की रोकथाम के लिए स्कूल की छात्राओं और शिक्षकों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया।
जागरूकता कार्यक्रम में महिला थाना की पुलिस अवर निरीक्षक आरती लकड़ा ने स्कूल के छात्र-छात्राओं, महिला शिक्षिकाओं एवं कर्मियों को महिलाओं तथा बच्चों से संबंधित कानूनी प्रावधानों, सुरक्षा एवं सुविधाओं से अवगत कराया। उन्होंने अपराधों से बचाव और सावधानी बरतने की अपील की। साथ ही महिलाओं के अधिकार एवं उनके साथ दुर्व्यवहार पर कानूनी कार्रवाई आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।
जागरूकता अभियान के दौरान महिलाओं एवं बच्चों को परेशान किए जाने की स्थिति में तत्काल इसकी जानकारी देने के लिए महिला थाना का दूरभाष नंबर साझा किया गया एवं हेल्पलाईन नम्बर डायल-112 का प्रचार-प्रसार किया गया।

### विस्थापित भाईयों को अप्रेंटिस प्रशिक्षण के बाद 1500 कॉंट्रैक्ट नौकरी बीऐकेएस के प्रयास का परिणाम

**बोकारो :** अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने विस्थापित परिवारो के बच्चो को 1500 सीट पर अप्रेंटिशिप प्रशिक्षण कराने के बाद , कॉंट्रैक्ट नौकरी मे वरियता देने हेतु सर्कुलर निकालने पर प्रबंधन को साधुवाद दिया है । साथ ही इसका दायरा वैसे मृत कर्मचारियों के जरुरतमंद आश्रितो हेतु भी बढ़ाने का माँग किया है। गौरतलब है कि बोकारो स्टील प्लांट द्वारा हजारो की संख्या में विस्थापित तथा मृत कर्मचारियों के आश्रितो को अप्रेंटिशिप कराकर बेरोजगार छोड़ दिया गया था । जिसके बाद उपरोक्त प्रशिक्षित लोगो के समक्ष रोजगार का संकट उत्पन्न हो गया था । बीएकेएस ने अपने चार्टर ऑफ डिमांड में उक्त मूद्दा को भी शामिल किया था । जिसके आलोक में सहायक श्रमायुक्त धनबाद के समक्ष तीन दिन वार्ता भी आयोजित की गई थी । जिसमें मुख्य महाप्रबंधक हरिमोहन झा ने जल्द ही माँगो को पुरा कराने का आश्वासन भी दिया था ।बीएकेएस ने प्रबंधन से मृत कर्मचारियों के जरुरतमंद आश्रितो के लिए भी ऊक्त योजना में स्थान देने का माँग किया है ताकि बेरोजगार आश्रितो के जीवन यापन के लिए एक अवसर मिल सके । तत्काल राहत के तहत हमने स्थानीय मांग पत्र में प्रबंधन से मांग किया था की आश्रितों तथा विस्थापितों को हाई स्किल्ड कॉन्ट्रैक्ट वर्कर के रूप में नियोजित किया जाए जिसे प्रबंधन ने विस्थापितों की स्थिति में स्वीकार किया जो की प्रशंसनीय है यदि यही बात प्रशिक्षित आश्रितों के केस में लागू कर दिया जाता तो प्रबंधन को इंडस्ट्रिल हार्मनी मेंटेन करना सरल हो जाता,हमने जो भी सुझाव अब तक दिए है वह कंपनी हित के साथ ही लोक हित में है।

### राष्ट्रीय आयोग के समक्ष एससी - एसटी कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रमोशन का मामला उठाया गया

**बोकारो :** अनुसूचित जनजाति के माननीय सदस्या आशा लकड़ा राष्ट्रिय आयोग के साथ सेल एससी- एसटी इम्प्लाइज फेडरेशन, बोकारो यूनिट ने शम्भु कुमार अध्यक्ष बोकारो यूनिट -सह-सदस्य केन्द्रीय कमिटी के अध्यक्षता में बैठक किया कइस बैठक में एससी-एसटी से सम्बंधीत मुद्दों पर चर्चा किया जिसमें जनजाति राष्ट्रिय आयोग एससी-एसटी के समक्ष यह बात रखा गया कि कर्मचारीयों और अधिकारियों का ग्रेड खराब कर दिया जाता है जिसके कारण समय से प्रमोशन नहीं होता है कराष्ट्रिय आयोग को इस मुद्दे पर हस्ताक्षेप करने का निवेदन किया गया। बैठक में बोकारो यूनिट के प्रतिनिधिमंडल करतार सामंत महासचिव -सह- सदस्य केन्द्रीय कमिटी, लिलु सोरेन संयुक्त महासचिव और अमन बास्की उपस्थित रहे। बैठक में कीरिबुरु राउरकेला, भिलाई साहित अन्य यूनिट के प्रतिनिधि शामिल थें कबीएसएल प्रबंधन से शिप्रा हेम्बरम लाइजन पदाधिकारी तथा अन्य पदाधिकारी मौजूद रहें।

# घर जा रही छात्रा के साथ छेड़खानी और लूटपाट

- लड़की के शोर मचाने पर एक घर से भाई-बहन निकले और छात्रा की बचाई जान
- कुछ दिन पहले ही जेल से छूट कर आया है छेड़खानी और लूटपाट करने वाला लाल पासवान
- लाल पासवान रांची के पागल खाने का सर्टिफिकेट लेकर चल रहा है
- सड़क जाम के खत्म होते ही लोयाबाद पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**धनबाद :** पुटकी थाना क्षेत्र अंतर्गत करकेंद बाजार में रात के 2:30 बजे कोलकाता से पढ़ाई कर घर लौट रही छात्रा के साथ लोयाबाद एकड़ा का रहनेवाला लाल पासवान खुद को पुलिसवाला बताकर छेड़खानी और लूटपाट की। इतना ही नहीं छात्रा को 2 घंटे तक बंधक भी बनाए रखा और सड़क पर मारपीट भी की। छात्रा ने जब शोर मचाया तो वहीं के राहुल और उनकी बहन पहुंच कर लाल पासवान के चंगुल से बचाया। लाल पासवान ने लड़की से 1000 मांग रहा था, लेकिन उसके पास 500 ही थे। लाल पासवान ने रुपए और मोबाइल लूट ली और वहां से भाग निकला। राहुल और उसकी बहन ने छात्रा को किसी तरह घर पहुंचाया। फिर छात्र ने घटना की पूरी जानकारी घरवालों को दी। पुलिस को पूरी घटना की जानकारी देने के बाद भी आवेदन तक नहीं लिया सुबह होने पर गुरुवार को छात्रा के घरवालों ने मोहल्ले वाले को सारी बात बताई। उसके बाद घर वाले छात्रा को लेकर कुछ लोगों के साथ पुटकी थाना पहुंचे और लिखित आवेदन देने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने आवेदन नहीं लिया और जांच करने की बात कहकर सभी को घर भेज दिया। पुलिस के रवैया और लाल पासवान के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने से स्थानीय लोगों ने सैकड़ो की संख्या में करकेंद बाजार के मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। करीब दो घंटा सड़क जाम रहा। मौके पर पुलिस पहुंची। स्थानीय लोगों के साथ-साथ छात्रा की मां और धनबाद के विधायक राज सिन्हा आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करने और उसे जेल भेजने की मांग कर रहे थे। कोलकाता वाला कांड यहां भी करना है क्या

स्थानीय लोगों का कहना था कि लाल पासवान ने छात्रा को यह भी कहा कि यहां भी कोलकाता वाली कांड करना है क्या। जिससे छात्रा काफी डर गई और शोर मचाने लगे लेकिन कोई भी पुलिसकर्मी नजर नहीं आया। उसे जनता की जान माल की रक्षा से कोई मतलब नहीं है। पुलिस के वरीय अधिकारी जैसा कहते हैं थाना की पुलिस वैसा ही करती है। लोग आपस में चर्चा कर रहे हैं कि कुछ दिन पहले ही लाल पासवान जेल से छूटकर बाहर आया है। वह अपराधी प्रवृत्ति का है। कुछ पुलिसकर्मियों के साथ उसके मधुर संबंध हैं, इसलिए पुटकी पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। वह रात में सड़क से गुजरने वाले वाहनों से वसूली भी करता है। सड़क जाम खत्म होने के महज 1 घंटे में लोयाबाद पुलिस ने अपराधी लाल पासवान को गिरफ्तार कर लिया है।

## मोटर यान निरीक्षक ने सरिया में चलाया वाहन चेकिंग अभियान

**सरिया (गिरिडीह) :** मोटर यान निरीक्षक गिरिडीह द्वारा बुधवार की देर शाम सरिया थाना के समीप वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में सरिया पुलिस की सहायता से छोटी बड़ी कई गाड़ियों की जांच की गई। इस दौरान कई वाहनों के पर्याप्त कागज के अभाव में उसे जब्त कर सरिया थाना में रखा गया है। इस संबंध में एसडीपीओ सरिया धनंजय कुमार राम ने बताया कि वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर एम वी आई गिरिडीह के द्वारा वाहन चेकिंग अभियान प्रारंभ किया गया है।

Mukhyamantri Laghu Evam Kutir Udyam Vikas Board
(Government of Jharkhand Undertaking)
4th Floor, Udyog Bhawan, Ratu Road, Ranchi 834001

Corrigendum

Ref. No: 710 Date: 22.08.2024

Subsequent to the discussion held in the pre-bid meeting on 12.08.2024 for E - Tender Advt. PR No: 332083 dated 07.08.2024 **for Supply, installation and commissioning of machines and equipment for the Gold and Silver Jewellery cluster at Sukrigarha, Ramgarh, Jharkhand**, certain modifications in technical specification sheet (Annexure – II) and terms & conditions have been made in the bid document.

Detailed changes in the terms & conditions may be seen on the website http://jharkhandtenders.gov.in / http://mmlkuvb.jharkhand.gov.in

PR 333404 Mukhyamantri Laghu And Kutir Udyam Vikas Board (24-25)_D

Sd/-
Chief Executive Officer

Contact Detail: Mukhyamantri Laghu evam Kutir Udyam Vikas Board 4th Floor, Udyog Bhawan, Ratu Road, Ranchi – 834001 (Jharkhand) Email- contact.cmlaghukutir@gmail.com, Phone: 9102467777, 9262219999

## रूम टू रीड का दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण प्रारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**सरिया(गिरिडीह):** प्रखंड संसाधन केंद्र सरिया में गुरुवार को दो दिवसीय रूम टू रीड का गैर आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। जिसकी शुरूआत प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अक्षय कुमार प्रभाकरण ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। इस संबंध में उन्होंने बताया कि रूम टू रीड प्रशिक्षण के तहत कक्षा एक तथा कक्षा 2 में भाषा विषय का अध्यापन करने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को प्रभावशाली एवं बुनियादी साक्षरता के लक्ष्य प्राप्त करने के उद्देश्य से निपुण भारत मिशन के तहत बुनियादी साक्षरता सुदृढ़ीकरण किया जाना है। कक्षा में रोजाना आठ आयामों पर शिक्षक कैसे काम करें,बच्चों में बेहतर दक्षता कैसे दिया जा सके इससे संबंधित विस्तृत जानकारी दी जा रही है। जिससे शिक्षक प्रशिक्षण समाप्ति के पश्चात विद्यालय में बच्चों को दक्षता प्राप्त करा सकें। इसके लिए प्रशिक्षक किरण वर्मा,श्रीकांत कौशिक,बैजनाथ साव तथा टिकेश्वर महतो को नियुक्त किया गया है। इस प्रशिक्षण में सहदेव पांडेय, बसंती कुमारी, किरण कुमारी, विनोद कुमार,जगत प्रसाद पंडित, सिद्धेश्वर दास, अजीत कुमार, स्वाति कुमारी, चंद्रिका रविदास, चंचल कुमारी,रेणु कुमारी, परमेश्वर राम,राजकुमार, बाल गोविंद कुशवाहा सहित 80 शिक्षक अलग-अलग टीम में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

## मजबूती के साथ लड़ेंगे चुनाव : पारश नाथ उरांव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता



**अनगड़ा :** नगड़ी प्रखण्ड के बालालौंग पंचायत अन्तर्गत फाटेयाटोली में आजसू पार्टी की एक अहम बैठक तारा नाग की अध्यक्षता में हुई संचालन बहादुर उरांव ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय सचिव सह खिजरी विधान सभा पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उरांव थे सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि आजसू पार्टी पुरे झारखण्ड राज्य में मजबूती के साथ चुनाव लड़ने को तैयार है इसके लिए खिजरी विधान सभा में भी चूल्हा प्रमुख का निर्माण कर लिया गया है,चूल्हा प्रमुख पार्टी की रीढ़ है और उन्हीं के अगुवाई में राज्य भर में पार्टी चुनाव लड़ने की तैयार है, मौके पर केन्द्रीय सचिव जितेन्द्र सिंह,राँची जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष वीणा कुमारी,सोनू उरांव, बिरसा लोहरा, जीतू लोहरा,माना उरांव, मोनिक खोया, निलेश खलखो, लोकेया लिण्डा, ललित कुजूर, रोशन कच्छप, मनमोहन खलखो,रीना कुमारी, सुखमनी कुमारी, लक्ष्मी देवी, वीणा नगडूवार, सबीना नगडुवार, दयामनी तिर्की एवं दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

### सड़क निर्माण का काम अब तक अधूरा

**सिल्ली:** मुरी में रेलवे लाइन के नीचे से होकर जाने वाले दो सब वे के नीचे के सड़क निर्माण का काम अब तक अधूरा है। लेकिन इसको पूरा करने के लिए रेलवे प्रशासन गंभीर नहीं दिख रहा है। इस सब वे के रास्ते पर कई जगह बढ़े बढ़े गढ्ढे है सब वे के नीचे गढ्डों में घुटनों भर से ज्यादा पानी भर जाने के कारण आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। रेल लाइन के आरपार जाने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एक किमी दूरी तय करने के लिए चार किमी दूरी घूम कर जाना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है।

### सामुदायिक अस्पताल सिल्ली के द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगाया गया

**सिल्ली/मुरी :**सामुदायिक अस्पताल सिल्ली के द्वारा गुरुवार के दिन टूट के नवादी में स्वास्थ्य शिविर लगाकर दस्त और उल्टी से ग्रसित मरीजों का चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विवेक कुमार के द्वारा इलाज किया गया। इलाज के क्रम में कुछ गंभीर रोगों से ग्रसित मरीजों को सदर सिल्ली अस्पताल में रेफर किया गया। रोगियों को चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि दस्त और डिहाईड्रेशन से बचाव के लिए गर्म पानी का निरंतर सेवन करें और शुद्ध, स्वच्छ और पीने योग्य पानी पीए एवं किसी प्रकार के इंफेक्शन से बचने के लिए स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर।

लापताः आवश्यक सूचना



शिवानी मुण्डा, उम्र–22 वर्ष

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कि आवेदक सह पति हरेकृष्ण मुण्डा द्वारा अपनी पत्नी के गुमशुदगी के संबंध में संबंधित थाना गुड़ाबन्दा में लिखित आवेदन दिये हैं। आवेदन में इनके द्वारा बताया गया कि गुमशुदा शिवानी मुण्डा, उम्र–22 वर्ष, पति–हरेकृष्ण मुण्डा, सा०–पुनासिया, थाना–गुड़ाबन्दा, जिला–पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर दिनांक–25.07.2024 से लापता है। आवेदक ने अपने स्तर से काफी खोजबीन किये परन्तु कुछ पता नहीं चल सका। गुमशुदा महिला का हुलिया निम्न प्रकार है :–कद–करीब 05 फीट, रंग–सांवला, भाषा–बंगला, हिन्दी, संथाली, मुण्डा।

अतः आप सभी जन साधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त हुलिये के संबंध में किसी प्रकार की जानकारी प्राप्त होती है तो इसकी सूचना वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में निम्नांकित फोन नम्बर पर सूचित करें।

वरीय पुलिस अधीक्षक, पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर : 0657–2431006
पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर : 9470199228
पुलिस उपाधीक्षक, मुसाबनी : 9431706492
थाना प्रभारी, गुड़ाबन्दा : 9431706528

PR 333449 (Police) 24-25 (D)

वरीय पुलिस अधीक्षक,
पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर।

## प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस आज



प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**गुमला :** गुमला झारखण्ड शिक्षा परियोजना गुमला ने भारत 23 अगस्त, 2023 को प्रथम अंतरिक्ष दिवस चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा और इसके दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर उतरने वाला पहला देश बना था , उसके यादें ताजा करते हुयें आज पूरे भारतवर्ष में चंद्रयान 3 की इन उपलब्धियों के उत्सव के आयोजन हेतु 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस घोषित किया गया है और इस वर्ष पहला अंतरिक्ष दिवस मनाया जायेगा। इस अवसर पर सभी विद्यालयों में विशेष कक्षाएं, व्याख्यान आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे । शिक्षा विभाग द्वारा इसकी तैयारी करते हुए विद्यालय में अंतरिक्ष विषय पर मॉडल निर्माण, क्विज प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाएगा तथा विद्यार्थियों को प्रातःकालीन प्रार्थनासभा के बाद समाचार वाचन के साथ अंतरिक्ष दिवस की जानकारी के एवं इसरो की प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी देते हुए इसे एक उत्सव के रूप में मनाया जायेगा । ज्ञात हो कि जिला प्रशासन गुमला के द्वारा गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के पहल और कथक प्रयास से साइंस ओलंपियाड आयोजन कर उत्कृष्ट छात्राओं को चयनित करते हुए पिछले वर्ष 25 तथा इस वर्ष 26 मिलकर कुल 51 छात्राओं को अबतक इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा के भ्रमण के लिए भेजा जा चुका है । इस अवसर पर इन छात्राओं को विशिष्ट रूप से आमंत्रित कर उनके संस्मरणों से छात्र छात्राओं को अवगत कराते हुए इसरो के आगामी कार्यक्रम गगनयान मिशन सहित अंतरिक्ष विज्ञान तथा रॉकेट टेक्नोलोजी में भारत की उपलब्धि तथा इसरो की भूमिका पर परिचर्चा की जाएगी ।

### युवक ने की आत्महत्या



**गुमला :** गुमला सदर थाना पुलिस को एक सूचना मिली की गुमला सदर थाना क्षेत्र के असनी तेतर टोली ग्राम स्थित बीरी टंगरा,पंडरू पखना के एक बरगद के पेड़ से रस्सी के सहारे झूलता मिला एक अज्ञात युवक का शव, उक्त सूचना मिलते ही गुमला सदर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुयें। उक्त थाना के एस.आई. अमर शुक्ला अपने दलबल के साथ उक्त घटनास्थल पर पहुंचकर उक्त शव को पेड़ से उतरवाया और उक्त शव को अपने कब्जे में लेकर, पोस्टमार्टम हेतु। उक्त शव को गुमला सदर अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेजवाया गया और पोस्टमार्टम हाउस में पहचानी हेतु 72 घन्टें तक उक्त शव को पोस्टमार्टम हाउस के शीतगृह में रखवाया गया हैं। जहां पहचानी होने पर उसके परिजनों को पोस्टमार्टम के बाद उक्त शव को सौंप दिया जाएगा और अगर पहचानी नहीं हुई तो उक्त शव का पोस्टमार्टम कराकर, उक्त शव का अंतिम संस्कार करवा दिया जाएगा।

### संवेदनशील मतदान केंद्रों को चिह्नित करें अधिकारी : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

**खूंटी:** झारखंड निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देश के आलोक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने मतदान केंद्रों की वल्नरेबल मैपिंग को लेकर गुरुवार को जिले के सभी सेक्टर पदाधिकारी और सेक्टर पुलिस पदाधिकारी कें साथ संग बैठक की। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी सेक्टर पदाधिकारी और सेक्टर पुलिस पदाधिकारी को मतदान केंद्रों का जायजा लेने और क्षेत्र के मतदाताओं से जानकारी प्राप्त कर वल्नरेबल मैपिंग यानी संवेदनशील मतदान केंद्रों को चिह्नित करने का निर्देश दिया। साथ ही इस पूरी प्रक्रिया का रजिस्टर मेंटेन करने को भी कहा।

ऊर्जा विभाग
झारखण्ड सरकार,विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, इंजीनियरिंग हॉस्टल नं०–2,धुर्वा, रॉची

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना

ई–निविदा प्रसंग सं०– **Energy/EWD/Ranchi/45/2024-25** दिनांक– 22/08/2024

| 1 | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि (रुपये में) | परिमाण विपत्र का मूल्य | अग्रधन की राशि | कार्य समाप्ति की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | [illegible] सं० 01 से [illegible] नं० 05 तक सुरक्षा लाईट के सुदृढीकरण एवं अतिरिक्त कार्य। | 10,25,082=00 | 2,500=00 | 21,000=00 | 28 दिन |
| 2. | वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि | 29.08.2024 | | | |
| 3. | निविदा जमा करने की तिथि | 30.08.2024 के 10.30 बजे पूर्वाह्न से 05.09.2024 के 2.00 बजे अपराह्न तक | | | |
| 4 | निविदा खोलने की तिथि | 06.09.2024 को 3.00 बजे अपराह्न में | | | |
| 5. | निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता | विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची। | | | |
| 6. | निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता | विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची। | | | |
| 7 | ई प्रोक्युरमेन्ट प्रकोष्ठ का फोन नं० | 0651–2490053 | | | |

Note :- Tender Fee and Earnest Money Deposit (EMD) are to be paid through online mode only as per instruction of IT Dept. Govt. of Jharkhand Letter no.-120 Dated- 03-10-2023.
निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in मे देखा जा सकता है।

PR 333437 Energy(24-25).D

विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल,रॉची

समेकित जनजाति विकास अभिकरण, रॉंची
(ब्लॉक–ए, कमरा संख्या–112,
ईमेल–dwo-ranchi@jharkhandmail.gov.in):0651-2213348
(कल्याण शाखा)

कियोस्क आवंटन हेतु सूचना

रॉंची जिला अंतर्गत निम्नांकित प्रखण्डों के कार्यालय परिसर में नव निर्मित अल्पसंख्यक समुदाय (सिख, मुस्लिम, ईसाई, जैन, बौद्ध, तथा पारसी) के आर्थिक उन्नयन हेतु छोटे–छोटे व्यवसाय के लिए 02 यूनिट नव निर्मित कियोस्क का आवंटन किए जाने हेतु अर्हता पूरी करनेवाले ईच्छुक आवेदकों से विहित प्रपत्र में आवेदन दिनांक 15.08.2024 तक आमंत्रित किया गया था परन्तु समाहरणालय संवर्ग के कर्मचारियों कि हड़ताल को देखते हुए खेलारी एवं अनगड़ा प्रखण्ड से आवेदन पत्र प्राप्त करने की तिथि को दिनांक 02.09.2024 तक विस्तारित की जाता है।

| क्रमांक | प्रखण्ड का नाम | नव निर्मित कियोस्क की संख्या | अभ्युक्ति |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | खेलारी | 01 | |
| 2 | अनगड़ा | 01 | |
| | कुल | 02 यूनिट | |

आवेदन पत्र का प्रारूप एवं शर्तें कार्यालय के सूचना–पटट पर एवं रॉंची जिला के वेबसाईट https://ranchi.nic.in पर देखा जा सकता है। आवेदन–पत्र कार्यालय कार्य दिवस में जिला कल्याण कार्यालय, रॉंची में जमा किया जा सकता है।

PR 333386 Welfare(24-25).D

परियोजना निदेशक,
समेकित जनजाति विकास अभिकरण,रॉंची

झारखंड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, गुमला

अल्पकालीन ई– निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या:- 09/2024-25/RWD/W/EE/GUMLA दिनांक–21.08.2024

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गुमला द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

| क्र० सं० | आईडेन्टी फिकेशन संख्या/ पैकेज संख्या | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि अंक में (लाख) | प्राक्कलित राशि अक्षर में | कार्य समाप्ति की अवधि। | टेण्डर फॉर्म फी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | RWD/ GUMLA/ CSR/01/ 2024-25 | Construction of 1.50m height guard wall at Village Churhu, Panchayat-Katri, Block-Gumla, Length-0.150Km. | 23.728 | [illegible] | 03 माह | प्रथम |
| 2 | RWD/ GUMLA/ CSR/02/ 2024-25 | Construction of PCC Road (Part-A) at Village Churhu, Panchayat-Katri, Block-Gumla, Length-0.450Km. | 20.161 | [illegible] | 03 माह | प्रथम |
| 3 | RWD/ GUMLA/ CSR/03/ 2024-25 | Construction of PCC Road Start from Talab (Part-C) at Villge Churhu, Panchayat-Katri, Block- Gumla, Length-0.450Km. | 20.888 | [illegible] | 03 माह | प्रथम |
| 4 | RWD/ GUMLA/ CSR/04/ 2024-25 | Construction of PCC Road (Part-D) at Village Churhu, Panchayat-Katri, Block-Gumla, Length-0.500Km. | 22.401 | [illegible] | 03 माह | प्रथम |
| 5 | RWD/ GUMLA/ CSR/05/ 2024-25 | Construction of PCC Village Gali road at Village Churhu, Panchayat-Katri, Block-Gumla, Length-0.500Km. | 11.698 | [illegible] | 03 माह | प्रथम |

2 वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि:– 28.08.2024
3 ई निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय: 04.09.2024 अपराहन 05.00 बजे तक।
4 निविदा खोलने की तिथि एवं समय:– 05.09.2024 अपराहन 05.30 बजे।
5 निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता: कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गुमला, विकास भवन, गुमला के बगल में, पिन–835207
6 ई निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 06524 465040 ।
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है। ह0/–

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमण्डल, गुमला

PR 333407 (Rural Work Department)24-25*D

# मेघातरी के कुशाहना में फिर घुसा पानी ग्रामीणों ने किया रांची-पटना रोड जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता



**कोडरमा :** जिले के मेघातरी पंचायत के कुशाहना गांव में गुरूवार शाम को करीब साढ़े चार बजे के आसपास एक फिर से वर्षा के कारण पानी घुस गया। इसके बाद लोग घरों से बाहर निकल गए और वन विभाग और जिला प्रशासन की निष्क्रियता के खिलाफ आक्रोशित ग्रामीणों ने झारखंड बिहार बॉर्डर पर रांची पटना रोड जाम कर दिया। मालूम हो कि तीन दिन पहले रविवार की सुबह भारी बारिश के कारण कुशाहना में वन विभाग का चैकडैम टूट गया। जिसके कारण दर्जनों घरों में पानी घुस गया और उन घरों के अनाज, बर्तन, गाय, बकरी, बिछावन और खटिया तक पानी में बह गए। वहीं अरहर, मकई जैसे फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। वन विभाग व जिला प्रशासन द्वारा डैम को टूटे हुए हालत में छोड़ दिया और पानी रोकने के लिए किसी प्रकार की मरम्मती का काम नहीं किया गया जिसके कारण गुरुवार को एक बार फिर बारिश होने से गांव में पानी घुस गया। गांव के पास उक्त चेक डैम वन्य प्राणी आश्रयणी क्षेत्र में आता है। बताया जाता है कि चेक डैम की मरम्मति और रख रखाव के नाम पर हर साल बड़ी राशि की निकासी की जाती रही है, पर हकीकत में डैम की मरम्मति भी नहीं करायी गयी। नतीजतन डैम टूटा और गांव में पानी भर गया।

# देश में सुरक्षा का वातावरण नहीं है आखिर क्यों? सोचना चाहिए

एल.एस. हरदेनिया

**सर्वोच्च न्यायालय ने कुछ उपाय सुझाए हैं। आशा है कि इन पर अमल होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने टॉस्क फोर्स बनाई है जो डॉक्टरों को किस प्रकार की सुरक्षा दी जाए इसकी सिफारिश करे। इस समय जनप्रतिनिधियों चाहे सांसद हो, चाहे विधायक हो शासन के द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाती है, और भी महत्वपूर्ण व्यक्तियों को सुरक्षा दी जाती है। सुरक्षा में कभी-कभी एक दर्जन सुरक्षाकर्मी भी लगाए जाते हैं। कभी-कभी इनकी संख्या आवश्यकता से भी ज्यादा होती है।**

कोलकता में एक महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या भी कर दी गई। यह अत्यधिक दुखद घटना है। इसके विरोध में पूरे देश के डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्यकर्मी आक्रोश प्रकट कर रहे हैं। डॉक्टरों के साथ यह पहली घटना नहीं है। डॉक्टर अब सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम मांग रहे हैं। उनका कहना है कि उनकी सुरक्षा के लिए केन्द्रीय सरकार कानून बनाए। यहाँ यह बताना आवश्यक होगा कि पूरे देश में इस समय असुरक्षा की भावना है। समाज का कोई भी ऐसा वर्ग नहीं जो अपने को असुरक्षित महसूस नहीं कर रहा हो। यहां तक कि वे भी अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं जिन पर दूसरों को सुरक्षा देने की जिम्मेदारी है। आखिर क्यों? शायद इसलिए कि लोगों में अब कानून का भय खत्म हो गया है। प्रसिद्ध शासकीय अधिकारी श्री एम. एन. बुच (जो अब नहीं हैं) बताते थे कि जब वे बैतूल में कलेक्टर थे किसी विषय को लेकर एकाएक बड़ी भीड़ इकट्ठा हो गई। भीड़ ने आक्रामक रूप ले लिया। जिस स्थान पर भीड़ थी और अपना रोष प्रकट कर रही थी, उस स्थान पर पुलिस का एक ही सिपाही था। उसने भीड़ के लिए एक रेखा खींच दी और और कहा कि जो इस रेखा को पार करेगा उसे सख्त कानून का सामना करना पड़ेगा। उसकी इस चेतावनी का असर हुआ और भीड़ आगे नहीं बढ़ पाई।

लॉ एंड आर्डर अथोरिटी अधिकारियों का ऐसा ही दबदबा हुआ करता था। अब तो आए दिन यह खबरें मिलती हैं कि रेत खनन माफिया ने बड़े अधिकारी पर हमला किया। जब उसने उनके विरूद्ध चोरी कर रेत ले जाने का अपराध कायम किया। अभी तक कई बड़े-बड़े अधिकारी खनन माफिया के शिकार हो चुके हैं।

अनेक कॉलेजों में और स्कूलों में आए दिन शिक्षकों पर हमले होते हैं। कुछ दिन पहले उज्जैन में सरेआम एक शिक्षक की हत्या कर दी गई। अभी हाल में भोपाल के एक कॉलेजों के संचालक पर दिन-दहाड़े हमला कर दिया गया। हमला करने वाले विद्यार्थी परिषद से संबंधित थे। विद्यार्थी परिषद इस समय के सत्ताधारी पार्टी से संबंधित हैं। रेलवे में यदि टीआई टिकट का पूछता है तो उस पर हमला कर दिया जाता है। अतिक्रमण कर अनेक लोग मकान बना लेते हैं। जब अधिकारी उनको हटाने जाते हैं तो उन पर हमला कर दिया जाता है। बिजली का बिल नहीं देने पर बिजली बोर्ड के अधिकारी उस क्षेत्र की बिजली काटने जाते हैं तो उन्हें मारकर भगा दिया जाता है। बैंक का कर्ज वसूल करने के लिए यदि टीम जाती है तो उसे मोहल्ले में प्रवेश नहीं दिया जाता है। महिलाओं के साथ आए-दिन दुष्कर्म हो रहे हैं। जब अपराधी को गिरफ्तार करने की कोशिश की जाती है तो इसी तरह की प्रतिक्रिया होती है और प्रभावशाली व्यक्ति

उस अपराधी की रक्षा में खड़े हो जाते हैं।

अभी हाल में एक भाजपा के विधायक ने सांसदों को गाली (चूतिया कहा) दी और कहा कि इन्हें संसद से बाहर कर दिया जाये। अभी तक उसके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई पता नहीं है। बिहार की राजधानी पटना में विरोधी दल के बड़े नेता इकट्ठा हुए थे। भाजपा ने इस घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि पटना में चोरों का सम्मेलन हो रहा है। कुल मिलाकर यदि वास्तविक हिंसा नहीं तो एक-दूसरे के बारे में हम हिंसक भाषा का उपयोग कर रहे हैं। इसे कैसे रोका जाए? यदि डॉक्टर के साथ हिंसा जारी रही तो फिर रोगियों का क्या होगा। कोलकता की घटना के पीछे क्या तथ्य हैं यह पता नहीं लगा है। परंतु जो समाज को संचालित करते हैं और जिनका समाज पर दबदबा रहना चाहिए यदि वे ही ऐसी स्थिति में आ जाएं कि वे असामाजिक तत्वों से डरें और अपना कर्तव्य निर्वहन न कर पाएं तो पूरे समाज में अराजकता फैल जाएगी। ब्रिटेन में पुलिस का इतना दबदबा है कि साधारणतः असामाजिक तत्व अपना सिर नहीं उठा पाते हैं। अमरीका में भी असामाजिक तत्वों को भी डर कर रहना पड़ता है। वहां न्याय की प्रक्रिया अत्यधिक द्रुत गति से चलती है। अभी कुछ दिन पहले वहां के एक काले नागरिक को गौरे पुलिस वाले ने मारडाला था। उसका अपराध द्रुत गति से तय हुआ और उसे आवश्यक सजा दी गई। हमारे देश में तो बरसों लग जाते हैं एक अपराधी को दंडित करने में। हमारे वर्तमान देश के मुख्य न्यायाधीष श्री चंद्रचूड़ इस संबंध में अनेक बार चिंता प्रकट कर चुके हैं। परंतु फिर भी स्थिति में कोई सुधार नहीं है।

सुरक्षा अकेली डॉक्टरों की नहीं पूरे समाज की आवश्यक है। यह कैसे संभव हो इस पर पूरे देश को विचार करना आवश्यक है। वैसे जहां तक डॉक्टरों की सुरक्षा का सवाल है आम लोगों में डॉक्टरों की प्रतिष्ठा में काफी कमी आई है। आम लोगों का चिंतन है कि डॉक्टर साधारणतः उनसे ज्यादा वसूली करते हैं। इस समय तो जो डॉक्टर अपने को प्रतिष्ठित समझते हैं उनमें से बहुसंख्यक ने अपनी कंसल्टेशन फीस 1000/- रूपए तक कर दी है। फिर कई किस्म की जाँचों को करवाना भी आवश्यक बता देते हैं। इनमें खून की जांच, एक्स-रे और भी अनेक किस्म की जांचे शामिल हैं।

स्वर्गीय बाबूलाल गौर एक किस्सा बताते थे। चुनाव में उनके विरोध में भोपाल के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर बिसारिया चुनाव लड़ रहे थे। वे मतदाताओं से संपर्क कर रहे थे। जब वे एक वरिष्ठ मतदाता के पास पहुंचे और उनसे वोट देने का अनुरोध किया तो उस मतदाता ने कहा कि मेरा वोट आपको उसी समय मिलेगा जब आप मुझे 200 रुपए देंगे। बिसारिया जी ने उस मतदाता से पूछा कि वोट देने के लिए पैसे की मांग तो मैं पहली बार सुन रहा हूँ। इस पर उस मतदाता ने कहा कि जब मैं आपके पास अपनी बीमारी का इजाल करवाने गया तो आपने पहले 200 रूपए रखवा लिये थे और सिर्फ मेरी नाड़ी देखकर मेरा इलाज बता दिया था। इस पर डॉक्टर बिसारिया को हंसी आना स्वभाविक था। परंतु यह एक उदाहरण है कि आम आदमी डॉक्टरों के बारे में क्या रवैया रखता है। आए दिन अखबारों में इस तरह के लेख छपते हैं कि जितने लोग डॉक्टरों के इलाज से ठीक होते हैं उतने ही लोग डॉक्टरों द्वारा गलत प्रिस्क्रिप्शन बताने से मरते हैं। फिर दवाईयों की कीमतों में अनापशनाप पैसा वसूल होता है। कुल मिलाकर आम आदमी के लिए इलाज उसकी पहुंच से बाहर हो गया है। यहां पर मैं दो अद्भुत उदाहरण देना चाहूंगा।

इंदौर में एक जाने-माने डॉक्टर थे। वे अपनी परामर्श फीस के रूप में सिर्फ 16 रूपए लेते थे। उनका ज्ञान भी अद्भुत था। भारी संख्या में लोग उनके पास इलाज के लिए जाते थे। एक मौका ऐसा आया जब इंदौर के अनेक डॉक्टरों ने उनसे अनुरोध किया कि वे अपनी परामर्श फीस बढ़ा दें परंतु वे अपनी फीस पर कायम रहे। इसी तरह इंदौर के कम्युनिस्ट नेता होमीदाजी थे उनकी बेटी थी रोशनी। वह मोस्को से मेडिकल शिक्षा लेकर आई थी। उसने अपना क्लीनिक इंदौर की एक गरीब बस्ती में खोला और परामर्श शुल्क के रूप में वह सिर्फ 5 रूपए लेती थी। दुर्भाग्य से कुछ दिनों में उसकी कैंसर की बीमारी से मृत्यु हो गई। कुल मिलाकर यदि डॉक्टर आम जनता का ख्याल रखें तो जनता ही उनकी रक्षा करेगी। भोपाल में आँख के एक बड़े डॉक्टर थे संतोष सिंह। उनका कोई रोगी निरोग होकर अपने गाँव जाना चाहता था तो वे उससे पूछते थे कि जाने के लिए तेरे पास किराया है? यदि वह कहता था कि नहीं तो प्रायः वे अपनी पॉकेट से उसको पैसे दे देते थे। दवाईयां तो वह प्रायः मुफ्त दिया करते थे। इन सारे तथ्यों के बावजूद डॉक्टरों को सुरक्षा की आवश्यकता है और शासन को उसे उपलब्ध करवाना चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय ने कुछ उपाय सुझाए हैं। आशा है कि इन पर अमल होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने टॉस्क फोर्स बनाई है जो डॉक्टरों को किस प्रकार की सुरक्षा दी जाए इसकी सिफारिश करे। इस समय जनप्रतिनिधियों चाहे सांसद हो, चाहे विधायक हो शासन के द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाती है, और भी महत्वपूर्ण व्यक्तियों को सुरक्षा दी जाती है। सुरक्षा में कभी-कभी एक दर्जन सुरक्षाकर्मी भी लगाए जाते हैं। कभी-कभी इनकी संख्या आवश्यकता से भी ज्यादा होती है। इस बात पर भी विचार करना चाहिए कि क्या सभी सांसदों और विधायकों को इतनी सुरक्षा की आवश्यकता है? कुल मिलाकर सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है जिसपर अधोपांत विचार होना चाहिए।

## संपादकीय

### शीर्ष अदालत का निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता में डॉक्टर से दरिंदगी को भयावह घटना बताते हुए पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाई है। मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सबसे बड़ी अदालत ने घटना को चिकित्सकों की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थागत विफलता पर चिंता जताई। सुरक्षा से समझौता बर्दाश्त नहीं करने की भी बात की। अदालत ने कहा कि जमीनी बदलाव के लिए देश एक और दुष्कर्म या हत्या का इंतजार नहीं कर सकता। देश भर के डॉक्टरों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए काम पर लौटने की अपील की और चौदह सदस्यीय नेशनल टास्क फोर्स भी गठित की। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि यदि महिलाएं काम पर नहीं जा पा रही हैं, उनके लिए काम की स्थितियां सुरक्षित नहीं हैं तो हम उन्हें समानता के अधिकारों से वंचित कर रहे हैं। एफआईआर में देरी, पीड़िता की तस्वीरों/नाम का खुलासा होने और मृतका के माता-पिता को गलत सूचना देने पर भी अदालत ने कड़ी फटकार लगाई है। प्रशिक्षु चिकित्सक का शव कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में गंभीर चोटों के साथ अस्त-व्यस्त हाल में मिलने के बाद से देश भर में चिकित्सकों, अस्पतालकर्मियों समेत जनता में गहरे आक्रोश को देखते हुए शीर्ष अदालत ने यह फैसला सुनाया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में सालाना 31-32 हजार से ज्यादा बलात्कार होते हैं। सीधे शब्दों में कहें तो प्रति दिन 80 से अधिक बच्चियां/महिलाएं यौन हिंसा की शिकार होती हैं। अदालतों के सख्त फैसलों और कड़े कानूनों के बावजूद बलात्कार की घटनाओं पर अंकुश लगाने में सरकार और व्यवस्था बुरी तरह असफल साबित हुई हैं। अदालत ने भले ही यहां सिर्फ चिकित्सा पेशेवरों की चर्चा की है, असल में तो नन्हीं-नन्हीं बच्चियां तक यौन हमलों की शिकार हो रही हैं जिनको सुरक्षित रखने में हम बुरी तरह असफल हैं। राज्य सरकारों और पुलिस को चौकस बनाने के साथ ही जरूरी है कि सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर लैंगिक विभेद की गहरी जड़ों पर जोरदार प्रहार किया जाए। कहना न होगा कि जीने और सुरक्षित रहने का अधिकार भी मौलिक है। देश में शिक्षा और वंचना का जो स्तर है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि देश की हर महिला अदालत की शरण में नहीं जा सकती। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि महिलाओं के लिए सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था चरमराने न पाए। यदि सरकारें इस काम में नाकाम रहती हैं, तो यकीनन वैसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी जैसी से आज हम रूबरू हैं।

## चिंतन-मनन

### इच्छाओं को समर्पित करते जाओ

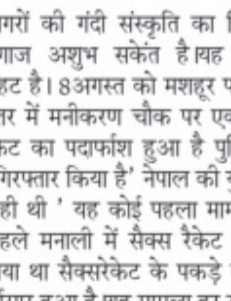

प्रमोद भार्गव

सभी इच्छाएं खुशी के लिए होती हैं। इच्छाओं का लक्ष्य ही यही है। किंतु इच्छा आपको कितनी बार लक्ष्य तक पहुंचाती है? इच्छा तुम्हें आनंद की ओर ले जाने का आभास देती है, वास्तव में वह ऐसा कर ही नहीं सकती। इसीलिए इसे माया कहते हैं। इच्छा कैसे पैदा होती है? किसी सुखद अनुभव की स्मृति या भूत के प्रभाव से इच्छा पैदा होती है। कुछ सुनने से भी इच्छा जागृत हो सकती है या किसी विशेष स्थान या व्यक्ति के संपर्क से। किसी और व्यक्ति की जरूरत या इच्छा भी तुम्हारी अपनी इच्छा के रूप में पैदा हो सकती है। मान लो कोई भूखा है, तो तुम्हें उसे खिलाने की इच्छा हो सकती है, या कोई तुमसे बात करना चाहता हो तो तुम्हारी भी उससे बात करने की इच्छा हो सकती है। कभी-कभी नियति या कोई घटना जिसमें तुम्हें भाग लेना है, तुममें इच्छा जाग्रत करती है, पर तुम अपने कृत्यों का कारण नहीं जानते।

इच्छाएं अपने आप उत्पन्न होती हैं, वे तुमसे पूछकर नहीं आतीं। जब इच्छाएं उत्पन्न होती हैं, तुम उनका क्या करते हो? यदि तुम सोचते हो कि तुम इच्छाहीन हो जाओ, तो यह भी एक और इच्छा है। मैं एक उपाय बताता हूं- सिनेमा देखने के लिए टिकट खरीदनी पड़ती है और यह टिकट प्रवेश द्वार पर देनी पड़ती है। यदि तुम उस टिकट को पकड़े रखोगे तो अंदर कैसे जाओगे? उसी प्रकार, यदि तुम किसी कॉलेज में दाखिल होना चाहते हो तो आवेदन पत्र की जरूरत है। उसे भरकर जमा करना पड़ता है। उसे पकड़कर नहीं रख सकते। इसी प्रकार जीवन-यात्रा में भी अपनी इच्छाओं को पकड़कर मत रखो, उन्हें समर्पित करते जाओ। जैसे-जैसे समर्पण करते जाओगे, इच्छाएं भी कम उत्पन्न होंगी। सौभाग्यवान वे हैं जिनमें इच्छा उत्पन्न ही नहीं होती, क्योंकि इच्छा जागृत होने के पहले ही वे तृप्त हैं।

# शर्मनाकः देह व्यापार का पदार्फाश, देवभूमि शर्मसार ?

नरेन्द्र भारती

महानगरों की गंदी संस्कृति का हिमाचल में आगाज अशुभ सकेंत है।यह प्रलय की आहट है। 8अगस्त को मशहूर पर्यटन स्थल कुल्लू के भूंतर में मनीकरण चौक पर एक होटल में रहे सेक्स रैकेट का पदार्फाश हुआ है पुलिस ने 10 युवतीयों को गिरफ्तार किया है' नेपाल की युवतियाँ यह रैकेट चला रही थी ' यह कोई पहला मामला नहीं है कुछ साल पहले मनाली में सैक्स रैकेट का मामला प्रकाश में आया था सैक्सरेकेट के पकड़े जाने से हर हिमाचली शर्मसार हुआ है।यह मामला हर समाचार पत्र की सुर्खियां बना हुआ है।देह व्यापार के संदेह में पुलिस ने जिस्मफरोशी से जुडी 9 महिलाओं और 2 पुरुषों को हिरासत में लिया था ।जिस्मफरोशी में पकडी. गई महिलाएं पंजाब ,हरियाण व उतर प्रदेश की थी ।कैसी विडबवा है कि पड़ोसी राज्यों की इन महिलाओं की वजह से देवभूमि की साख पर बटटा लगा है।दो दलाल भी पकड़े गए है। समाचार पत्रों में खबरों के अनुसार गत वर्ष ऐसा ही एक पदार्फाश राजधानी शिमला में हुआ था जहां मालरोड़ पर एक मसाज सैंटर में जिस्मफरोशी का कारोबार चलता था जिसका शिमला पुलिस से पदार्फाश करके छह युवतियों समेत 8 को गिरफतार किया था।सैक्स रेकेट में पकड़ी गई युवतियों में एक थाईलैंड,तीन मणिपुर व तीन दिल्ली के रहने वाली थी।मसाज सैंटर के प्रबंधक को भी गिरफतार कर लिया था।प्रदेश सरकार को इस पर संज्ञान लेना होगा ताकि हिमाचल की अस्मिता पर दाग न लगे।दलालों को जेल के सीखचों में डालना चाहिए जो हिमाचल में ऐसे अडडे चला रहे है।मगरमच्छों को पकड़ना होगा ताकि यह कारोबार बंद हो सके।विदेशियों की पूरी छानबीन करनी होगी तथा अन्य राज्यों से आने वालों पर भी नजर रखनी होगी। गत वर्ष भी शिमला के एक होटल में पांच युवतियों सहित दस लोगों का पकड़े जाने से देवभूमि से विख्यात हिमाचल शर्मसार हुआ था। समझ नहीं आता कि बाहरी राज्यों से घूमने आने वाले लोग हिमाचल में भी गंदी संस्कृति की शरणस्थली बनाना चाहते हैं। इन घटनाओं से प्रदेश की छवि धूमिल होती जा रही हैं। समय-समय पर ऐसे मामले सुर्खियां बनती रहती है।हिमाचल में ऐसे मामलों की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। दिल्ली ,मुम्बई ,कलकता व मद्रास जैसे महानगरों की इस संस्कृति को हिमाचली समाज कभी मान्यता नहीं दे सकता क्योंकि देवभूमि में लक्ष्मण रेखा को लाघने वालों को हिमाचल समाज कभी नहीं बख्सेगा। मगर प्रदेश में घटित इन प्रकरणों से यह साबित हो रहा है कि इसकी जड़े गहरी होती जा रही हैं। देह व्यापार की इस विष बेल को काटना समय की मांग है तथा प्रदेश में देह व्यापार का विष फैलाने वाली इन विषकन्याओं का फन कुचलना होगा ताकि आने वाले समय में कोई इनका शिकार न हो सके। कंड़ाघाट में भी एक होटल में छापामारी के दौरान चार युवक व चार युवतियों को पकड़ा गया था।पकड़े गए युवकों में दो बग्लादेशी तथा अन्य युवक हरियाणा के रहने वाले थे। शिमला के एक होटल से जिस्मफरोशी करने वाली युवतियों को पकड़ा था। गत वर्ष चंबा में भी एक सैक्स रैकेट का पदार्फाश हुआ था। कुछ वर्ष पहले कुल्लू में भी सैक्स रैकेट चलाने वाली युवतियों को पकड़ा था।इन घटनाओं से प्रदेश पर एक प्रशनचिन्ह लग गया है।बिडंवना देखिए कि चंद चांदी के सिक्कों की खनक के कारण शिक्षित व गरीबी की मार झेल रही व अभावग्रस्त नौजवान युवतियां दलालों के हाथों नीलाम हो रही है। और अपना जीवन बरबाद कर रही है। इस दलदल मे एक बार फंस गई तो इससे से बाहर निकलना बहुत ही मुशिकल है क्योंकि ऐशो आराम की जिन्दगी जीने के लिए ऐसे अनैतिक व अवैध कारोबार में सलिप्त युवतियां को समाज में जलालत व जेलों में कैद होती है तो इनकी जिन्दगी नरक बन जाती है तब इन्हे होश आता है। आधुनिक दुनिया की चकाचैध में बढ़ती महत्वकांक्षाएं ही ऐसे गलत कार्य करवाती है तथा समाज में रुतबा बनाना तथा रातों-रात अमीर बनने के चक्कर में युवतियां ऐसे गलत काम को अंजाम दे रही है। आजिविका के लिए और भी कई सम्माजनक काम है। प्रदेश में ऐसे मामलो से समाज में चिंता पैदा कर दी है कि हिमाचल में यह सब घटित हो रहा है और हिमाचल पर बदनामी के दाग चस्पां हो रहे हैं। हिमाचल में घूमने के नाम पर पर्यटक होटलों में जिस्म फरोशी कर रहे है।ऐसे होटल प्रबंधकों के होटलों के लाईसैंस रदद करने चाहिए तथा मालिकों व प्रबंधकों के विरुद्ध कारवाई करनी चाहिए जो चंद पैसों की खातिर हिमाचल में देह व्यापार करवा रहे हैं।इन पैसे के लालची व नीच हरकतें करवाने वाले होटल चलाने वालों के कारण हिमाचल की साख को बटटा लगा है। हिमाचली समाज ऐसे कारनामों की कभी इजाजत नहीं देगा यहां के लोग की विश्व में अलग पहचान है।गनीमत रही की इन जिस्म फरोशी करने वालों मे हिमाचली की कोई युवती नहीं है यह युवतियां बाहरी देशों व अन्य राज्यों की है मगर यह बहुत ही दुर्भाग्य है कि हिमाचल में यह लोग गैर-कानुनी कार्य करके हिमाचल को बदनाम कर रहे हैं।पुलिस को चाहिए कि राज्य में हर होटल वालों की समय-समय पर निगरानी रखी जाए तथा होटल वालों को चाहिए कि हर आने-जाने वालों की पूरी छानबीन करने के बाद ही होटलों में रहने दिया जाए।पहचान-पत्र,आधार कार्ड और अन्य दस्वावेजों को देखकर ही कमरा दिया जाए।हिमाचली समाज को आगे आना होगा तथा ऐसे गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ लामबंद होना होगा ताकि आने वाले समय में ऐसे प्रकरणों पर रोक लगाई जा सके।पुलिस को भी बाहरी राज्यों से आने वालों की पूरी छानबीन करने के बाद ही हिमाचल की सीमा में प्रवेश करने दिया जाए ताकि ऐसे सदिग्ध लोगों की पहचान हो सके।पुलिस को इस रैकेट को चलाने वालों को बेनकाब करना चाहिए।ऐसे नीच कारोबार करने वालों को सजा देनी चाहिए जो समाज में गंदगी का प्रसार कर रहे है।इस गिरोह को नेस्तनाबूद करना होगा ताकि भविष्य में प्रदेश में ऐसे मामलों पर रोक लग सके।और प्रदेश में अनैतिक काम करने वालो पर शिकंजा कसा जाए।इस मामले में पुलिस सक्रिय रही तो मामले की सारी गुत्थियां भी सुलझेंगी और दोषी भी बेनकाब होगें। सैक्स रैकेट चलाने वाले दलालों कों हवालात में डालना चाहिए भले ही इन युवतियों को अदालत ने जमानत पर रिहा कर दिया है परन्तु देवभूमि पर लगा यह दाग कैसे मिटेगा। वक्त अभी संभलने का है। दलालों को सरेआम बेनकाब किया जाए यह प्रदेश हित मे है '

( वरिष्ठ पत्रकार)

# जम्मू-कश्मीरः नये भूगोल में विधानसभा चुनाव

जम्मू-कश्मीर में आजादी के बाद पहली बार समग्र समाजों को मिले मतदान के अधिकार के साथ विधानसभा चुनाव होगा। अभी तक यहां दलित एवं जनजातीय समुदायों को मताधिकार ही प्राप्त नहीं था जबकि अब उन्हें आरक्षण का लाभ भी मिलेगा। यहां का भूपरिदृश्य बदलने एवं धारा-370 और 35-ए हटने के बाद 18 एवं 25 सितम्बर और 1 अक्टूबर को मतदान होगा। 4 अक्टूबर को चुनाव परिणाम घोषित होंगे। जहां तक केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का सवाल है, वहां 10 साल बाद चुनाव होने जा रहा है। 2014 में चुनाव हुए थे जिनमें किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला था। नतीजतन, भाजपा और पीडीपी ने मिलकर कुछ समय तक गठबंधन सरकार बनाकर चलाई।

2019 में जम्मू-कश्मीर में लागू विशेष अनुच्छेद 370 संसदीय कार्यवाही पूरी कर खत्म कर दिए जाने पर कांग्रेस समेत कश्मीर के दो राजनैतिक-पारिवारिक दल फारुक और मुफ्ती परिवार के मुखियाओं ने घाटी में अशांति बढ़ने की आशंका जताई थी लेकिन वहां तब से शांति की बहाली तो हुई ही अर्थव्यवस्था में भी गति आई। कितना विडंबनापूर्ण है कि जिस पाकिस्तान में लोकतंत्र फौज की कठपुतली बना रह कर भुखमरी के कगार पर खड़ा है, वह भारत से आतंकवाद के बहाने छायायुद्ध लड़ने से बाज नहीं आ रहा है। आशंका है कि चुनाव की घोषणा के बाद आतंकी घटनाओं की संख्या बढ़ती दिखे? लेकिन यही समय होगा जब कश्मीर की जनता न केवल पाकिस्तान को जवाब देगी, बल्कि कश्मीर में अलगाव और परिवारवाद का खेल खेलते रहे मुखौटाधारियों को भी सबक सिखाएगी। 25 जुलाई, 2024 की स्थिति में जम्मू-कश्मीर में कुल मतदाता 87.09 लाख हैं, जो तीन चरणों में होने वाले चुनाव में मतदान कर नई सरकार चुनेंगे। 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर को केंद्रशासित प्रदेश घोषित करने के साथ राज्य दो हिस्सों-जम्मू-कश्मीर और लद्दाख-में विभाजित कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर को विधानसभा का दर्जा दिया गया है, जबकि लद्दाख में कोई विधानसभा नहीं है। यहां दिल्ली एवं चंडीगढ़ की तरह राज्यपाल सत्ता शक्ति के प्रमुख केंद्र बनाए गए। जम्मू-कश्मीर के बंटवारे और विधानसभा सीटों के विभाजन संबंधी पुनर्गठन विधेयक-2019 के लागू होने के बाद इस राज्य की भूमि का ही नहीं, राजनीति का भी भूगोल बदल गया है। नये सिरे से किए गए परिसीमन के बाद यहां सात विधानसभा सीटों की बढ़ोतरी हुई है।

राज्य में अनुसूचित एवं अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों को सुरक्षित करने का भी अहम निर्णय लिया यानी सही मायनों में परिसीमन के नये परिणामों से भौगोलिक, सांप्रदायिक और जातिगत असमानताएं तो दूर हुई ही हैं, अनुसूचित जाति एवं जनजातियों के लिए सीटें भी आरक्षित कर दी गई हैं। अब जम्मू-कश्मीर में कुल 114 सीटें हैं, जिनमें से 90 सीटों पर चुनाव होंगे। इनमें 43 सीटें जम्मू और 47 सीटें कश्मीर में हैं। 24 सीटें गुलाम जम्मू-कश्मीर के लिए सुरक्षित हैं जिन पर चुनाव नहीं होना है। सोलह सीटें अनुसूचित जाति और जनजातियों के लिए आरक्षित की गई हैं। इनमें से सात अनुसूचित जाति एवं नौ अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित हैं। विधानसभा के पांच सदस्य उपराज्यपाल को मनोनीत करने का अधिकार भी दिया गया है। इनमें से दो कश्मीरी प्रवासी यानी कश्मीरी पंडित होंगे। एक गुलाम कश्मीर से विस्थापित व्यक्ति को मनोनीत किया जाएगा। दो सदस्य महिलाएं मनोनीत होंगी।

कश्मीर का प्रवासी उन्हें माना जाएगा, जिन्होंने 1 नवम्बर, 1989 के बाद घाटी से पलायन किया हो और उनका नाम राहत आयुक्त के रजिस्टर में दर्ज हो। जो व्यक्ति 1947-48, 1965 और 1971 के बाद वहां से पलायन कर भारत आए हैं, उन्हें विस्थापित माना जाएगा। आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर में पहली बार होगा कि वाल्मीकि, गोरखा समाज और पाकिस्तान से विस्थापित पहली बार मतदान करेंगे। अन्य राज्यों के ऐसे लोग भी मतदान कर सकेंगे, जिनके पास प्रदेश का अधिवास पत्र और मतदान का अधिकार है। गुज्जर-बक्करवाल और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाला जनजातीय समुदाय (अनुसूचित जनजाति) के लिए नौ सीटें आरक्षित हैं। अनुसूचित जाति के लिए भी सात विधानसभा सीटें सुरक्षित हैं। इन लोगों को बीते 78 साल से घाटी के मूल निवासी होने के बावजूद न तो चुनाव लड़ने का अधिकार था

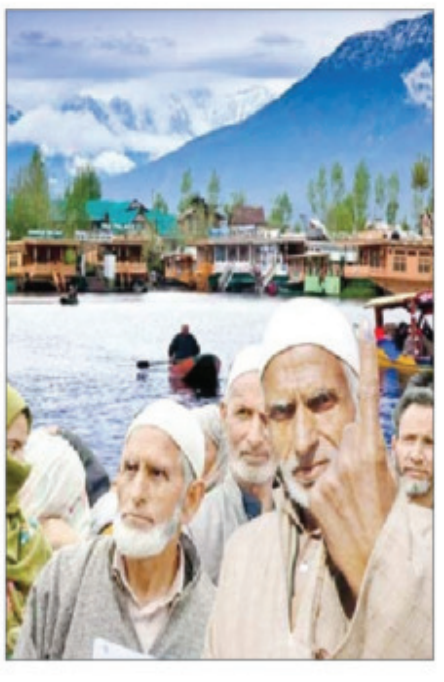

और न ही मतदान का, अब तक कश्मीर में एक भी सीट पर जातिगत आरक्षण की सुविधा नहीं थी, जबकि इस क्षेत्र में 11 प्रतिशत गुज्जर-बक्करवाल और गद्दी जनजाति समुदायों की बड़ी आबादी निवास करती है। अब ये समुदाय बढ़-चढ़कर चुनाव में भागीदारी कर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ते हुए परिवार और अलगाववाद के लिए चुनौती बनते दिखाई दे सकते हैं।

## एक नजर

### सुदूरवर्ती गांवों में भी इस तरह के शिविर लगाए जाएं : दीपक बिरुवा

**चक्रधरपुर :** चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल प्रांगण में गुरुवार को शंकर नेत्रालय व टाटा स्टील फाउंडेशन (टीएसएफ) के तत्वावधान में नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शाम तक 190 लोगों के आंखों की जांच की गई। इस शिविर के उद्घाटन समारोह में झारखंड के मंत्री दीपक बिरुवा, सिंहभूम की सांसद जोबा माझी, चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव, सिविल सर्जन डॉ. सुशांत कुमार माझी उपस्थित थे। मौके पर सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर का शुभारंभ किया। समारोह में मुख्य अतिथि मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि क्षेत्र में इस तरह का शिविर लगाया जाना सराहनीय है। इससे मोतियाबिंद पीड़ितों को लाभ मिलेगा। उन्होंने शंकर नेत्रालय की टीम व टाटा स्टील फाउंडेशन के सराहनीय योगदान के लिए धन्यवाद दिया। इसके लिए स्थानीय विधायक सुखराम उरांव को भी धन्यवाद दिया।

**ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र जांच शिविर लगवाने की है आवश्यकता**

उन्होंने कहा कि मनोहरपुर सुदूरवर्ती क्षेत्र में ही इस तरह का शिविर लगाया जाना चाहिए, ताकि सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को लाभ मिल सके। अगर इसे लेकर किसी प्रकार की मदद की आवश्यकता हो तो हम सभी मदद के लिए तैयार हैं। सांसद जोबा माझी ने कहा कि मानव जीवन के शरीर में नेत्र पूरे शरीर को संभालता है। नेत्र की देखरेख जरुरी है। सिंहभूम संसदीय क्षेत्र के सुदूरवर्ती क्षेत्र में कई ग्रामीण नेत्र रोग से पीड़ित हैं। इसे लेकर इन क्षेत्रों में नेत्र जांच लगाने की आवश्यकता है। मौके पर विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि टाटा स्टील फाउंडेशन के सहयोग से कई प्रकार की बीमारियों से बचाव के लिए लगाये जाने वाले शिविर सराहनीय है। इस शिविर में स्थानीय लोग आकर लाभ उठायें। सिविल सर्जन ने शिविर के संबंध में जानकारी दी। इस मौके पर अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.अंशुमन शर्मा, शंकर नेत्रालय झारखंड प्रमुख मनीष सिंह, सुमिता होता फाउंडेशन के प्रमुख सदानंद होता, सहयोगी संस्था मोबाईल आई सर्जिकल यूनिट की टीम के अलावे झारखंड आंदोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग के सदस्य भुवनेश्वर महतो, दिनेश जेना समेत अन्य सामाजिक संगठन से जुडे.लोग, अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मी व स्थानीय लोग मौजूद थे।

### महिलाओं से ज्यादती के खिलाफ सिख समाज ने किया प्रदर्शन

**जमशेदपुर :** कोलकाता में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद हत्या एवं महाराष्ट्र के एक स्कूल में बच्चियों के यौन शोषण के खिलाफ बृहस्पतिवार को जमशेदपुर का सिख समाज आंदोलित हो उठा। घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर समाज ने विरोध प्रदर्शन किया। इस संबंध में प्रधानमंत्री के नाम एक मांग पत्र उपायुक्त को सौंपा। सीजीपीसी के प्रधान भगवान सिंह ने कहा कि देश में इन दिनों बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। आए दिन कहीं न कहीं उनके साथ दरिंदगी की घटनाएं सामने आ रही है। बीते दिनों कोलकाता में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ दरिंदगी की गई। जिसको लेकर पूरे देश में आंदोलन हो रहा है। यह मामला अभी शांत भी नहीं हुआ कि महाराष्ट्र के एक स्कूल में छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म जैसी घटना सामने आयी। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं सभ्य समाज के लिए अभिशाप के समान है। उन्होंने दोनों घटनाओं में शामिल आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की। सीजीपीसी के चैयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह ने कहा कि महिलाओं पर ज्यादती की घटनाएं बढ़ रही है। ऐसे में कड़े कानून बनने चाहिए. प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने भी दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की।

# एक रुपये का टोकन मनी देकर किसान करा सकेंगे फसल बीमा

## उपायुक्त ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**जमशेदपुर :** जिले के किसान एक रुपये टोकन मनी जमा करके बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ ले सकते हैं। इसके लिए 31 अगस्त तक इच्छुक किसान अपना पंजीकरण कृषि अथवा सहकारिता विभाग में करा सकते हैं। किसानों को अगहनी धान के फसल की क्षतिपूर्ति राशि के रुप में प्रति हेक्टेयर 87087 रुपये तथा भदई मकई के लिए 72023 रुपये प्रति हेक्टेयर मिलेंगे। इस संबंध में जागरूकता के बढ़ाने के लिए बृहस्पतिवार को एक जागरूरकता रथ जिला समाहरणालय मुख्यालय से रवाना किया गया। उपायुक्त अन्नय मित्तल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मौके पर परियोजना निदेशक आईटीडीए दीपांकर चौधरी, जिला सहकारिता पदाधिकारी आशा टोप्पो मौजूद रहे। उपायुक्त ने कहा कि जागरूकता रथ दोनों अनुमंडल क्षेत्र के प्रखंड व पंचायत क्षेत्र का भ्रमण कर किसानों को योजना के लाभ व उद्देश्य के प्रति जागरूक करेगा। उन्होने बताया कि सरकार ने किसानों की आर्थिक सुदढ़ीकरण को लेकर खरीफ वर्ष 2024 के लिए बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लांच की गई है। योजना का लाभ लेने के लिए 31 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं। जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि किसानों को फसल बीमा के लिए अलग से कोई प्रीमियम नहीं देना होगा। फसल बीमा के लिए किसान को आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति, भूमि स्वामित्व संबंधित प्रपत्र, बंटाई प्रमाण पत्र , फसल बुआई प्रमाण पत्र , मोबाइल नंबर प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने बताया कि योजना की जानकारी के लिए किसान नजदीकी प्रखंड कार्यालय या हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क कर सकते हैं।

## बुजुर्ग महिला को प्रताड़ित करने के आरोप में 12 गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**दुमका :** जिले के सरैयाहाट थाना क्षेत्र के बंदरकोला गांव में डायन के अंधविश्वास में अधेड़ उम्र की महिला को रातभर बंधक बना कर प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। घटना को लेकर झपनी हेमब्रम (59 ) ने थाना में आवेदन देकर बताया है की उसके गाँव के शंकर मुर्मू व उसका छोटा बेटा हमेशा बीमार रहता है। बुधवार की रात शंकर मुर्मू उसे बुलाकर अपने घर ले गया, जहां पहले से दस बारह की संख्या में बाबा के भेष में लोग मौजूद थे। तथा उसे गर्म लोहे से दागते हुए कहने लगा की तुम डायन हो। इसी बीच कुछ लोग उसे तरह तरह के जड़ी बूटी सुंघाने लगा। इसके बाद बाबाओं के द्वारा लाये गये बकड़ा, कबूतर, बिल्ली, मोड़ पँख इत्यादि के साथ मंत्रो का जाप किया जाने लगा। उसे पुरे रात डायन कहकर प्रताड़ित किया जाने लगा। पुलिस ने इस मामलें में शंकर मुर्मू और झार फूँक करने वाले बाबाओं के विरुद्ध मामला दर्ज करते हुए 12 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार लोगों में शंकर मुर्मू सहित देवलाल टूडू, सूरजफूल हांसदा, दोनों ग्राम डंदुआकूड़ा, मुनि मुर्मू, लुरथू सोरेन, मुंकू हांसदा तीनों ग्राम तितलखी, बहामुनी हांसदा, ग्राम बारिसत, सूरजमुनी सोरेन ग्राम सलैया, तालो टूडू, दिलीप मरांडी दोनों ग्राम कोठीडिंडा, अजित हेमब्रम ग्राम सलैया और पुलिस टूडू ग्राम बेरिसाल सभी थाना जयपुर जिला बांका बिहार शामिल है।

## बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**साहिबगंज :** कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर बैठक हुई। उपायुक्त ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की शुरूआत की गयी है और एक रूपए टोकन मनी देकर किसान बीमा योजना में अपना निबंधन करा सकते हैं। जिले के वैसे पैक्स जहां कॉमन सर्विस सेंटर मौजूद हैं, वहां से किसान ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिले के सभी प्रज्ञा केंद्र के जरिए भी योजना के लिए आवेदन करने की सुविधा दी जा रही है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 31अगस्त 2024 निर्धारित है। उपायुक्त ने बताया कि खरीफ के लिए दो फसलों को इस बीमा योजना के दायरे में रखा गया है। अगहनी धान और भदई मक्के की खेती करने वाले किसान योजना का लाभ ले सकते हैं। उपायुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को किसानों को जागरूक करते हुए लक्ष्य के अनुरूप शत- प्रतिशत किसानों को बीमा योजना से अच्छादित करें। जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि जिले में 64 हजार किसानों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं मौके पर जिला सहकारिता पदाधिकारी महादेव मुर्मू , जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, अग्रिम बैंक सुधीर कुमार आदि मौजूद थे।

## कौड़ी खुटाना में सीएचओ ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**साहिबगंज :** जिला के मंडरो प्रखंड के उप स्वास्थ्य केंद्र कौड़ी खुटाना में सीएचओ रवि जाटव की अध्यक्षता में गुरुवार को आयुष्मान आरोग्य शिविर अभियान के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से एनसीडी, ओपीडी, आयुष्मान कार्ड, सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग, टीकाकरण, टीवी स्क्रीनिंग, मलेरिया एवं डेंगू से बचाव का उपाय के संबंध में विस्तृत जानकारी दिया गया। वही परिवार कल्याण दिवस भी मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी योग्य दंपतियों को परिवार नियोजन की स्थाई एवं अस्थाई विधियों से संबंधित जानकारी दी गई। दंपति को तीन साल का अंतराल में बच्चे लेने का सलाह दिया गया। जानकारी देते हुए बताया गया कि विवाह के दो साल बाद बच्चा कंसीव करना, बाल विवाह नहीं करना एवं परिवार नियोजन के कोई विधि का उपयोग जरुर करने की सलाह दी गई। इस मौके पर सीएचओ रवि कुमार जाटव, एएनएम सरिता सोरेन, बीटीटी कंचन मरांडी, सहिया टेरेसा सोरेन, खुशबू देवी, बोरोनीका सोरेन, चंदमुन्नी कर्मकार के साथ-साथ ग्रामीण उपस्थित थे।

## युवा आक्रोश रैली की सफलता के लिए भाजयुमो ने निकाला मशाल जुलूस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**जमशेदपुर :** युवा विरोधी और वादों से मुकरने वाली हेमंत सरकार के विरुद्ध गुरुवार की देर शाम जिला भाजयुमो सरायकेला खरसावां के तत्वावधान में मशाल जुलूस निकाली गई। जिलाध्यक्ष अनुराग जायसवाल ने बताया कि झारखंड प्रदेश के भारतीय जनता पार्टी के निदेर्शानुसार युवा मोर्चा एवं भाजपा के अन्य सभी मोर्चा के द्वारा 23 अगस्त को रांची में होने वाली युवा आक्रोश रैली की सफलता के लिए 22 अगस्त को मशाल जुलूस निकाली गई है। जो पान दुकान चौक से लेकर शेरे पंजाब चौक तक गई। इसमें प्रदेश एवं जिला संगठन तथा सभी मोर्चा के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। मशाल जुलूस के माध्यम से तमाम युवा साथियों एवं आवाम के युवाओं से निवेदन करता हूं कि 23 अगस्त की रैली में शामिल होकर युवा शक्ति के एकजुटता का परिचय दें और अपने हक की लड़ाई लड़ने में अपना योगदान करें। मशाल जुलूस में भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंहदेव, ब्रह्मानंद झा, संजीव रंजन, बिशु महतो, शंकर दास आदि शामिल थे।

# आरपीएफ ने तस्करों से चार नाबालिग बच्चों को कराया मुक्त, दो तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बरहरवा :** आरपीएफ एवं सीआईबी की टीम ने चार आदिम जनजाति पहाड़िया समुदाय के नाबालिक बच्चों को दो मानव तस्करों से मुक्त कराते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार कराने में सफलता हासिल की है,मामले को लेकर बरहरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया की गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ नाबालिक बच्चों को बरहरवा स्टेशन से मजदूरी कराने के लिए दो तस्करों द्वारा बाहर ले जाया जा रहा है,सूचना मिलते ही त्वरित कार्यवाही करते हुए आरपीएफ इंपेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में सा. उप. नि. विश्वनाथ टुडू, हेड कांस्टेबल नील कमल बरूई और कांस्टेबल अनिल कुमार साह, सभी आरपीएफ पोस्ट बरहरवा एवम सीआईबी इन्स्पेक्टर मृत्युंजय कुमार सिंह और उसकी टीम में सामिल उपनिरीक्षक पार्थ मिश्रा, हेड कंस्टेबल नुपुर वर्ण मीदीया और सहायक उपनिरीक्षक बुद्धेश्वर उरांव जीआरपी बरहरवा के साथ संयुक्त रूप से मिलकर बरहरवा स्टेशन पर छापामारी करने के दौरान प्लेटफार्म नंबर 01 पाकुड़ एंड पर कुछ नाबालिक लड़के घूमते दिखे, जिसे रोक कर पूछताछ किया गया तो उन्होंने अपना नाम और पता (1) रोहित पहाड़िया(उम्र 16 वर्ष) पिता मंगला पहाड़िया,ग्राम चिहर पहाड़ (2)सिमोन पहाड़िया (उम्र 14वर्ष), पिता बड़ा मेयसा पहाड़िया पता चिहर पहाड़ (3) अमित पहाड़िया, (उम्र 14वर्ष) पिता धर्मा पहाड़िया पता चिहर पहाड़ (4) बरुआ मरांडी, उम्र14वर्ष,पिता गुलाब मरांडी पता कमरडीहा बताया। पूछताछ में बच्चों ने बताया कि (1) बरनावास पहाड़िया,पिता धर्मा पहाड़िया पता चिहरपहाड़,थाना बरहेट एवं (2) बसु पहाड़िया,पिता जबरा पहाड़िया, पता चिहरपहाड़,थाना बरहेट के द्वारा मजदूरी करने हेतु फरक्का एक्सप्रेस से दिल्ली ले जा रहे थे। इससे यह पुष्टि होता है की उक्त सभी चारो नाबालिक बच्चो को बाल श्रम के लिए तस्करी कर दिल्ली ले जाया जा रहा था जो एक दण्डनीय अपराध है।आरपीएफ बरहरवा के द्वारा जीआरपी बरहरवा को एक रिटेन कंप्लेंट के साथ उक्त दोनों ट्रैफेकर (तस्करों)को भी अग्रेषित कार्यवाही हेतु सौंपा गया।आरपीएफ बरहरवा के द्वारा दिए गए शिकायत के आधार पर जीआरपी रेल थाना बरहरवा ने कांड संख्या 49/24,दिनांक 22.08.2024, यू/एस, 137(2), 143(5) बीएनएस और धारा 75/81 जेजे एक्ट के तहत उक्त 02 तस्करों के विरुद्ध केस दर्ज किया और चारो नाबालिक बच्चो को आरपीएफ बरहरवा के द्वारा बाल संरक्षण मंथन साहिबगंज को सुपुर्द किया गया है। वहीं दोनो तस्करों को अग्रेषित कार्यवाही हेतु जेल भेज दिया गया।

## संक्षिप्त खबरें

### डीटीओ ने चलाया वाहन जांच अभियान

**साहिबगंज :** जिला के बरहेट प्रखंड में जिला परिवहन पदाधिकारी विष्णु देव कच्छप ने गुरुवार को बरहेट थाना समीप वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान बरहेट बोरियों, बरहरवा बरहेट मुख्य सड़कों पर आवागमन करने वाले दो पहिया, तीन पहिया, वाहन चालकों की कागजात जांच की गई। इस दौरान बिना हेलमेट लेकर चलने वाले मोटरसाइकिल चालकों को जुमार्ना वसूला गया। साथ ही साथ सड़क सुरक्षा संबंधित चालकों को जागरुक भी किया गया। मौके पर थाना प्रभारी पवन कुमार,अनुज पाराशर, के अलावा अन्य मौजूद थे।

### जिला स्वास्थ्य टास्क फोर्स की हुई बैठक

**साहिबगंज :** समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की पहुंच लोगों तक सुनिश्चित कराने एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की सफल क्रियान्वयन हेतु ज़िला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने डीएमएफटी मद से तीन सर्जन की नियुक्ति हेतु सिविल सर्जन को निर्देशित किया एवं तीन सर्जन की नियुक्ति हेतु मुख्य सचिव को पत्र प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया। पीएसए प्लांट के सर्विस का प्रस्ताव समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया कि स्वास्थ्य से संबंधित उपकरणों को दुरुस्त रखने को कहा गया। वहीं बताया गया कि जिला में पल्स पोलियो अभियान 25 अगस्त से 27 अगस्त तक आयोजित होगा जिसमें उपायुक्त ने विशेष अभियान के रूप में आयोजित करने को कहा गया। साथ ही सभी स्वास्थ्य कर्मियों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। मौके पर सिविल सर्जन डॉ प्रवीण कुमार संथालिया, अनुमंडल पदाधिकारी अंगार नाथ स्वर्णकार, डब्ल्यूएचओ डॉ हसीब हक, डीपीएम हीना सिंह अरोड़ा, सभी चिकित्सा पदाधिकारी एवं स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

### एक पेड़ मां के नाम, बीडीओ ने किया पौधरोपण

**साहिबगंज :** जिला के बरहेट प्रखंड क्षेत्र के खेरवा पंचायत मुखिया विनीता टुडू के नेतृत्व में गुरुवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी अंशु कुमार पांडे, प्रमुख बर्नार्ड मरांडी, मुख्य रूप से शामिल हुए। वही वीडियो अंशु कुमार पांडे ने आम का पौधा रोपण कर वृक्षारोपण करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संकट में है, दिन प्रतिदिन पर्यावरण असंतुलित होते जा रहा है,जो आने वाले कल के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने लोगों से बचाव के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की। वहीं युवाओं को वर्तमान समय में पर्यावरण की रक्षा के लिए यथासंभव आगे आने की जरूरत है। इससे आने वाला हमारा कल पर्यावरण के संकट में ना हो और लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिले। वहीं मौके पर बीएफटी आदित्य भगत, पंचायत सचिव देव शंकर साह, के अलावा अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

### यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत वयस्क बीसीजी टीकाकरण शुरू

**जमशेदपुर :** राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत बृहस्पतिवार को जिला स्तरीय व्यस्क बीसीजी टीकाकरण अभियान की शुरूआत की गई। टीकाकरण अभियान को लेकर यक्ष्मा पदाधिकारी ने बताया कि वयस्क टीबी वैक्सीनेशन के आयु के हिसाब से श्रेणी तय की गई है। इसके तहत पांच वर्ष पूर्व में टीबी० रोग का उपचार करा चुके व्यक्ति, तीन वर्ष पहले तक के टीबी रोगी के सम्पर्क में रहने वाले व्यक्ति, धूम्रपान करने वाले व्यक्ति, कुपोषित व्यक्ति, 18 से कम आयु के व्यक्ति, मधुमेह से ग्रसित व्यक्ति एवं 60 वर्ष से अधिक आयु वाले सभी व्यक्ति शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, स्वास्थ्य उप केन्द्र व अन्य सभी स्वास्थ्य केन्द्र में बीसीजी टीका नि:शुल्क लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान में प्रत्येक नागरिक की परस्पर सहभागिता जरूरी है। उन्होंने सभी व्यस्क नागरिकों से अपील की कि टीकाकरण अवश्य करायें। उपायुक्त ने बताया कि टीबी से बचाव के लिए बीसीजी वैक्सिन सुरक्षित है जिसे विश्व के अनेक देशों में लोगों को दिया जाता है और परिणाम भी बहुत ही सकारात्मक रहे हैं। हमारे देश में नवजात शिशु को जन्म के बाद यह वैक्सिन दिया जाता है, लेकिन इस वैक्सिन के अच्छे परिणाम को देखते हुए अब टीबी से बचाव के लिए व्यस्कों को भी दिया जाना है। 25 से 27 अगस्त तक पिलाई जाएगी पोलियो दवा सिविल सर्जन ने बताया कि जिले में 25 अगस्त पल्स पोलियो अभियान शुरू किया जा रहा है। पहले दिन बूथ डे पर शून्य से पांच वर्ष तक के 90 प्रतिशत बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य है। जबकि 26 और 27 अगस्त को छुटे हुए बच्चों को घर-घर जाकर पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। वहीं 28 अगस्त से 13 सितंबर तक चलाये जाने वाले कुष्ठ रोगी खोज अभियान के सफल संचालन का भी निर्देश दिया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, जिला आरसीएच पदाधिकारी एवं जिला वीभीडी पदाधिकारी समेत स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

# मुनाफे में आने रूपरेखा तैयार, अभी इलेक्ट्रिक कार बनाने की योजना नहीं: ओला

**नई दिल्ली ।**

ओला इलेक्ट्रिक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी ने अधिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला के ऊर्ध्वाधर एकीकरण और घरेलू स्तर पर उत्पादित सेल के आधार पर मुनाफा कमाने के लिए रूपरेखा बनाई है। कंपनी के अे धिकारी ने कहा कि हालांकि इलेक्ट्रिक कार बनाने की योजना फिलहाल टाल दी गई है। उन्होंने हाल ही में मी डिया से कहा कि कंपनी ऐसे उत्पाद बनाएगी जिनकी भारतीयों को जरूरत है, जिनमें से अधिकतर दोपहिया तथा तिपहिया वाहन हैं। कंपनी ने पिछले सप्ताह इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल खंड में प्रवेश किया था। उन्होंने कहा, हमने दिखाया है कि तेज वृद्धि के साथ निवेश करके भी, आप मुनाफे में सुधार कर सकते हैं। कर पूर्व आय से लेकर कर पश्चात आय तक के लिए लाभप्रदता की रूपरेखा तैयार की गई है। हमारे पास दो या तीन रणनीतियां हैं, जिन पर हम लगातार काम कर रहे हैं, जो आने वाली तिमाहियों में मुनाफे में सुधार लाएंगी। उन्होंने ओला इलेक्ट्रिक की लाभप्रदता पर पूछे गए एक सवाल के दौरान कहा कि कंपनी के शेयर की कीमत 76 रुपये के सूचीबद्ध मूल्य से दोगुना होना चिंता का विषय बना हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सेल लाभप्रदता की रूपरेखा का केन्द्र बिन्दु है, चूंकि हमारे सेल उत्पादन का इस्तेमाल हमारे अपने उत्पादों में होने लगेगा, इसलिए अगले वर्ष के प्रारम्भ तक हमारे मुनाफे में भी काफी वृद्धि होगी। ओला इलेक्ट्रिक ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही से अपने वाहनों में भारत 4680 सेल को एकीकृत करने की योजना की पहले ही घोषणा की है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि कंपनी ने लाभ में आने के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है।

## पंजाब के मुख्यमंत्री भारतीय कंपनियों के प्रमुख अधिकारियों से मिले

**मुंबई ।**

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने महाराष्ट्र के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान कई भारतीय कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की और अपने पंजाब के लिए कई प्रमुख निवेश प्रस्तावों पर मुहर लगाई। सन फार्मास्यूटिकल्स, आरपीजी ग्रुप, सिफी टेक्नोलॉजीज और जेएसडब्ल्यू ग्रुप जैसे प्रमुख कॉरपोरेट उन कंपनियों में से थे, जिन्होंने पंजाब में निवेश करने या वहां अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की। मान से मुलाकात करने वाले शीर्ष उद्यमियों में सन फार्मास्यूटिकल्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एक्टिव फार्मास्यूटिकल्स इंग्रीडिएंट्स बिजनेस के सीईओ दामोदरन सतगोपन, आरपीजी ग्रुप के उपाध्यक्ष अनंत गोयनका, सिफी टेक्नोलॉजीज के अध्यक्ष दलीप कौल और जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड के बिजनेस प्रमुख अमरजीत सिंह दहिया और शामिल थे। उद्योगों के लिए रेड कारपेट बिछाने की पेशकश करते हुए मुख्यमंत्री ने पंजाब को अवसरों से भरपूर बताया और कंपनियों को वहां निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि राज्य तेजी से देश में एक औद्योगिक केंद्र के रूप में उभर रहा है और अपने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नए विचारों और नवाचारों को अपनाने के लिए तत्पर है। मान ने कहा कि पंजाब में पूर्ण सामाजिक सद्भाव, शांति और सौहार्द है, जो मुख्य रूप से राज्य में समग्र विकास और समृद्धि के लिए जिम्मेदार है। राज्य हर क्षेत्र को निर्बाध बिजली प्रदान करने के अलावा उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा, कुशल मानव संसाधन और सर्वोत्तम औद्योगिक और कार्य संस्कृतियां प्रदान करता है जो उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में अपने व्यवसाय का विस्तार करने में सक्षम बनाएंगी।

## चीन की मदद से सस्ते दाम में फैशन प्रोडक्ट्स बेचेंगे अंबानी

### टाटा को टक्कर देने ली चाइनीज कंपनी से मदद

नई दिल्ली । देश के जाने-माने उदयोगपति मुकेश अंबानी अब अपने ग्राहकों को सस्ते दाम में फैशन प्रोडक्ट्स बेचने की लड़ाई में हैं। लेकिन इस मुकाबले में मुकेश अंबानी एक बहुत पुराने समूह से मात खा रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि उन्होंने चीन की कंपनी से मदद ली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, टाटा समूह की रिटेल यूनिट ट्रेंट लिमिटेड की वैल्यूएशन 165 अरब डॉलर की है। इसकी बिक्री महामारी से पहले के स्तरों के मुकाबले डॉलर के हिसाब से तीन गुना हो गई है। ट्रेंट का शुद्ध लाभ 12 गुना बढ़ा है। जूडियो कंपनी का इन-हाउस फास्ट-फैशन ब्रांड है जो युवा ग्राहकों के बीच ट्रेंड में चल रहे कपड़े सस्ती कीमतों के साथ बेचने के लिए फेमस हो गया है। चार साल पहले, दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में जूडियो के 80 स्टोर थे। पिछले तिमाही में, यह संख्या 164 शहरों में लगभग 560 तक पहुंच गई। उन जगहों पर जहां किराया वाजिब है, तेजी से इन्वेंट्री टर्नओवर देखने को मिला। इसका मतलब है कि कम मार्जिन पर भी ज्यादा मुनाफा देखने को मिला। यह सब अंबानी के लिए एक समस्या बन गई है। पेट्रोकेमिकल्स के बादशाह, टेलीकॉम के दिग्गज और मीडिया के अग्रणी होने के अलावा, 67 वर्षीय अंबानी भारत के सबसे बड़े व्यापारी भी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पिछले वर्ष अपनी रिटेल यूनिट में 2 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। इतना ही नहीं, रिलायंस रिटेल ने महामारी के दौरान मध्य पूर्व और सिंगापुर के सॉवरेन वेल्थ फंड्स से, जनरल अटलांटिक और सिल्वर लेक पार्टनर्स के साथ, 6 बिलियन डॉलर से अधिक जुटाए। पिछले साल, इसने कतर इंवेस्टमेंट अथॉरिटी, अबू धाबी इंवेस्टमेंट अथॉरिटी और केकेआर एंड कंपनी से 100 बिलियन डॉलर की वैल्यूएशन पर और भी धन जुटाए। अब अंबानी का पहला काम है इस इकाई को एक धमाकेदार आईपीओ या स्पिनऑफ की ओर ले जाना। इसके लिए उन्हें फास्ट-फैशन का ताज जरूर ही चाहिए। बता दें कि एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी ने इस साल अपने बेटे की शादी के लिए 60 करोड़ डॉलर का भव्य समारोह आयोजित देश-विदेश में खूब सुर्खियां बटोरी थी।

## पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

**नई दिल्ली ।**

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 77 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। वै श्विक बाजार में गुरुवार को शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.26 डॉलर की उछाल के साथ 76.11 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहींवेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.33 डॉलर लुढ़ककर 74.04 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

## पेटीएम ने निदेशकों के वेतन में की कटौती

### - मानदेय की अधिकतम सीमा 48 लाख रुपये की गई

**नई दिल्ली ।**

पेटीएम के निदेशक मंडल ने 12 सितंबर को होने वाली अपनी वार्षिक आम बैठक से पहले वेतन में संशोधन करने का निर्णय लिया है। कंपनी के एक बयान में कहा गया है कि नया प्रस्तावित पारिश्रमिक ढांचा शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन होगा। इससे पहले, पेटीएम के बोर्ड के गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशकों, जिनमें अशित रंजीत लीलानी भी शामिल हैं, का वार्षिक वेतन 1.65 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया, जबकि गोपालसमुद्रम श्रीनिवासराघवन सुंदरराजन का वेतन 2.07 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया। संशोधित पारिश्रमिक ढांचे के साथ, प्रत्येक गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक का मानदेय 48 लाख रुपये तक सीमित होगा, जिसमें 20 लाख रुपये का एक निश्चित हिस्सा होगा। अच्छे प्रशासन को सुनिश्चित करने के लिए परिवर्तनीय हिस्से को बैठकों में उपस्थिति और बोर्ड की विभिन्न समितियों में आयोजित अध्यक्ष, सदस्यता पदों से जोड़ा जाएगा। संशोधित पारिश्रमिक संरचना 1 अप्रैल 2024 से प्रभावी होगी। कंपनी की एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार नई पारिश्रमिक संरचना कंपनी द्वारा किए गए बेंचमार्किंग पर आधारित है, जिसमें सुशासन प्रथाओं और समान क्षेत्रों या समान बाजार पूंजीकरण वाले व्यवसाय के प्रकारों में कंपनियों को ध्यान में रखा गया है। यह निर्णय बोर्ड के सदस्यों की इस प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है कि कंपनी वित्तीय रूप से भविष्य के लिए तैयार रहे बनी ताकि यह लाभ में रहने के अपने इच्छित रास्ते पर बढ़ती रहे।

## डॉबर इंडिया अपना विर्निर्माण संयंत्र तमिलनाडु में स्थापित करेगी: मंत्री

**चेन्नई ।**

तमिलनाडु सरकार ने दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुएं बनाने वाली कंपनी डाबर इंडिया के राज्य के विल्लुपुरम जिले में 400 करोड़ रुपये खर्च कर विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की गुरुवार को घोषणा की। राज्य के उद्योग मंत्री टी.आर.बी. राजा ने कहा कि इसके लिए गुरुवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। राजा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, डाबर इंडिया तमिलनाडु में आपका स्वागत है। बल्कि दक्षिण भारत में आपका स्वागत है। राज्य के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की उपस्थिति में विल्लुपुरम जिले के तिंडिवनम में एसआईपीसीओटी फूड पार्क में डाबर के साथ दक्षिण भारत में उसका पहला विश्व स्तरीय विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि कंपनी इस सुविधा में 400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिससे 250 से अधिक नौकरियों का सृजन होगा। राजा ने कहा कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे आसपास के डेल्टा क्षेत्र के किसानों के लिए कृषि उत्पाद बेचने के नए अवसर खुलेंगे।

## कॉरपोरेट सेक्टर में घटते जा रहे हैं रोजगार, 4.2 फ़ीसदी की गिरावट

**नई दिल्ली ।** भारत के कारपोरेट सेक्टर में रोजगार के अवसर लगातार कम होते चले जा रहे हैं। पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2023-24 में रोजगार 4.2 फ़ीसदी घटकर मात्र 1.5 फ़ीसदी पर आ गया है। 2022-23 में रोजगार की दर 5.7 फ़ीसदी थी,जो अब घटकर 1.5 फ़ीसदी रह गई है। बैंक ऑफ़ बड़ौदा की ओर से बुधवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। वर्ष 2022-23 में 3.33 लाख लोगों को रोजगार मिला था। पिछले वर्ष में यह संख्या घटकर 90840 रह गई है। रिपोर्ट में 1196 बड़े और मध्यम आकार की कंपनियों के रोजगार डाटा का विश्लेषण करने के बाद यह जानकारी सामने आई है। भारतीय उद्योग जगत में रोजगार वृद्धि का परिदृश्य बड़ी तेजी के साथ नकारात्मक होता जा रहा है। 2022-23 में पहली बार हायर ग्रोथ देखने को मिली थी। 2023-24 में यह नकारात्मक रूप से देखने को मिल रही है। बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने जो रिपोर्ट जारी की है। उसमें 603 कंपनियों के सर्वे के आधार पर जारी की गई है। रिपोर्ट के अनुसार रिटेल, सेल्स, ट्रेडिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल्टी सेक्टर में रोजगार मिला है। वही हॉस्पिटैलिटी, लॉजिस्टिक्स, बिजनेस सर्विस और टेक्सटाइल में नौकरियां घटी हैं। जो रोजगार के लिए चिंता का विषय है।

## नेविल टाटा ने स्टार बाजार प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला

### ईशा अंबानी को टक्कर देंगे नेविल! रिटेल मार्केट में मचाएंगे धमाल

**नई दिल्ली ।** देश के प्रमुख औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप में नई पीढ़ी ने नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालनी शुरू कर दी है। 32 वर्षीय नेविल टाटा ने स्टार बाजार के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया है, जो टाटा ग्रुप की रिटेल कंपनी ट्रेंट लिमिटेड की हाइपरमार्केट यूनिट है। नेविल ट्रेंट लिमिटेड के चेयरमैन नोएल टाटा के बेटे हैं। नोएल ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एमेरिटस रतन टाटा के सौतेले भाई हैं। नेविल ग्रुप की ग्रोसरी रिटेल सब्सिडियरी ट्रेंट हाइपरमार्केट के बोर्ड में नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक एग्जीक्यूटिव रोल मिलने के बाद उन्होंने इस पद से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने बताया कि नेविल कुछ साल पहले टाटा ग्रुप के हाइपरमार्केट बिजनेस से जुड़े थे लेकिन फिर पढ़ाई के लिए विदेश चले गए। ट्रेंट लिमिटेड अपने हाइपरमार्केट बिजनेस को अगले ग्रोथ ड्राइवर के रूप में देख रही है। पी वेंकटेसलू ट्रेंट लिमिटेड के सीईओ हैं। ट्रेंट में वेस्टसाइड, जूडियो और जारा भी हैं। बेयस बिजनेस स्कूल के छात्र रहे नेविल 2016 में ही ट्रेंट लिमिटेड का हिस्सा बन गए थे। उन्होंने कंपनी के पैकेज्ड फूड और बेवरेजेज का नेतृत्व किया। उसके बाद उन्होंने जुडियो को मैनेज किया। आज यह देश के सबसे बड़े एपेरल ब्रांड्स में से एक है।

## शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

### सेंसेक्स 148 , निफ्टी 41 अंक उछला

**मुम्बई ।**

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान बैंकिंग और उपभोक्ता क्षेत्र की एफएमसीजी कंनपियों के शेयरों में उछाल आया। व्यापक बाजारों में, मिड और स्मॉल-कैप इंडेक्स बढ़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 147.89 अंक करीब 0.18 फीसदी बढ़कर 81,053.19 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 41.30 अंक तकरीबन 0.17 फीसदी बढ़कर 24,811.50 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। भारती एयरटेल, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन और एशियन पेंट्स सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, अल्ट्राटेक सीमेंट, जेएसडब्लयू स्टील, मारुति, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, इंफोसिस, कोटक बैंक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, बजाज फाइनैंस और एचयूएल के शेयर भी उछले।

दूसरी ओर सेंसेक्स के 13 शेयर ही गिरावट पर बंद हुए। टाटा मोटर्स, एमएंडएम, एनटीपसीसी, टीसीएस और पावर ग्रिड सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, सन फार्मा, अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, नेस्ले इंडिया, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, रिलायंस और एचसीएल टेक के शेयर भी गिरे। वहीं बाजार जानकारों के अनुसार वैश्विक धारणाओं के कारण घरेलू बाजार में हल्की बढ़त दर्ज की गई। वहीं एशियाई बाजारों में, टोक्यो, सियोल और हांगकांग बढ़त के साथ बंद हुए जबकि शंघाई में गिरावट रही। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार महत्वपूर्ण लाभ के साथ कारोबार कर रहे थे। गत दिवस अमेरिकी शेयर बाजारों में बढ़त रही।

**गत दिवस बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ।**

इससे पहले आज सुबह बाजार की सकारात्मक शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 हरे निशान में खुले। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ताजा बैठक की मिनट्स में ब्याज दर में कटौती की संभावना के संकेतों से बाजार में उत्साह देखा गया। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 191.35 अंकों की छलांग लगाकर 81,096.65 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 ने 62.25 अंक चढ़कर 24,832.45 का स्तर छू लिया। बाजार में यह तेजी अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ओर से साल के भीतर एक बार ब्याज दर में कटौती की उम्मीदों के चलते आई है।

## इंडिगो इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित जुर्माने को देगी चुनौती

**नई दिल्ली ।** एयरलाइन कंपनी इंडिगो इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) से संबंधित, उस पर कुल 3,50,299 रुपये का जुर्माना लगाने वाले दो आदेशों को चुनौती देगी। कंपनी पर ओडिशा में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के मामले में 1,77,046 रुपये का जुर्माना लगाया गया था। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि अपीलीय प्राधिकारी ने कंपनी द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया है और वित्त वर्ष 2017-18 के लिए इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने के कारण मांग को बरकरार रखा है। कंपनी ने कहा कि वह अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष आदेश को चुनौती देने की प्रक्रिया में है। एक अन्य मामले में केरल में कंपनी को 1,73,253 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसमें कहा गया है कि कर अधिकारी ने इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित उसके दावे को खारिज कर दिया है। इस मामले में कंपनी ने कहा कि वह उचित अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष आदेश को चुनौती देने की प्रक्रिया में है।

## सेबी ने आईआईएफएल पर ठोका 11 लाख का जुर्माना

**नई दिल्ली ।** भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शेयर ब्रोकर नियम और अन्य रेग्युलेटरी मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए ब्रोकरेज कंपनी आईआईएफएल पर 11 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड (आईआईएफएल) ब्रोकरेज कंपनी होने के लिए जरूरी नियमों को पूरा करती है या नहीं यह देखने के लिए सेबी ने कंपनी का निरीक्षण किया था। यह निरीक्षण अप्रैल से जुलाई, 2022 तक की अवधि के लिए किया गया था। इसके बाद नियामक ने 15 अप्रैल, 2024 को आईआईएफएल सिक्योरिटीज को कारण बताओ नोटिस जारी किया। सेबी ने 35 पन्नों के अपने आदेश में कहा कि नोटिस प्राप्तकर्ता ने क्लाइंट के फंड्स और सिक्योरिटीज के मासिक और तिमाही निपटान के संबंध में कारण बताओ नोटिस में लगाए गए आरोपों को स्वीकार किया है, जिनमें कहा गया है कि इसमें कुछ तकनीकी कमी थी। सेबी की एक अधिकारी ने आदेश में कहा कि मुझे लगता है कि सर्कुलर में ब्रोकरों को खातों का निपटान करने और समय पर विवरण जारी करने का विशेष निर्देश दिया गया है। हालांकि, नोटिस प्राप्तकर्ता ऐसा करने में विफल रहा।

## कोल इंडिया महत्वपूर्ण खनिजों के अधिग्रहण के लिए प्रयासरत: अधिकारी

**नई दिल्ली ।**

सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) घरेलू बाजार और विदेशों में लिथियम समेत महत्वपूर्ण खनिजों के अधिग्रहण के लिए प्रयास कर रही है। यह बात हाल ही में कोल इं डिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कही। कंपनी ने कहा है कि वह ऐसे ब्लॉक की नीलामी में भाग लेना जारी रखेगी। लीथियम समेत महत्वपूर्ण खनिज, पवन टर्बाइन से लेकर इलेक्ट्रिक कारों तक स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इलेक्ट्रिक कारों के लिए बैटरी के उत्पादन के लिए इनकी खास तौर पर मांग है। कोल इंडिया के एक अे धिकारी ने कंपनी की 50वीं वार्षिक आम बैठक के दौरान कहा कि लीथियम, कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से कंपनी भारत और विदेशों में इन खनिज परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सीआईएल खान मंत्रालय द्वारा पेश किए गए महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी में भाग लेना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि सीआईएल ने घरेलू महत्वपूर्ण खनिज परिसंपत्ति में सफलतापूर्वक अपना खाता खोला है और मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले में खट्टाली छोटी ग्रेफाइट ब्लॉक के लिए पसंदीदा बोलीदाता के रूप में उभरी है। यह कंपनी का पहला गैर-कोयला खनिज खनन उद्यम होगा। यह उपलब्धि खान मंत्रालय द्वारा नौ जुलाई को आयोजित द्वितीय चरण की नीलामी के तहत हासिल की गई। उन्होंने कहा कि सीआईएल का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में कोयले की कोई कमी न हो और इसे शुष्क ईंधन के मामले में आत्मनिर्भर बनाया जाए। देश के कुल कोयला उत्पादन में कोल इंडिया का हिस्सा 80 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि कंपनी देश के नागरिकों को उचित मूल्य पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए गुणवत्ता वाले कोयले का उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

## बीसी जिंदल समूह अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में करेगा प्रवेश

**नई दिल्ली ।**

बीसी जिंदल समूह ने भारत के अक्षय ऊर्जा (आरई) क्षेत्र में प्रवेश करने की गुरुवार को घोषणा की। उसने कहा कि इसमें अगले पांच साल में 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश किया जाएगा। कंपनी के बयान के अनुसार ओडिशा के अंगुल में 1,200 मेगावाट ताप विद्युत उत्पादन के मौजूदा खंड के साथ बीसी जिंदल समूह ने उसके अक्षय उद्यम के लिए एक समर्पित इकाई की स्थापना की है। बयान में कहा गया, समूह अगले पांच वर्षों में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में करीब 2.5 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहा है। भारत का अग्रणी समूह बीसी जिंदल समूह अक्षय ऊर्जा उत्पादन और सौर सेल व मॉड्यूल विनिर्माण व्यवसायों की देखरेख करेगा। इसमें कहा गया, जिंदल इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी (जेआईआरई) का लक्ष्य सौर, पवन, हाइब्रिड और एफडीआरई मोड से पांच गीगावाट बिजली उत्पन्न करना है। जेआईआरई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भारत की वर्तमान ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने के लिए ब्राउन एनर्जी अब भी प्रमुख हैं। हमारा लक्ष्य अपनी मौजूदा बिजली कंपनी की ताकत का लाभ उठाकर अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में एक प्रमुख इकाई के तौर पर काम करना है। जेआईआरई, बीसी जिंदल समूह के अंतर्गत काम करती है। इसकी स्थापना 1952 में बीसी जिंदल ने की थी।

# गर्दन तक पानी में लोग ढूंढ रहे घर का सामान बांध टूटा 10 हजार लोग प्रभावित

## --------बोले-चूड़ा खाकर रह रहे, राहत कैंप में होती मुर्गा पार्टी--------

**भागलपुर।** के नवगछिया में 10 किलोमीटर लंबे बांध का 200 फीट हिस्सा गंगा नदी की तेज बहाव में बह गया। इससे 6 गांवों के करीब 2 हजार परिवार और 10 हजार लोग प्रभावित हैं। स्थिति यह है कि 10 हजार लोग भूखे-प्यासे पानी के बीच दिन-रात गुजारने को मजबूर हैं। मंगलवार को 200 फीट का हिस्सा बहने के बाद बुधवार को जिला प्रशासन की टीम पहुंची। बांध को रिपेयर करने का काम शुरू है। भास्कर की टीम ग्राउंड पर पहुंची तो हमें नीतू देवी मिलीं। वो कहती हैं कि 'सोमवार को भाई को राखी बांधने सियामापुर गांव गई थी। मंगलवार को सूचना मिली कि बांध टूट गया है। घर में पानी घुस गया है। भागी-भागी लौटी तो फूस का घर बह गया था। 2 दिन से चूड़ा-दालमोट, चूड़ा-चीनी खाकर गुजारा कर रहे हैं। हमारे 2 बच्चे हैं। हमारे पास अब खाने के लिए कुछ नहीं है। नेता लोगों को जब जरूरत होती है, तब वोट मांगने आते हैं। अभी कोई नहीं आएगा। हम लोगों को सरकार की ओर से खाने के लिए कुछ मिलना चाहिए।' दीप नारायण यादव कहते हैं कि 'आधे घंटे में सब कुछ खत्म हो गया। पानी बढ़ने पर बांध में धीरे-धीरे कटना शुरू हुआ और फिर 200 फीट टूट गया। बांध टूटने की वजह से हमारे घर में 4 फीट पानी है। उन्होंने विभागीय लापरवाही बताते हुए कहा कि विभाग सचेत रहती तो बांध नहीं टूटता। गंगा की महिमा है। जब चाहेगी, जहां चाहेगी, वहां काट देगी। हमारे 3 बेटे हैं। पहले सब साथ में रहते थे। बाढ़ की वजह से सब लोग इधर-उधर रह रहे हैं। स्थिति यह है कि ना खाने का कोई सामान है और ना बनाने का कोई उपाय।' आगे बढ़ने से पहले बता दें कि 2008 में विस्थापित हुए वो लोग हैं, जिन्हें सरकार ने बांध के आसपास की जमीन का पर्चा दिया था। इनकी संख्या कुल विस्थापितों की 20% है। हालांकि यह लोग सरकार की दी गई जमीन पर इसलिए नहीं बसे, क्योंकि वो घर बनाने लायक नहीं थी। सभी ने बांध पर ही फूस के घर बनाकर रहना शुरू कर दिया। अब एक बार फिर इनके घर बांध के कटाव की वजह से बह गए हैं। 2008 में इस बांध को बनवाने में सरकार ने 44 करोड़ रुपए खर्च किए थे। पिछले साल ही 2 करोड़ रुपए से कटावरोधी कार्य हुआ था। इस साल भी 15 करोड़ के फंड से काम चल ही रहा था कि बांध टूट गया। प्रशासन की ओर से राहत कैंप भी लगाया गया है। लेकिन राहत कैंप में अधिकारियों का उठना-बैठना है। जल संसाधन विभाग के कर्मियों के लिए यहां खाना बन रहा है। बांध पर ही रह रही सरोजिनी देवी कहती हैं कि 'सरकार को हमें जो सुविधाएं देनी चाहिए, कुछ नहीं मिल रहा। हमारे बच्चे 3 दिन से भूखे हैं। इस बार जो लोग वोट मांगने आएंगे तो उन्हें झाड़ू से मारेंगे। आगे बताती हैं कि यहां पर जिला प्रशासन ने राहत कैंप खोला है। लेकिन उसमें पुलिस और टीम के लोग मुर्गा पार्टी करते हैं।' अब उनकी बात जो गर्दन भर पानी में खोज रहे घर के सामान इसी बांध के पास बादल कुमार मिले।

## संक्षिप्त डायरी

### 30 लाख की ज्वेलरी के लिए मर्डर, नकली सोना छोड़ा

**पटना।** सिविल कोर्ट में वकील रामायण प्रसाद के बेटे रवि कुमार की हत्या दो किराएदारों ने 30 लाख के गहने लूटने के लिए की थी। लूट के बाद उसके ही घर में गला दबाकर हत्या की थी। हत्या करने के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए रवि के गले पर थिनर और शरीर पर पेंट डाल दिया, ताकि शक पेंटर पर हो। गला दबाने का निशान भी मिट जाए। बुद्धा कॉलोनी थाना इलाके में दुजरा स्थित गेट नंबर 16 के सामने रवि के मकान में पेंट का काम चल रहा था। इसी मकान में रवि की हत्या हुई थी। पुलिस ने इस मामले में रवि के घर के पीछे वाले मकान में किराएदार शिवम सर्राफ उर्फ गोलू और वश राज को सीतामढ़ी से गिरफ्तार कर लिया, जबकि गोलू के पिता बलराम को उसके ससुराल आरा से धर दबोचा। आरोपियों ने चोरी की कुछ ज्वेलरी को गला कर बेचा था। उससे आईफोन खरीदा। आरोपियों ने पेंट से कैमरा खराब हो जाएगा, इसका बहाना कर सीसीटीवी के तार हटवा दिए थे। बलराम को हत्या और लूट की जानकारी थी। बलराम ने ही कुछ सोने को गलाया और बाकरगंज में बेच दिया था। बाकी सोना साथ लेकर आरा चला गया। तीनों के पास से पुलिस ने 17 भर गला हुआ सोना, 124 ग्राम चांदी और 6 मोबाइल बरामद किया है। इनमें 1.50 लाख का एक आईफोन है। इसे लूटे गए गहने की रकम से यश ने खरीदा था। गोलू और यश को पहचानता था डॉगी, इसलिए नहीं भौंका घटना के बाद गहने की बिक्री से 2 लाख 70 हजार रुपए गोलू ने लिए, जबकि 83 हजार यश को शेयर मिला। गोलू सुनार है, जबकि यश किराए पर गाड़ी चलवाता है। रवि के फ्लैट में गोलू और यश आते थे, इसलिए घटना की रात डॉगी नहीं भौंका था। सिटी एसपी सेंट्रल चंद्रप्रकाश ने बताया कि 'ये पुलिस के लिए ब्लाइंड केस था। जांच और साक्ष्य जुटाने के बाद पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों को स्पीडी ट्रायल कराकर सजा दिलाई जाएगी।

### आरा में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत 100 की स्पीड से रेलिंग से टकराई कार

**आरा।** में गुरुवार (22 अगस्त) की सुबह सड़क हादसे में एक ही परिवार को 5 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में पति, पत्नी, बेटा, बहू और पोते की मौत हुई है। हादसे के बाद 3 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। 2 लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। 25 साल की बहू और 4 साल की पोती की हालत गंभीर है। आरा सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। एयरबैग खुलने के बाद भी ड्राइव कर रहे विपुल और फ्रंट सीट पर बैठे भूप नारायण की मौत हो गई। गजराज गंज ओपी थाना क्षेत्र के बीबीगंज गांव के पास आरा-बक्सर फोर लेन पर चढ़ने समय कार (टीयूवी 300) पुल की रेलिंग से टकरा गई। बताया जा रहा है कि गाड़ी की रफ्तार 100 से ज्यादा थी। पूरा परिवार विंध्याचल से पूजा कर के लौट रहा था। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। गजराजगंज ओपी इंचार्ज हरी प्रसाद शर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने सभी को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया। इसके बाद परिवार को सूचना दी गई। भूप नारायण पाठक पिछले 15 सालों से पूरे परिवार के साथ पटना के उदर मोड़ के पास अर्पणा कॉलोनी में रहते थे। पिता और बेटा दोनों पूजा कराते थे। छपरा के रहने वाले संजीव ओझा हादसे के वक्त मौजूद थे। उन्होंने बताया कि 'बिहिया की ओर से वो लोग आरा आ रहे थे। अचानक गाड़ी की स्पीड अधिक होने से बेकाबू होकर पुल के डिवाइडर से टकरा गई। हमने तुरंत अपनी बाइक रोकी और रास्ते से जा रहे ग्रामीणों की मदद से पहले सभी को एक-एक कर निकला। जो जिंदा थे, उन्हें पहले सदर अस्पताल भेजा। दो लोगों की हल्की सांसें चल रही थीं। अस्पताल ले जाने के दौरान उनकी भी मौत हो गई। गाड़ी के अंदर एयर बैग खुलने के बाद भी आगे बैठे पिता-बेटा की जान चली गई। ग्रामीणों ने बताया कि गाड़ी की स्पीड लगभग 110 से ज्यादा थी। जैसे ही गाड़ी पुल पर चढ़ी, तभी हल्का जंप किया और डिवाइडर से टकरा गई।

### नदी में डूबने से किशोर की मौत:नालंदा में दूसरे दिन 10 किमी दूर मिला शव

**नालंदा।** में मंगलवार से लापता एक किशोर का शव बुधवार को बरामद किया गया है। मृतक की पहचान मानपुर थाना क्षेत्र के पलनी गांव निवासी बबलू कुमार के बेटे गौतम कुमार (12) के रूप में हुई है। नदी में डूबने से इसकी मौत हुई है। शव दूसरे दिन 10डट दूर मिला है। पैर फिसलने से हादसा हुआ था। मामला अस्थावां थाना क्षेत्र अंतर्गत जीयर गांव के समीप सकरी नदी का है। देर शाम परिजन शव के पोस्टमार्टम के लिए पुलिस की मदद से बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे। घटना के संबंध में मृतक के भाई रंजन सिंह ने बताया कि मंगलवार को गौतम अपने दोस्त के साथ शौच के लिए नदी किनारे गया था। जहां उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। इसके बाद से वह लापता हो गया। गांव आकर उसके दोस्त ने घटना की जानकारी दी। ग्रामीणों के सहयोग से काफी खोजबीन की गई। लेकिन, गौतम का कहीं पता नहीं चल सका। बुधवार को जीयर गांव के समीप सकरी नदी में शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई। घटनास्थल पर पहुंच शव की पहचान की गई। शव मिलने के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना स्थल से करीब 10 किलोमीटर दूर जाकर किशोर का शव बरामद मिला है।

मानपुर थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि शव मिलने की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

### जॉब छोड़ पोल्ट्री फॉर्म शुरू किया आमदनी सालाना 14 लाख

**बेगूसराय।** के अभिषेक ने 2022 में अपनी जमीन पर कट्टिक्ट पोल्ट्री फॉर्म का काम शुरू किया। जॉब नहीं करने की जिद ने उन्हें बिजनेस के लिए प्रेरित किया। आज वो सालाना 14 लाख रुपए की कमाई कर रहे हैं। साथ ही 4 लोगों को नौकरी भी दी है। अभिषेक अब अगले साल तक फ्रोजन चिकन प्लांट लगाने की योजना बना रहे हैं। बेगूसराय के हर्रख निवासी अभिषेक ने बताया कि '2009 में बेंगलुरु से करने के बाद एक प्राइवेट कंपनी में जॉब कर रहे थे। बेंगलुरु और देहरादून में मार्केटिंग से जुड़े थे। काम ठीक-ठाक था। हर महीने 20 हजार रुपए सैलरी मिल रही थी। लेकिन, हमेशा सोचता था, मुझे अपना काम करना है, जहां मैं लोगों को जॉब दे सकूं।' अभिषेक ने कट्टिक्ट फार्मिंग के बारे में बताया कि 'कुछ कंपनियां दो से तीन जिले में ऑफिस खोलकर रखा है। मुर्गी पालन करने वाले उनके कार्यालय से संपर्क करते हैं। इसके बाद कंपनी द्वारा सभी जानकारी देने के साथ ही कट्टिक्ट साइन करवाया जाता है। इसके बाद उन्हें चूजा, दाना और दवा उपलब्ध कराया जाता है। जितना चाहे उतना चूजा ले सकते हैं। कम से कम 4500 लेना अधिक फायदेमंद रहता है। चूजा को मुर्गी बनने तक की प्रक्रिया में 35 दिन लगते हैं। इसके बाद कट्टिक्ट फार्मिंग करने वाली कंपनी उसे ले जाती है। कंपनी इसके बदले एक मुर्गी पर 8.50 रुपए से लेकर 14 रुपए तक पेमेंट करती है। बेगूसराय के विक्रम (28) युवकों के बीच रॉल मॉडल बनकर उभरे हैं। मछली पालन से ना केवल अच्छी कमाई कर रहे हैं, बल्कि अपने क्षेत्र के 10 लोगों को जॉब भी दिया है।

### इस साल ऑनलाइन पिंडदान की फीस 23 हजार

**गया।** में 17 सितंबर से पितृपक्ष मेला शुरू हो रहा है, जो 2 अक्टूबर 2024 तक चलेगा। बिहार पर्यटन विभाग ऑनलाइन पिंडदान की सुविधा मुहैया कराने जा रहा है। इसको लेकर विभाग की ओर से तैयारी शुरू की गई है। एक काउंटर भी खोल दिया गया है। ऑनलाइन पिंडदान शुरू होने के बाद विदेशों और देश के दूसरे राज्यों के लोग आसानी से पिंडदान करा सकेंगे। हालांकि, इसका विरोध भी शुरू हो चुका है। पंडा समूह का कहना है कि 'ऑनलाइन वैदिक क्रिया ठीक नहीं है। इसके जरिए शास्त्रों को चुनौती देने की कोशिश हो रही है। इसको लेकर सरकार ने 23 हजार रुपए शुल्क निर्धारित किया है। जिसमें कर्मकांड कराने वाले ब्राह्मण और पंडा का दान-दक्षिणा, पूजन सामग्री, पेन ड्राइव, वीडियो रिकॉर्डिंग और अन्य खर्च शामिल हैं। पेन ड्राइव और वीडियो रिकॉर्डिंग बुकिंग कराने वाले के एड्रेस पर भेजा जाएगा। ताकि वह जान सकें कि उन्होंने अपने पूर्वजों का पिंडदान किया है। पिछले साल ऑनलाइन पिंडदान के लिए 22 हजार रुपए निर्धारित किए गए थे। बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट के अधिकारी सुमन कुमार ने बताया कि 'ई-पिंडदान की बुकिंग शुरू कर दी गई है। फिलहाल पूछताछ के लिए लोग कॉल कर रहे हैं। हालांकि, अब तक किसी श्रद्धालु ने बुकिंग नहीं की है।,

ऑनलाइन पिंडदान की सुविधा पिछले तीन साल से है। पिछले साल पितृपक्ष में करीब 8 लोगों ने ई-पिंडदान किया था। बॉलीवुड कलाकार भी गया पहुंचकर करते हैं पिंडदान पंडों का कहना है कि 'ऑनलाइन दर्शन की बात समझ में आती है। शास्त्र के अनुसार अपने हाथों से पिंडदान करना ठीक माना गया है। ऑनलाइन पिंडदान की सुविधा शुरू कर शास्त्रों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उप राष्ट्रपति, राज्यपाल, बड़े अधिकारी, बॉलीवुड के कलाकार खुद गया पहुंचकर पिंडदान करते हैं।' गया तीर्थ पंडा समाज ने कहा कि हमेशा सनातनियों पर ही चोट क्यों। ऐसी व्यवस्था सरकार दूसरे धर्मों में क्यों नहीं करती है। सात महीने पहले बॉलीवुड स्टार संजय दत्त पिंडदान करने गया के विष्णुपद पहुंचे थे। यहां उन्होंने पित्तरों का पिंडदान किया था।

### मुसलमानों को साधने के लिए नीतीश का प्लान एम

**मदरसा।** और वक्फ बोर्ड जमीन को लेकर मुस्लिम समाज की नाराजगी पर सीएम नीतीश कुमार ने प्लान ह्यएमह्व तैयार किया है। राज्य के लगभग 17 प्रतिशत मतदाताओं को खुश करने के लिए नीतीश कुमार ने नए समीकरण पर काम करना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में बुधवार को मुस्लिम समाज के बड़े नेताओं के साथ बैठक की है। इसमें उन्हें खुश करने की कोशिश की है, इसके लिए सरकारी योजनाओं पर चर्चा हुई है। बिहार के मदरसों को लेकर विवाद चल रहा है। पाकिस्तान में प्रकाशित पुस्तकों से पढ़ाई के साथ कई गंभीर आरोप हैं। इस मुद्दे पर सरकार खामोश है, इस कारण से मुस्लिम समाज में आक्रोश है। केंद्र सरकार वक्फ संसोधन 2024 लाई, जिसमें वक्फ के रूप में पहचानी गई सरकारी संपत्ति वक्फ नहीं माने जाने का नियम बना दिया गया है। अब नीतीश का समीकरण जानिए बुधवार को नीतीश कुमार ने अचानक अपने आवास पर एक बैठक बुलाई, जिसमें मुस्लिम समाज के कई बड़े नेताओं के साथ एसीएम और जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने मंथन किया। बैठक में शिया और सुन्नी वक्फ बोर्ड के कई बड़े नेताओं के साथ-साथ दर्जनों मुस्लिम नेता भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने मुस्लिम समाज से उसका हाल चाल जाना। सीएम ने पूछा कि प्रदेश सरकार की किन योजनाओं का लाभ उन्हें मिल रहा है, किन योजनाओ में समस्या आ रही है।

### बंद समर्थकों ने राहगीरों को बुरी तरह पीटा

**समस्तीपुर।** में भारत बंद समर्थकों ने राहगीरों की डंडे से पिटाई कर दी। जिसका वीडियो भी सामने आया है। घटना में कई लोग जख्मी हो गए हैं, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बंद समर्थकों के हाथ में लाठी है। पिटाई के दौरान एक युवक घायल हो कर सड़क पर गिर गया। अन्य को भी चोटें आई है। मौके पर पुलिस भी थी, लेकिन किसी को पकड़ा नहीं गया। मारपीट के बाद बंद समर्थक मौके से भाग गए। घटना ताजपुर थाना क्षेत्र के एनएच-28 पर चक पहाड़ जाने वाली सड़क की है। दरअसल भीम आर्मी और दलित समर्थकों की ओर से ताजपुर में जगह-जगह जुलूस निकाला गया था। इसी दौरान कुछ युवकों से झड़प हो गई। वीडियो के आधार पर एएसपी संजय पांडे ने ताजपुर पुलिस को मारपीट करने वाले युवकों की पहचान कर प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है।

### 48 एकड़ में फैला मुक्तापुर मोईन में बनेगा इको पार्क

**दरभंगा।** मुख्य पथ स्थित मुक्तापुर मोईन को इको पार्क बनाने के लिए जिला प्रशासन ने ब्लू प्रिंट तैयार कर ली है। पार्क निर्माण को लेकर कार्य योजना पर्यटन विभाग को भेजी गई है। पर्यटन विभाग की मंजूरी के साथ ही इस दिशा में जिला प्रशासन कार्य शुरू कर देगा।इस पर 50 करोड़ से अधिक राशि के खर्च का अनुमान है।

### तेज रफ्तार पिकअप ने युवक को रौंदा मौत

**किशनगंज।** के बहादुरगंज एनएच 327ई मुस्लिम चौक के पास हुए एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, घटना सुबह 5:00 बजे की है। बताया जा रहा है कि युवक सड़क को क्रॉस कर रहा था, इसी दौरान एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने एक युवक को रौंद दिया। जिसमें युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना के बाद मौके पर बहादुरगंज पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। जानकारी अनुसार तेज रफ्तार के कारण पिकअप अनियंत्रित होकर युवक को रौंद दिया। मृतक की पहचान अफ्फान मेडिसिन डिस्ट्रीब्यूटर के भांजे अनारकली के मुंतसर के रूप में हुआ है । घटना से नाराज लोग एनएच 327ई को जाम कर हंगामा कर रहे है। इसके बाद सड़क 327 ई पर वाहनों लंबी कतार लग गई। आवागमन पूरी तरीका से ठप हो गया है इधर घटना मौजूद पुलिस कर्मी के द्वारा आकर्षित लोगों को शांत करवाया जा रहा है।

# थाना के सामने गन शॉप से राइफल-पिस्टल चुराने की कोशिश

## व्यवसायी के घर से गायब हुई शटर की चाबी सीसीटीवी भी मिला बंद

**छपरा।** नगर थाना के सामने महज 20 मीटर की दूरी पर भारत गन हाउस में 17 राइफल-पिस्टल चोरी करने की कोशिश हुई है। घटना आज सुबह 5 बजे की है। शॉप के स्टाफ की कोशिश से चोरी सफल नहीं हो सकी। मामले में बड़ी बात यह है कि शॉप के मालिक पंकज गुप्ता के घर से पहले चाबी की चोरी हुई। इसके बाद कम से कम 3 चोर सुबह 5 बजे के करीब आराम से शटर का ताला खोलकर दुकान में घुसे थे। बोरे में 17 राइफल भरकर निकल रहे थे। इसी दौरान मार्निंग वॉक पर निकला दुकान स्टाफ वहां पहुंच गया। उसने सवाल किया तो सभी चोर बोरा सड़क पर ही छोड़कर बगल की गली से भाग निकले। इसके बाद स्टाफ ने अपने मालिक को घटना की जानकारी दी। पुलिस फिलहाल पूरे घटना की जांच कर रही है। इसमें मालिक पंकज गुप्ता के परिवार के ही लोगों का हाथ होने का अंदेशा जताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार आज सुबह की घटना के बाद जब मालिक पंकज गुप्ता ने जांच की तो दुकान और घर का सीसीटीवी भी बंद मिला। उनके अनुसार दुकान के शटर की चाबी एक बैग में बंद कर घर में रखते हैं। उस जगह पर भी सीसीटीवी लगा है। वो भी बंद मिला है। पंकज गुप्ता के अनुसार आज सुबह 5 बजे के आसपास दुकान का स्टाफ मॉर्निंग वॉक के लिए जा रहा था। उसने देखा कि कुछ लोग बोरे में भरकर हथियार लेकर जा रहे थे। पूछे जाने के बाद सभी मुख्य सड़क पर ही हथियार छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद स्टाफ द्वारा मुझे सूचना दिया गया। घर में बैग में रखे दुकान की चाबी को गायब करके शटर खोला गया है। हालांकि बाद में रजिस्टर मिलान में सारा हथियार पर्याप्त पाया गया है। पंकज गुप्ता शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी हैं। उनकी गन शॉप छपरा शहर के पुराने दुकानों में से एक है। यहां से लोग लाइसेंसी राइफल और पिस्टल खरीद सकते हैं। साथ में इनकी दुकान हथियारों के सेफ हाउस का भी काम करती है। घर बंद कर लंबे समय के लिए बाहर जानेवाले लोग इनकी दुकान में अपना हथियार और लाइसेंस जमा कराते हैं।

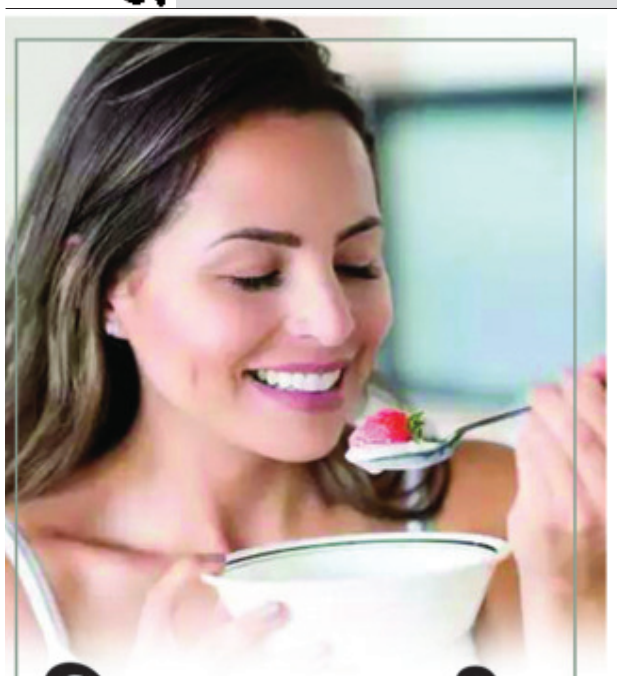

# कितना सही है नाश्ते में दही लेना

**नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?**

## पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

## समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

## इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

## खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

# लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

### जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

### तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

### तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

### फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

### ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

# शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

### शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

### हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

### शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लंबे समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

# चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

**अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.**

### आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

### पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

### ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

### चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

### पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

# ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

**गीला कपड़ा** - आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

**नारियल का तेल** - नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

**हर्बल टी** - कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

**नमक** - कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकाई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

**बेकिंग सोडा** - साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

**ठंडा दूध** - कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

**एलोवेरा** - एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

**कच्चा आलू** - एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

# लॉर्ड्स में पहली बार होगा भारत बनाम इंग्लैंड महिला टेस्ट

**लंदन (एजेंसी)।** इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को घोषणा की कि ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान 2026 में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जाने वाले महिला टेस्ट की मेजबानी करेगा। यह पहली बार होगा जब यह मैदान इन दोनों टीमों के बीच टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। ईसीबी ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि जुलाई 2025 में भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के बाद भारतीय टीम 2026 में एकमात्र टेस्ट के लिए वापस आएगी। भारतीय टीम अगले साल 28 जून से 12 जुलाई के बीच 5 मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी। टीम इसके बाद क्रमशः 16 (साउथम्पटन), 19 (लंदन) और 22 जुलाई (चेस्टर ली स्ट्रीट) को 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी।

ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गौल्ड ने कहा कि मुझे इस बात की भी खुशी है कि भारतीय महिला टीम 2026 में लॉर्ड्स में पहले महिला टेस्ट मैच में इंग्लैंड की महिला टीम से भिड़ने के लिए वापसी करेंगी। यह वास्तव में एक विशेष अवसर होगा। ईसीबी ने कहा कि यह भी पुष्टि की गई है कि भारतीय टीम 2026 में लॉर्ड्स में एकमात्र टेस्ट मैच के लिए वापस आएगी। इस मैदान पर इन दोनों टीमों के बीच खेले जाने वाला यह पहला टेस्ट मैच होगा।

इंग्लैंड की महिलाओं ने पिछले 3 वर्षों से लॉर्ड्स में सफेद गेंद वाले मैच खेले हैं, अगले साल एक और मैच निर्धारित है, लेकिन यह पहली बार होगा जब मैदान महिला टेस्ट मैच में भारत की मेजबानी करेगा। भारतीय टीम ने अपनी सरजमीं पर पिछले साल दिसंबर में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बाद इस साल जून-जुलाई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी सरजमीं पर खेले गए टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की है। भारत ने इंग्लैंड में अपना पिछला टेस्ट मैच 2021 में ब्रिस्टल में खेला था। यह मैच ड्रॉ पर छूटा था।

# द्रविड़, अगरकर और जय शाह की रही भारतीय टीम की टी20 विश्व कप जीत में अहम भूमिका : रोहित

**मुंबई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एक दशक के बाद टी20 विश्व कप में मिली जीत का श्रेय पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और बीसीसीआई सचिव जय शाह को दिया है। रोहित ने कहा कि इनकी बेहतरीन योजनाओं के कारण ही टीम आईसीसी खिताब हासिल कर पायी। इसका कारण है कि इन तीनों ने ही परिणामों की चिंता किए बिना खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने के प्रयास किये थे।

रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने जून में हुए विश्वकप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरी बार ये खिताब जीता है। भारतीय टीम ने इससे पहले साल 2007 में ये खिताब जीता था। रोहित ने साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष अंतरराष्ट्रय क्रिकेटर चुने जाने के बाद कहा, ''इस टीम को बदलना और आंकड़ों, परिणामों के बारे में ज्यादा चिंता नहीं करना, यह तय करना मेरा सपना था कि हम ऐसा माहौल बनाएं जहां लोग मैदान पर जाकर ज्यादा निडर होकर खेल सकें। '' उन्होंने कहा, ''इसी की हमें जरूरत थी। इस प्रकार के सारे अधिकार उन्हें द्रविड़, शाह और अगरकर से मिले थे। साथ ही कहा कि जीत इसलिए मिली क्योंकि सभी खिलाड़ियों ने समय-समय पर सही से अपनी जिम्मेदारी निभाई।

# अफगानिस्तान ने इस भारतीय को बनाया सहायक कोच, 2001 से की थी कोचिंग करियर की शुरुआत

**काबुल (एजेंसी)।** अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने भारत के पूर्व क्षेत्ररक्षण कोच आर श्रीधर को अपनी टीम का सहायक कोच बनाया है। वह न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के होने वाली सीरीज में टीम के साथ जुड़ेंगे।

अफगानिस्तान को सितंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच और फिर दक्षिण अफ्रीका के साथ तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलनी है। टेस्ट मैच भारत के ग्रेटर नोएडा तो एकदिवसीय सीरीज शारजाह में खेली जाएगी। श्रीधर लेवल-3 सर्टिफाइड कोच हैं। एसीबी ने कहा है कि भविष्य में श्रीधर का अनुबंध लंबे समय बढ़ाया जा सकता है।

नब्बे के दशक में हैदराबाद के लिए बतौर बाएं हाथ के स्पिनर खेलने वाले श्रीधर ने अपने कोचिंग करियर की शुरुआत 2001 में की थी। वह 2014 अंडर-19 विश्व कप के समय में भारत की जूनियर टीम से जुड़े। इसी वर्ष उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में किंग्स इलेवन पंजाब की टीम के साथ भी काम किया। इसके बाद वह 2014 से 2021 तक लगातार सात सालों तक भारतीय टीम के क्षेत्ररक्षण कोच रहे।

# इंग्लैंड दौरे पर जाएगी भारतीय टीम, बीसीसीआई ने जारी किया पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

**मुम्बई (एजेंसी)।** 2025 के लिए भारत के इंग्लैंड दौरे का कार्यक्रम गुरुवार को घोषित किया गया जिसमें पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स के हेडिंग्ले में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स पर कार्यक्रम की घोषणा की। बीसीसीआई ने ट्वीट किया, 'घोषणा! 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए #टीमइंडिया के फिक्स्चर पर एक नजर।'

पांच मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट 2-6 जुलाई तक होगा जबकि तीसरा टेस्ट 10-14 जुलाई तक लंदन के प्रतिष्ठित लॉर्ड्स स्टेडियम में होगा। चौथा टेस्ट 23-27 जुलाई तक मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में होगा जबकि अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से 4 अगस्त तक लंदन के द ओवल में होगा। यह सीरीज भारत के लिए बेहद अहम होगी क्योंकि उन्होंने 2007 के बाद से इंग्लैंड के खिलाफ अपनी सरजमीं पर कोई सीरीज नहीं जीती है। उन्होंने राहुल द्रविड़ की कप्तानी में श्री लायंस पर 1-0 से जीत दर्ज की थी। यह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की बहुप्रतीक्षित द्विपक्षीय प्रतियोगिताओं में से एक के रूप में भी काम करेगा।

भारत के पिछले इंग्लैंड दौरे के दौरान विराट कोहली की कप्तानी में अगस्त से सितंबर 2021 तक चार टेस्ट खेले गए थे, जिसमें भारत 2-1 से आगे चल रहा था। हालांकि कोविड-19 के कारण अंतिम मैच जुलाई 2022 के लिए पुनर्निर्धारित किया गया था। भारत ने वह मैच एजबेस्टन में जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में खेला था, जिसमें उसे सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जिससे श्रृंखला 2-2 से बराबर हो गई और इंग्लैंड की कठिन परिस्थितियों में टेस्ट श्रृंखला जीतने का उनका सर्वश्रेष्ठ मौका चूक गया।

इस साल दोनों पक्षों के बीच खेली गई आखिरी टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड को भारत में भारत के हाथों 4-1 से हार का सामना करना पड़ा था जिसमें कप्तान बेन स्टोक्स और कोच ब्रेंडन मैकुलम का क्रिकेट के प्रति 'बैजबॉल' दृष्टिकोण भारत के घरेलू वर्चस्व को तोड़ने में विफल रहा जिसमें कप्तान रोहित शर्मा, सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, स्पिनर रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन का प्रभावशाली प्रदर्शन शामिल था। शुभमन गिल, ध्रुव जुरेल, सरफराज खान और आकाश दीप जैसे कई युवा खिलाड़ियों ने भी इस बेहद रोमांचक श्रृंखला में चमक बिखेरी।

# इशान अभी आईपीएल पर ही ध्यान दें : बासित

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन को फिलहाल आईपीएल पर ही ध्यान देना चाहिये। बासित के अनुसार अभी इशात को भारतीय टीम में जगह मिलने की उम्मीद नजर नहीं आती है। इशान इस साल शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद से ही टीम से बाहर हैं। टीम इंडिया में वापसी के लिए वह अभी बूची बाबू इंविटेशन टूर्नामेंट खेल रहे हैं। इसमें उन्होंने शतक लगाया है पर जिस प्रकार भारतीय टीम में जगह के लिए मुकाबला है उसको देखते हुए उनकी उम्मीदें कम हैं। बासित ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी तक इशान की भारतीय टीम में वापसी नहीं हो सकती। इसके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी उनका जगह मिलने की संभावना नजर नहीं आती है। ऐसे में इस बल्लेबाज को आईपीएल पर ही ध्यान देना चाहिये। इशान अभी रणजी ट्रॉफी सीजन में खेलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। इशान ने आखिरी बार 2022 में फर्स्ट क्लास मैच खेला था। वह 2023 में रणजी ट्रॉफी से दूर रहे। इसी कारण क्रिकेट बोर्ड ने नाराज होकर उन्हें केन्द्रीय अनुबंध से भी बाहर कर दिया। साथ ही साफ कर दिया कि टीम में वापसी के लिए उन्हें घरेलू टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

# श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में कई रिकार्ड बना सकते हैं रुट

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट श्रीलंका के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में कई रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। वह इस सीरीज में 5,000 रन पूरे कर सकते हैं। रुट ने अब तक 56 टेस्ट मैचों की 100 पारियों में 49.97 की औसत से 4598 रन बनाए हैं। अब 5,000 रन के आंकड़े तक पहुंचने के लिए उन्हें केवल 402 रनों की और जरुरत है। यदि रूट इस सीरीज में 402 रन बनाते हैं, तो वह आईसीसी विश्वक टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) में 5,000 रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। इससे पहले, उन्होंने डब्लयूटीसी में 4,000 रन बनाये थे। जो रूट के बाद दूसरे स्थान पर चल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन हैं, जिन्होंने अब तक 45 टेस्ट की 82 पारियों में 3904 रन बनाए हैं। यह आंकड़ा भी रूट के 4,000 रन के रिकॉर्ड के करीब नहीं है। वहीं भारत के रोहित शर्मा 2,552 रनों के साथ 8वें स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 2,235 रनों के साथ 14वें स्थान पर हैं। रूट के पास इसके अलावा और भी रिकॉर्ड बनाने का मौका है।

# वापसी के बाद और भी घातक हुए बुमराह : साउदी

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट से उबरने के बाद और भी घातक गेंदबाजी करने लगे हैं। बुमराह ने आईसीसी टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन से विरोधी टीम के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया था। साउदी का मानना है कि बुमराह पीठ की चोट से वापसी के बाद से और भी अधिक खतरनाक हुए हैं। इस चोट के कारण बुमराह को पिछले साल अधिकतर समय मैदान से बाहर ही रहना पड़ा। बुमराह ने सितंबर 2022 में बाहर होने के बाद अगस्त 2023 में वापसी करते हुए कई सफलताएं हासिल की हैं। उन्हें हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने 'पिछले पांच-छह वर्षों में सारे प्रारुपों में खेलने वाला सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' करार दिया था। साउदी ने कहा, ''सबसे पहले तो बड़ी चोट से उबरकर वापसी करना और कई प्रारुपों में खेलना मुश्किल होता है पर इसके बाद भी बुमराह का प्रदर्शन बेहतर होता गया है। '' उन्होंने कहा, ''ऐसा लगता है कि वह आसानी से वापसी में सक्षम है। वह शायद अधिक अनुभवी है, अपने खेल को अच्छी तरह से समझता है। उसने चोट के बाद शानदार तरीके से वापसी की। हमने तीनों ही प्रारुपों में उसका जबरदस्त प्रदर्शन देखा है। मुझे नहीं लगता कि उनसे बेहतर कोई और है। ''

# ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम के लिए अहम होंगे पंत : मैथ्यू हेडन

**मुंबई (एजेंसी)।** महान बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को लगता है कि जब भारतीय टीम पांच टेस्ट की श्रृंखला के लिए आस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी तो ऋषभ पंत उसके लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे क्योंकि पिछले दौरे पर इस विकेटकीपर बल्लेबाज की जीत की भूख शानदार रही थी। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच यह पांच मैच की श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी।

हेडन ने कहा, 'ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी के अंदर जीत की भूख है और उसकी 'मसल मेमरी' (प्रक्रियात्मक स्मृति) शानदार है। पिछली बार जब वह वहां खेला था तो वह अहम खिलाड़ी रहा था और ऑस्ट्रेलिया के दर्शकों को भी उसका खेल काफी पसंद आया था।'' उन्होंने कहा, 'पंत का खेल रोमांचक और बेहतरीन रहा था। फिर आपके पास अनुभवी खिलाड़ी जैसे विराट कोहली हैं जो फिर से अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे। बल्लेबाजी को देखते हुए मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि भारत आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर उससे भिड़ने के लिए किस तरह की रणनीति बनाएगा।'

पंत ने 2022 में गंभीर कार दुर्घटना के बाद क्रिकेट में सफल वापसी की, उन्होंने 2020-21 में आस्ट्रेलिया के दौरे पर भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया था जिसमें उन्होंने 97 और नाबाद 89 रन की शानदार पारियां खेलीं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे नाटकीय बदलावों में से एक में कई मुख्य खिलाड़ियों की कमी के बावजूद भारत ने आस्ट्रेलिया को हरा दिया था। मेहमान टीम ने शुरुआती एडिलेड टेस्ट में 36 रन पर ऑल आउट होने के बाद वापसी करते हुए 2-1 की जीत से लगातार दूसरी बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम की।

कोहली को एडिलेड मैच के बाद निजी कारणों से स्वदेश लौटना पड़ा था जबकि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी समेत पांच अन्य खिलाड़ियों को चोट और फिटनेस संबंधी समस्याओं के कारण बाहर होना पड़ा था। हेडन ने कहा, 'भारतीय परिपेक्ष्य से यह चीज शानदार है कि पिछली जीत के दौरान उनके पास विराट कोहली नहीं थे। गाबा में जिस टीम ने जीत हासिल की थी, वह दूसरे दर्जे के गेंदबाजी लाइन अप वाली टीम थी।' उन्होंने कहा, 'उस तरह के आत्मविश्वास की आप इस भारतीय इकाई से उम्मीद कर सकते हैं जो हमारी सरजमीं पर जाकर कहे, हमने पहले भी ऐसा किया है, और हमने इसे अपने मुख्य खिलाड़ियों के बिना किया है जो किसी से कम नहीं है।'

# वुड पर अधिक बोझ डालना नुकसानदेह होगा : बुचर

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मार्क बुचर ने कहा है वह तेज गेंदबाज मार्क वुड की फिटनेस को लेकर चिन्तित हैं। बुचर के अनुसार वुड सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं पर आने वाली सीरीज में उनपर जरुरत से ज्यादा दबाव डालना नुकसानदेह रहेगा। इसलिए उनके कार्यभार प्रबंधन का टीम को ध्यान रखना पड़ेगा। बुचर के अनुसार टीम में गस एटकिंसन और मैथ्यू पॉट्स जैसे नये गेंदबाजों के कारण वुड पर पहले ही अधिक दबाव रहेगा। वुड इस साल वैसे भी फिटनेस से जूझते रहे हैं। साल की शुरुआत में उन्हें बाएं घुटने में चोट लगी थी, जिसके कारण वे कुछ समय के लिए बाहर हो गए थे। हालांकि उन्होंने मई में पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से अच्छी वापसी की पर पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच के दौरान थकान के कारण उन्हें बाहर जाना पड़ा था। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में नये तेज गेंदबाज होने से वुड पर अतिरिक्त भार पड़ सकत है। बुचर ने कहा, चाहे वे अतिरिक्त ऑलराउंडर के साथ जाएं या नहीं, मुझे जो बात चिंतित करती है वह है वुड। मैं उसे चोटिल होते नहीं देखना चाहता, मैं उसे बहुत अधिक काम करते नहीं देखना चाहता। मैं यही कह रहा हूं कि वह एक टेस्ट मैच में बहुत अधिक काम कर सकता है। बुचर ने चोट को रोकने और पूरी सीरीज में उसकी प्रभावशीलता बनाए रखने के लिए वुड के कार्यभार को सावधानीपूर्वक प्रबंधित करने को कहा है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं किया जाता तो हमें वुड को खोना पड़ेगा और इंग्लैंड के लिए ये एक बड़ा झटका रहेगा।

# मोहम्मद रिजवान के नाबाद 171 रन, पाकिस्तान की पारी 448-6 पर घोषित

**खेल डैस्क।** पाकिस्तानी विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के रिकॉर्ड 171 रनों की बदौलत बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन पाकिस्तान ने 6 विकेट खोकर 448 रन पर अपनी पारी घोषित कर दी। पाकिस्तान के लिए सऊद शौकील ने भी 261 गेंदों पर 141 रनों का योगदान दिया। पाकिस्तान का इस बड़े स्कोर तक पहुंचना इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने पारी के पहले तीन विकेट महज 16 रन पर ही गंवा दिए थे। इस दौरान पाकिस्तान को सैम अयूब, सऊद शकील और रिजवान का साथ मिला। बांग्लादेश के लिए शौरीफुल इस्लाम और हसन महमूद 2-2 विकेट लेने में सफल रहे।

रिजवान का टेस्ट क्रिकेट में यह तीसरा शतक रहा। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 104 तो साऊथ अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 115 रन बनाए थे। लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ रिजवान ने अपने करियर की बेस्ट पारी खेली। रिजवान ने 239 गेंदों पर 11 चौके और तीन छक्कों की मदद से 171 रन बनाए। वह अंत तक नाबाद रहे। एक समय ऐसा लग रहा था कि रिजवान दोहरे शतक की ओर जाएंगे लेकिन इससे पहले ही कप्तान शान मसूद ने पारी घोषित कर बांग्लादेश को बल्लेबाजी के लिए बुला लिया।

पाकिस्तान की शुरूआत खराब रही थी। शफीक 2, कप्तान शान मसूद 6 तो बाबर आजम 0 पर ही पवेलियन लौट गए। स्कोर जब 16 रन पर तीन विकेट था तब सैम अयूब ने सऊद शकील के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। अयूब ने 98 गेंदों पर 56 रन बनाए। इसके बाद सऊद शकील और मोहम्मद रिजवान मैच को बांग्लादेश से काफी दूर ले गए। दोनों ने 200 से ज्यादा रनों की पार्टनरशिप की। सऊद ने जहां 261 गेंदों पर 141 रन बनाए तो रिजवान ने नाबाद 171 रन बनाए। शाहीन अफरीदी 29 रन पर नाबाद रहे और स्कोर 448 तक पहुंचा दिया। बांगलादेश के लिए शाकिब अल हसन प्रभाव नहीं दिखा पाए। उन्होंने 27 ओवर में ही महज एक विकेट लेकर 100 रन दे दिए।

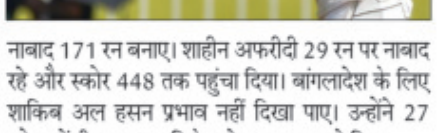

# डायमंड लीग: एक्शन में नजर आएंगे नीरज चोपड़ा, हैट्रिक पर नजरें

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद गुरुवार, 22 अगस्त को लुसाने डायमंड लीग में पहली बार एक्शन में नजर आएंगे। भाला फेंक सुपरस्टार शेष प्रतियोगिताओं में बड़ा मुकाम हासिल करने के लिए उत्सुक होंगे, जिसमें 13 सितंबर को ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल भी शामिल है।

पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बावजूद नीरज चोपड़ा पूरी तरह से खुश नहीं थे। ओलंपिक चैंपियन के रूप में उन्हें पाकिस्तान के अरशद नदीम ने हराया जिन्होंने पेरिस में 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। नीरज ने 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ रजत पदक जीता। निरंतरता पर जोर देने वाले नीरज ने सीमाओं को आगे बढ़ाने और 90 से अधिक थ्रो करने का लक्ष्य रखने की आवश्यकता के बारे में बात की। चोटों के मुद्दों को देखते हुए यह देखना बाकी है कि नीरज लुसाने में खुद को आगे बढ़ाएंगे या नहीं। हालांकि, नीरज पोडियम के शीर्ष पायदान पर रहने और डायमंड लीग फाइनल में जगह पक्की करने के लिए उत्सुक होंगे।

नीरज अगर 10-मैन फील्ड में शीर्ष पर रहते हैं तो वे लुसाने में जीत की हैट्रिक पूरी कर सकते हैं। गुरुवार को होने वाले बड़े शो से पहले नीरज स्विट्जरलैंड में प्रशिक्षण ले रहे हैं। नीरज ने 87.66 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ 2023 में लुसाने डायमंड लीग जीती। नीरज ने 2022 में 89.08 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ लुसाने डायमंड लीग जीती थी।

## नीरज डीएल स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर

अरशद नदीम के अलावा सीजन में हर दूसरा शीर्ष थ्रोअर लुसाने में एक्शन में होगा। मंगलवार को लुसाने के अलावा एक और डायमंड लीग अपने कार्यक्रम में पुरुषों की भाला फेंक के साथ 5 सितंबर को ज्यूरिख में भिड़ेगी। नीरज वर्तमान में डायमंड ट्रॉफी 2023 के विजेता जैकब वडलेज 14 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर हैं जिन्होंने दोहा में जीत हासिल की और पेरिस में तीसरा स्थान हासिल किया। एंडरसन पीटर्स 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं जबकि जर्मनी के जूलियन वेबर 8 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, ये सभी पेरिस में जीत से आए हैं।

नीरज दोहा में दूसरे स्थान पर रहने के बाद 7 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं, यह भारतीय डायमंड लीग की एकमात्र मीटिंग है जिसमें उन्होंने सीजन में अब तक भाग लिया है। शीर्ष 6 डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। नीरज ने 2022 में डायमंड ट्रॉफी जीती और 2023 में डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे। जैकब वडलेज डायमंड लीग में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने के लिए उत्सुक होंगे। टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता को पेरिस में पोडियम स्थान से बाहर कर दिया गया था क्योंकि वह 88.50 मीटर फेंकने के बावजूद पांचवें स्थान पर रहे थे।

# हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे स्टोक्स के लिए मुश्किल हो रहा समय बिताना

लंदन। इंग्लैंड की टेस्ट किकेट टीम के कप्तान और ऑलराउंडर बेन स्टोक्स अभी हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं। इसी कारण वह श्रीलंका के खिलाफ सीरीज भी नहीं खेल पाये। स्टोक्स के अनुसार चोट से उबरने का ये दौरान बेहद कठिन है क्योंकि उनके पास करने को कुछ नहीं है। ऐसे में समय बिताना कठिन हो रहा है। उन्हें द हंड्रेड टूर्नामेंट में एक रन लेते समय ये चोट लगी थी। इसके बाद वह सहारा लेकर ही मैदान से जा पाये थे। उन्होंने कहा, हालांकि अब मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। उस दिन की तुलना में हालात बेहतर है। मुझे लगता है कि मेरे लिए सबसे मुश्किल काम है अपना समय बिताना और बहुत ज्यादा बोर न होना। अभी भी आस-पास रहना और शामिल होना बहुत बढ़िया है। फिर उम्मीद है कि मैं शीघ्र वापसी कर पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में खेलूंगा। स्टोक्स के बाहर होने से अभी ओली पोप टेस्ट टीम की कप्तानी कर रहे हैं। स्टोक्स ने कहा कि ओली टेस्ट टीम में भी वही भावनाएं लाना जारी रखेंगे, हालांकि उनका व्यक्तित्व अलग होगा। उन्होंने कहा, मैं उनके लिए वाकई उत्साहित हूं। मैंने उन्हें उप-कप्तान इसी लिए बनाया था क्योंकि उन्हें खेल की अच्छी समझ है और योजनाओं के मामले में हम एक जैसे हैं। मैंने हमेशा पाया है कि जब वह मेरे पास आते थे, तो यह कुछ ऐसा होता था जो मेरे दिमाग में पहले से ही होता था। स्टोक्स ने कहा, वह मेरे बाहर होने पर कप्तान के तौर पर स्पष्ट पसंद थे और मुझे लगता है कि वह नंबर 3 की भूमिका ओर अच्छे तरीके से निभा रहे हैं। मुझे उनपर पूरा भरोसा है। मैं हमेशा कहना रहा हूं कि जाओ ओर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करो। यही जिम्मेदारी वह निभा रहे हैं।

## फार्मास्युटिकल कंपनी में विस्फोट.....मरने वाले प्रत्येक परिवार को 1-1 करोड़

विशाखापट्टनम । आंध्र प्रदेश में फार्मास्युटिकल कंपनी एसेंटिया में हुए विस्फोट में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की गई है। फार्मा कंपनी में हुए विस्फोट में 17 लोगों की मौत हो गई और 33 घायल हो गए। विशाखापट्टनम के जिला कलेक्टर हरेनधीरा प्रसाद ने कहा कि विस्फोट में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि मिलेगी। उन्होंने कहा, विशेषज्ञों की एक टीम घटनास्थल का दौरा करेगी और दुर्घटना के कारणों का पता लगाएगी। बता दें कि आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली अच्युतपुरम में दोपहर करीब 2:15 बजे कंपनी एसेंटिया में यह हादसा हुआ। दवा कंपनी के प्लांट में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। इससे फार्मा यूनिट में काम करने वाले करीब 60 कर्मचारी आग की चपेट में आ गए, इसमें 17 कर्मचारियों की मौत हुई और 33 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। यह फार्मा कंपनी लगभग 40 एकड़ में फैली हुई है। एसेंटिया एडवांस्ड साइंस प्राइवेट लिमिटेड में एक हजार से ज्यादा लोग काम करते हैं। कंपनी ने अप्रैल 2019 में 200 करोड़ रुपये के निवेश से उत्पादन शुरू किया था। यह आंध्र प्रदेश इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन (एपीआईआईसी) के बहु-उत्पाद विशेष आर्थिक क्षेत्र (सीइजेड) में अच्युतपुरम क्लस्टर में स्थित है।

## बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले पर हाईकोर्ट ने पुलिस को लगाई फटकार, पूछे कई सवाल

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को महाराष्ट्र पुलिस से सवाल किया है कि बदलापुर के स्कूल में दो नाबालिग छात्राओं के साथ यौन शोषण मामले में दूसरी पीड़िता का बयान क्यों दर्ज नहीं किया? न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज के चव्हाण की खंडपीठ ने पुलिस से दोनों छात्राओं को सुरक्षा देने के लिए उठाए कदमों के बारे में जानकारी देने को कहा और यह भी कहा कि वह उपायों की जांच करेगी। खंडपीठ ने कहा कि हम इस तथ्य से स्तब्ध हैं कि बदलापुर पुलिस ने दूसरी पीड़ित लड़की का बयान दर्ज नहीं किया। पीठ ने कहा कि यह बड़े मुद्दों पर स्वत: संज्ञान से ली गई जनहित याचिका है, इसलिए लड़कियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। जब तक कोई मजबूत सार्वजनिक आक्रोश न हो, मशीनरी काम नहीं करती है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बदलापुर स्कूल के अधिकारियों को भी फटकार लगाते हुए कहा कि उन्होंने यौन शोषण की जानकारी पुलिस को क्यों नहीं दी, जबकि उन्हें पता था कि ऐसा हो रहा है। हाईकोर्ट ने यह भी उम्मीद जताई कि न्याय सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। न्यायमूर्ति मोहिते-डेरे ने महाराष्ट्र पुलिस से जांच की कि मामले में बयानों में देरी क्यों हुई। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इतनी देर से बयान दर्ज किया। घटना 13 अगस्त की है और एफआईआर 16 तारीख की। बयान अब दर्ज किया गया? माता-पिता के बयान पहले क्यों दर्ज नहीं किए गए? पुलिस अधिकारी का कर्तव्य प्रक्रियाओं के मुताबिक बयान दर्ज करना है। हम यह तय करने में रुचि रखते हैं कि पीड़ितों को न्याय मिले।

## अमेरिकी मंदी का असर...सात संमदर दूर सूरत में दिख रहा

नई दिल्ली। हाल ही में अमेरिका में मंदी की आशंका जाहिर की, जबकि ग्लोबल मार्केट में पहले से ही डिमांड में कमी देखी जा रही है। इसका सीधा असर भारत के रत्न और आभूषण कारोबार पर पड़ा है। रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई माह में इस सेक्टर का एक्सपोर्ट घट गया है। अमेरिका में मंदी की आशंका के चलते सूरत में कई डायमंड फैक्ट्रियों ने अपने कर्मचारियों को 10 दिन की छुट्टी पर भेज दिया था। जीजेईपीसी ने कहा है कि वैश्विक अशांति के बाद उपभोक्ता मांग में कमी के कारण जुलाई में कुल रत्न और आभूषण एक्सपोर्ट में सालाना आधार पर 23.28 प्रतिशत की गिरावट दिखाई दी है। इस दौरान एक्सपोर्ट घटकर 166.54 करोड़ डॉलर पर आ गया जबकि पिछले साल जुलाई में ये एक्सपोर्ट 217.07 करोड़ डॉलर का हुआ था। जीजेईपीसी चेयरमैन विपुल शाह के मुताबिक, अमेरिका और चीन जैसे प्रमुख बाजारों में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण डिमांड में कमी आई है। चीनी अर्थव्यवस्था में वर्तमान संघर्ष के चलते मांग में गिरावट दिख रही है। जुलाई में कट और पॉलिश किए गए हीरों का एक्सपोर्ट 22.71 प्रतिशत घटकर 90.77 करोड़ डॉलर पर आ गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 117.44 करोड़ डॉलर था। जुलाई में सोने की ज्वैलरी का एक्सपोर्ट भी 12.06 प्रतिशत घटकर 53.04 करोड़ डॉलर पर आ गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 60.31 करोड़ डॉलर था। इस बीच, जीजेईपीसी ने बताया कि हाल ही में 9-13 अगस्त तक आयोजित इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो (आईआईजेएस) प्रीमियर-2024 में लगभग 12 अरब डॉलर (लगभग एक लाख करोड़ रुपये) का कारोबार हुआ। इस शो ने कंबोडिया, ईरान, जापान, मलेशिया, नेपाल, रूस, सऊदी अरब, श्रीलंका, थाईलैंड, तुर्की, ब्रिटेन और उज्बेकिस्तान सहित 13 से अधिक देशों से 50,000 से अधिक खरीदारों और अंतरराष्ट्रीय डेलिगेट्स को आकर्षित किया।

## प्राइवेट स्कूल की फीस भरने के लिए पिता किडनी बेचने को मजबूर

-गरीबी नहीं छोड़ रही पीछा, पत्र लिखकर सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

शाहजहांपुर। यूपी के शाहजहांपुर जिले में एक पिता को बच्चों की स्कूल फीस भरने के लिए किडनी बेचने को महबूर होना पड़ा है। मजबूर पिता ने एक पत्र लिखकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसको लेकर समाज सेवी मदद के लिए आगे आए हैं। रोजा के आदर्श नगर कॉलोनी के रहने वाले अर्जुन का कहना है कि 2014 में उन्होंने रोजा मंडी में किराए पर दुकान लेकर गल्ले का कारोबार शुरू किया था। कुछ समय तक सब कुछ ठीक था लेकिन कोरोना काल में लॉकडाउन लगा तो कारोबार चौपट हो गया। बड़े व्यापारियों का कर्ज उस पर चढ़ गया। कर्ज उतारने और बच्चों की पढ़ाई जारी रख सके इसलिए अर्जुन दिल्ली चला गया और दिल्ली में उसने कबाड़ का काम शुरु किया लेकिन हालात नहीं सुधरे। दो साल दिल्ली में ठोकरे खाने के बाद वापस शाहजहांपुर आ गया और मजदूरी करने लगा लेकिन गरीबी ने उनका दामन नहीं छोड़ा। अर्जुन की बेटी एक डिग्री कॉलेज में स्नातक की पढ़ाई कर रही है जबकि बेटा सीबीएसई के एक प्राइवेट स्कूल में 12वीं का छात्र है। अर्जुन का कहना है कि तंगहाली के कारण एक साल से बेटे की फीस जमा नहीं कर पाए हैं। फीस जमा न होने से बेटे को स्कूल से निकाल दिया गया है। जैसे-तैसे घर का खर्च चल रहा है। पत्नी रूई की बातियां बनाकर दुकानों पर बेचती है, उससे घर के छोटे मोटे खर्च निकल पाते हैं। प्राइवेट स्कूल की भारी भरकम फीस जमा कहां से करेंगे इसलिए किडनी बेचना चाहते हैं। उसके लिए उन्होंने चिट्ठी लिखकर सोशल मीडिया पर वायरल की है। हालांकि उनकी बेबसी को देखकर समाजसेवी मदद के लिए आगे आए हैं लेकिन वह भी ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रहे हैं।

## पत्नी ने मांगा 6 लाख रुपए गुजाराभत्ता, जज बोलीं-खुद कमाओ और खर्च करो

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर कोर्ट की सुनवाई का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला के वकील उसके पति से छह लाख रुपए मासिक गुजारा भत्ता दिलाने की दलीलें दे रहा है। राधा मुनुकुंतला नामक महिला के वकील ने कोर्ट को बताया कि उसे जूते, कपड़े, चूड़ियां आदि के लिए 15,000 रुपए प्रति माह और घर में खाने के लिए 60 हजार रुपए हर महीने की जरूरत है। महिला के वकील ने कोर्ट को बताया कि उसे घुटने में दर्द और फिजियोथेरेपी और अन्य दवाओं के इलाज के लिए चार-पांच लाख रुपए की जरूरत है। सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि यह कोर्ट की प्रक्रिया का शोषण है। जज ने कहा कि अगर वह इतना पैसा खर्च करना चाहती है तो वह कमा सकती है। जज ने कहा-कोर्ट को यह न बताएं कि एक व्यक्ति को बस इतना ही चाहिए। 6,16,300 रुपए प्रति माह। क्या कोई इतना खर्च करता है? वो भी एक अकेली महिला अपने लिए। जज ने आगे कहा कि अगर वह खर्च करना चाहती है तो उसे कमाने दो। पति पर नहीं ऐसा कैसे। आपके पास परिवार की कोई और जिम्मेदारी नहीं है। आपको बच्चों की देखभाल करने की जरूरत नहीं। आप इसे अपने लिए चाहती हैं। आपको संवेदनशील होना चाहिए। जज ने महिला के वकील से कहा कि वह उचित राशि की मांग करें नहीं तो उनकी याचिका खारिज कर दी जाएगी। राधा ने खर्च का ब्यौरा दाखिल न करने के मामले पर 20 अगस्त को सुनवाई हुई। 30 सितंबर, 2023 को बेंगलुरु के पारिवारिक न्यायालय के अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश ने उसे उसके पति एम नरसिम्हा से 50,000 रुपए मासिक भरण-पोषण राशि दिलाने का आदेश दिया था। उसने अंतरिम भरण-पोषण राशि में वृद्धि का अनुरोध करते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

# जम्मू-कश्मीर में मिलकर चुनाव लड़ेगी कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस, फारूक अब्दुल्ला ने गठबंधन का किया ऐलान

**श्रीनगर (एजेंसी)।** जम्मू कश्मीर में चुनावी ऐलान के बाद से ही सियासी हलचल जबरदस्त तरीके से तेज है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे श्रीनगर के दौरे पर हैं। आज दोनों ही नेताओं ने नेशनल कांफ्रेंस के सुप्रीमो और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस के बीच जम्मू कश्मीर को लेकर चुनावी गठबंधन हो गया है। इसका ऐलान खुद फारूक अब्दुल्ला ने किया है। फारूक अब्दुल्ला ने यह भी बताया कि जल्द ही सीटों का ऐलान कर दिया जाएगा। साथ ही साथ दोनों दल मिलकर चुनावी घोषणा पत्र जारी करेंगे।

फारूक अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि हम 90 सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ेंगे। इससे पहले राहुल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन में भी हमारी प्राथमिकता है कि जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। हमें उम्मीद थी कि चुनाव से पहले यह काम हो जाएगा, लेकिन चुनाव घोषित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह एक कदम आगे है और हम उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा और जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकार, लोकतांत्रिक अधिकार उन्हें वापस मिलेंगे। आजादी के बाद यह पहली बार है कि कोई राज्य केंद्र शासित प्रदेश बना है।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। केंद्र शासित प्रदेश राज्य बन गए हैं, लेकिन यह पहली बार है कि राज्य केंद्र शासित प्रदेश बन गया है। इसलिए, हम अपने राष्ट्रीय घोषणापत्र में भी बहुत स्पष्ट हैं कि यह हमारी प्राथमिकता है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों को उनके लोकतांत्रिक अधिकार वापस मिलें। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को मेरा संदेश है, हम आपकी हरसंभव मदद कर सकते हैं, कांग्रेस पार्टी हमेशा आपके साथ है। हम समझते हैं कि आप बहुत मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, एक कठिन दौर, और हम हिंसा को खत्म करना चाहते हैं।

राज्यसभा एलओपी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हम सबको मिलकर लड़ना चाहिए और विपक्ष को भी साथ लेकर आगे बढ़ना चाहिए। आज वो (बीजेपी) परेशान हैं और इसीलिए आपने देखा होगा कि वो 2-3 बिल पास करना चाहते थे लेकिन विपक्ष के विरोध के कारण उन्होंने वापस ले लिया या फिर उन्हें संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया। उन्होंने कहा कि जब सबने वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक का पुरजोर विरोध किया तो उसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया...हम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देंगे।

## बांग्लादेश को भारत का दो टूक जवाब, बाढ़ की स्थिति का कारण हम नहीं

नई दिल्ली। बांग्लादेश के सीमावर्ती जिलों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। पड़ोसी देश ने इसका ठीकरा भारत पर फोड़ा। भारत ने इसे खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने अपने में कहा कि हमने इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि बांग्लादेश की पूर्वी सीमा पर स्थित जिलों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति त्रिपुरा में गुमटी नदी के ऊपर डंबूर बांध के खुलने के कारण हुई। यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और बांग्लादेश से होकर बहने वाली गुमटी नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों भारी बारिश हुई। बांग्लादेश में बाढ़ मुख्य रूप से बांध के नीचे की ओर बड़े जलग्रहण क्षेत्रों के पानी के कारण है। डंबूर बांध सीमा से काफी दूर है। यह बांग्लादेश से 120 किलोमीटर ऊपर स्थित है। त्रिपुरा और बांग्लादेश के आसपास के जिलों में बुधवार से भारी बारिश हो रही है। भारी बाढ़ की स्थिति में स्वचालित रूप से पानी छोड़ा जाता है। अमरपुर स्टेशन द्विपक्षीय प्रोटोकॉल का हिस्सा है, जिसके तहत भारत-बांग्लादेश को वास्तविक समय में बाढ़ के आंकड़े भेज रहा है। 21 अगस्त 2024 को तीन बजे तक के बांग्लादेश को बाढ़ के बढ़ते रुझान को दर्शाने वाले आंकड़े भेजे गए। 6 बजे बाढ़ के चलते बिजली गुल हो गई, जिससे संचार में समस्याएं पैदा हो गईं। फिर भी भारत ने संचार बनाए रखने की कोशिश की। भारत और बांग्लादेश के बीच आम नदियों में बाढ़ एक समस्या है, जिससे दोनों देशों के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

### सिद्धारमैया को मिला कांग्रेस विधायकों का साथ,

# डीके शिवकुमार बोले- हमारी सरकार को अस्थिर करने की हो रही कोशिश

**बेंगलुरू (एजेंसी)।** मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले को लेकर कर्नाटक में कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि आज हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि हमारे सभी विधायक सीएम सिद्धारमैया के साथ खड़े होंगे। पूरी कांग्रेस पार्टी सीएम सिद्धारमैया के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल हमारे खिलाफ राजनीति कर रहे हैं। राज्यपाल ने बिना किसी जांच के सीएम के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है।

डीके शिवकुमार ने कहा कि भाजपा और जेडीएस हमारी सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं जो कभी नहीं होगा, हमें इसकी परवाह नहीं है कि वे क्या कर रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत पर अभियोजन स्वीकृति अनुरोधों को मंजूरी देते समय भेदभाव करने का बुधवार को आरोप लगाया। सिद्धरमैया ने कहा कि लोकायुक्त की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने सोमवार को एक बार फिर राज्यपाल को एक प्रस्ताव सौंपा है, जिसमें कथित अवैध खनन पट्टा मामले में केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करने की अनुमति मांगी गई है।

एसआईटी ने पिछले साल नवंबर में, केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री कुमारस्वामी पर मुकदमा चलाने के लिए गहलोत से अनुमति मांगी थी। आरोप है कि कुमारस्वामी ने 2007 में राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर 'श्री साई वेंकटेश्वर मिनरल्स' को कथित तौर पर कानून का उल्लंघन करके खनन पट्टा दिया था।

सिद्धरमैया ने कोप्पल जिले के गनीगेरा में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राज्यपाल ने 26 जुलाई को उन्हें ''कारण बताओ नोटिस'' जारी किया, जबकि उसी दिन उन्हें उनके (मुख्यमंत्री के) खिलाफ अभियोजन की मंजूरी संबंधी अनुरोध पत्र मिला था। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि कुमारस्वामी के मामले में गहलोत ने कोई कार्रवाई नहीं की।

## त्रिपुरा में भीषण बाढ़ के हालात...शाह ने बात कर दिया हरसंभव मदद का भरोसा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा में बाढ़ की स्थिति पर गुरुवार को मुख्यमंत्री माणिक साहा से बात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने लिखा, त्रिपुरा के सीएम से बात की, और राज्य में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। केंद्र राहत और बचाव कार्यों में स्थानीय सरकार की सहायता के लिए नावों और हेलीकॉप्टरों के अलावा एनडीआरएफ की टीमों को भेज रही है। आवश्यकता पड़ने पर केंद्र से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। मोदी सरकार संकट की घड़ी में त्रिपुरा में हमारी बहनों और भाइयों के साथ मजबूती से खड़ी है।

सीएम माणिक साहा ने भी प्रदेश की मदद के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री शाह को धन्यवाद किया। उन्होंने लिखा, इस चुनौतीपूर्ण समय में त्रिपुरा के लोगों को अटूट समर्थन देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह का हृदय से आभार और धन्यवाद !

बता दें कि त्रिपुरा में पिछले दो दिनों में विभिन्न जिलों में भारी बारिश हुई है। लगातार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन जैसे हालत उत्पन्न हो गए हैं। कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। सोमवार से हो रही भारी बारिश के कारण लोगों को आर्थिक नुकसान भी हुआ है। उनके घरों में पानी भर गया है, जिससे वे अपना घर छोड़ने को मजबूर हैं। कई लोगों ने राहत शिविरों में शरण लिया है। मौसम विभाग ने बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रशासन राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता दे रहा है। लोगों से सावधान रहने की अपील की जा रही है। प्रदेश में बाढ़ के चलते स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। सरकारी सहायता प्राप्त निजी स्कूलों को बंद रखने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने त्रिपुरा के हालात पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी बात की और उन्हें मौजूदा स्थिति से अवगत कराया। सीएम साहा लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

## योगी के बुलडोजर ने धराशायी किया दुष्कर्म के आरोपी सपा नेता का कोल्ड स्टोरेज

**कन्नौज(एजेंसी)।** समाजवादी पार्टी के बड़े नेता और कन्नौज की सांसद डिम्पल यादव के सांसद प्रतिनिधि रह बताये जाने वाले किशोरी से दुष्कर्म के आरोपित पूर्व ब्लाक प्रमुख नवाब सिंह यादव का साथ देने वाले उसके एक रिश्तेदार के कोल्ड स्टोरेज पर प्रशासन का बुलडोजर चला है। वैसे कन्नौज के तिर्वा तहसील के बलनापुर गांव में यह कोल्ड स्टोरेज नवाब सिंह का बताया जा रहा है। आरोप है कि ग्राम समाज की जमीन पर नवाब सिंह ने अपने रिश्तेदार के नाम से यह कोल्ड स्टोरेज संचालित किया है। बुलडोजर कार्रवाई को लेकर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर कोल्ड स्टोरेज की बाउंड्री आदि गिराई गई।

गौरतलब हो, दस अगस्त की रात तिर्वा कोतवाली के एक गांव में रहने वाली 38 वर्षीय महिला अपनी 15 वर्षीय भतीजी के साथ पूर्व ब्लाक प्रमुख नवाब सिंह यादव के चौधरी चंदन सिंह डिग्री कालेज पहुंची थी। यहां रात दो बजे किशोरी ने 112 डायल कर पुलिस को सूचना दी थी कि कालेज का संचालक नवाब सिंह उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास कर रहा है। इससे पुलिस ने दबिश देकर आपत्तिजनक हालत में नवाब सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। इस दौरान पीड़िता की बुआ ने आरोपित का बचाव करते हुए तहरीर देने से इन्कार कर दिया था, लेकिन पीड़िता ने छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद 12 अगस्त को पीड़िता ने कोर्ट में पूर्व ब्लाक प्रमुख द्वारा दुष्कर्म करने के बयान दर्ज कराए थे। पीड़िता के माता-पिता ने बेटी के साथ दुष्कर्म में उसकी बुआ का सहयोग करने की बात कही थी। इससे पुलिस ने उसे भी मुल्जिम बनाया था। इसके बाद से बुआ फरार हो गई थी।

# जॉफ ने जेएम फाइनेंशियल प्राइवेट इक्विटी से सीरीज ए फंडिंग में 40 करोड़ रुपए जुटाए

एजेंसी

**पटना :** प्रमुख मसाला ब्रांड, जॉफ ने जेएम फाइनेंशियल इंडिया ग्रोथ फंड क्क्क्क के माध्यम से जेएम फाइनेंशियल प्राइवेट इक्विटी से सफलतापूर्वक 40 करोड़ रुपए जुटा लिए हैं। कंपनी इस फंडिंग का उपयोग नए प्रोडक्ट्स को लॉन्च करने और व्यवसाय को रेडी-टू-कुक, मसालें, कुकिंग पेस्ट और सीजनिंग किट जैसे नए क्षेत्रों में विस्तार करने के लिए करेगी। इसी के साथ कंपनी सामान्य व्यापार, आधुनिक ट्रेड चैनल्स और अन्य रिटेल आउटलेट्स के माध्यम से अपने ऑफलाइन डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है।

कंपनी का उद्देश्य मार्केटिंग पहलों के माध्यम से विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर अपनी ब्रांड की उपस्थिति को

बढ़ाना और ब्रांड के व्यापार और निर्यात को बढ़ाने के लिए बाजार में एक मजबूत ऑफलाइन नेटवर्क बनाना है।

पिछले कुछ सालों में, जॉफ भारत का ऐसा पहला ई-कॉमर्स ब्रांड बन गया है, जिसने इस विशेष क्षेत्र में फंडिंग प्राप्त की है। इन सालों में इसने क्यू-कॉमर्स पर ध्यान केंद्रित करके ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की है, जिससे ब्रांड ने बेहद कम समय में मसाला बाजार में बड़ा नाम कमाया है और लाभदायक राजस्व दर्ज किया है।

बाजार में अपनी अलग पहचान बनाने के बाद, जॉफ अब इस फंडिंग के साथ एक 360-डिग्री मॉडल पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने व्यवसाय को बढ़ाने की योजना बना रहा है। पूरे भारत में मजबूत उपस्थिति के साथ, कंपनी अब देश के टियर-II और टियर-III शहरों में अपनी पहुँच बढ़ाकर अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है। 2018 में दो भाइयों आकाश अग्रवाल और आशीष अग्रवाल द्वारा स्थापित जॉफ, उद्योग में पहले ही एक पहचान बना चुका है। ब्रांड ने बोट के को-फाउंडर और सीएमओ, अमन गुप्ता से शार्क टैंक इंडिया में फंडिंग हासिल की थी। अग्रवाल बंधुओं का उद्देश्य जॉफ को भारत का अग्रणी ऑनलाइन मसाला ब्रांड बनाना और एवरेस्ट और एमडीएच के बाद तीसरा राष्ट्रीय ब्रांड बनाना है। उनकी दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प कंपनी की वृद्धि और सफलता को बढ़ावा दे रहे हैं।

फंडिंग पर बात करते हुए आकाश अग्रवाल, को-फाउंडर, जॉफ, ने कहा, जेएम फाइनेंशियल प्राइवेट इक्विटी से फंडिंग प्राप्त करना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हमारी कंपनी ने पिछले कुछ सालों में तेजी से वृद्धि की है और यह निवेश हमें अपने संचालन को बढ़ाने और साथ ही अपनी पहुंच का विस्तार करने के लिए प्रेरित करेगा। जॉफ में, उन्नत तकनीक के साथ हमारे अत्याधुनिक, ऑटोमेटेड प्लांट से बने प्रोडक्ट्स, हमारे ग्राहकों को सुरक्षित और स्वच्छ प्रोडक्ट्स प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

# दूसरे धर्म की लड़की का निकाह कराने वाले मौलाना होशियार हो जायें

**लखनऊ (एजेंसी)।** इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गत दिवस धर्मांतरण से जुड़े एक मामले पर सुनवाई करते हुए निकाह कराने वाले मौलाना को जमानत नहीं दिये जाने का जो फैसला सुनाया है, वह उन लोगों के लिये आंख खोलने वाला है, जो सामने नहीं आकर पीछे से लव जेहाद और धर्मांतरण को बढ़ावा देते और कानून की कमजोरियों का सहारा लेकर बच निकलते हैं।कोर्ट ने माना कि इस्लाम अपनाने का दबाव डालकर निकाह कराना प्रथम दृष्टया धर्मांतरण (मतांतरण) कराने का अपराध है। इस टिप्पणी के साथ हाई कार्ट ने निकाह कराने वाले मौलाना को जमानत पर रिहा करने की अर्जी खारिज कर दी। भले ही न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने यह आदेश एक खास केस (अंकुर विहार गाजियाबाद निवासी मौलाना मोहम्मद शान आलम की अर्जी) पर दिया है, लेकिन इसका असर व्यापक होगा।

कोर्ट का यह कहना बिल्कुल सही था कि पीड़िता जो एक कंपनी में काम करती है, ने बयान दिया है कि अमान ने धर्म बदलने का दबाव डाला और उसका निकाह कराया गया। याची मौलाना ने जिलाधिकारी की अनुमति लिए बगैर निकाहनामा बनाया, जो दंडनीय अपराध है। उप्र विधि विरूद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध कानून 2021 की धारा-8 के अंतर्गत किसी के भी खिलाफ बलपूर्वक, गलतबयानी, धोखाधड़ी जबरदस्ती और प्रलोभन देकर धर्मांतरित करने पर कार्रवाई की जा सकती है। मौलाना का कहना था कि उसने सिर्फ निकाह कराया है। धर्म परिवर्तन में उसकी कोई भूमिका नहीं है। पीड़िता ने बयान में कहा है कि उसका शारीरिक शोषण किया गया और अमान ने इस्लाम कबूल करने का दबाव डाला। निकाह जबरन कराया गया। कोर्ट ने कहा कि भारत का संविधान हर व्यक्ति को अपने धर्म को मानने व प्रचार करने का मौलिक अधिकार देता है।

संविधान सभी व्यक्तियों को धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी भी देता है, जो भारत की सामजिक सद्भाव और भावना को दर्शाता है। संविधान के अनुसार राज्य को कोई धर्म नहीं है। राज्य के समक्ष सभी धर्म समान हैं। किसी धर्म को दूसरे धर्म पर वरीयता नहीं दी जा सकती। हालांकि हाल के दिनों में ऐसे कई उदाहण सामने आए हैं, जहां भोले-भाले लोगों को गलतबयानी, बल अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती, प्रलोभन या धोखाधड़ी के माध्यम से एक धर्म से दूसरे धर्म में परिवर्तित किया गया। यह मामला भी उसी तरह का लगता है। अधिनियम के अनुसार जबरन निकाह कराने के कारण याची धर्म परिवर्तित कराने वाला माना जाएगा और उसे

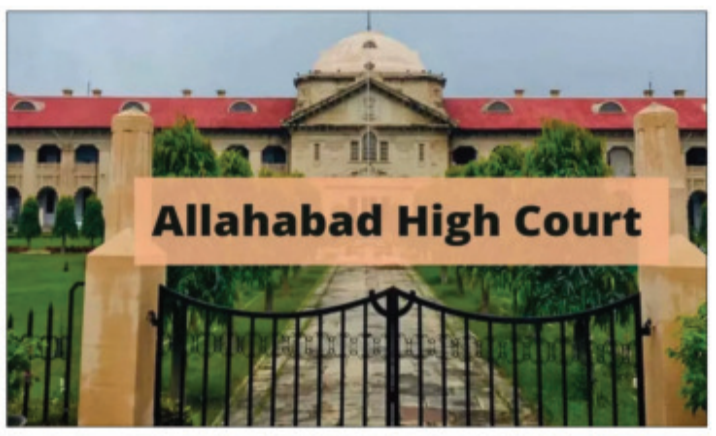


जमानत नहीं दी जा सकती। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि लव जेहाद के खिलाफ योगी सरकार जो कानून लाई थी उसका प्रभाव दिखना शुरू हो गया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**